।। अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत ।।

NORTH MAHARASHTRA UNIVERSITY
JALGAON

Syllabus For

S. Y. B. A.

HINDI

(III[rd] & IV[th] Semister)

(w.e.f.June 2014)

द्वितीय वर्ष कला - हिंदी पाठ्यक्रम

(पाठ्यक्रम आरंभ जून 2014)

तृतीय सत्र (semester III)

HIN-231-A) हिंदी सामान्य -3 (G-3)

विकल्प

HIN-231-B) प्रयोजनमूलक हिंदी - 3 (G-3)

HIN-232 - काव्यशास्त्र - हिंदी विशेष -1 (S-1)

HIN-233 - उपन्यास विधा - हिंदी विशेष-2 (S-2)

चतुर्थ सत्र (semester IV)

HIN-241-A) हिंदी सामान्य -4 (G-4)

विकल्प

HIN-241-B) प्रयोजनमूलक हिंदी - 4 (G-4)

HIN-242 - काव्यशास्त्र - हिंदी विशेष -3 (S-3)

HIN-243 - नाटक विधा - हिंदी विशेष-4 (S-4)

उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

(पाठ्यक्रम आरंभ जून 2014)

सूचनाएँ

1) इस पाठ्यक्रम हेतु सत्र पध्दति को अपनाया गया है।

2) प्रत्येक सत्र में 10 अंक अंतर्गत (Internal) मूल्यांकन के लिए तथा 40 अंक बाहय परीक्षा (External) के लिए होंगे।

3) हिंदी सामान्य (G-3/G-4) के लिए वैकल्पिक पेपर प्रयोजनमूलक हिंदी (G-3/G-4) होगा।

4) प्रत्येक सत्र के पाठ्यक्रम हेतु अध्यापनार्थ 45 तासिकाएँ अपेक्षित हैं ।

* तृतीय सत्र (III Semester) *

HIN-231- A) हिंदी सामान्य 3 (G-3)

उद्देश्य :

1) छात्रों को कहानी विधा से परिचित कराना ।

2) छात्रों को कहानियों के माध्यम से जीवन-मूल्यों से परिचित कराना।

3) छात्रों को समानार्थी एवं विलोमार्थी शब्दों से परिचित कराना ।

4) छात्रों में पल्लवन की क्षमता विकसित करना ।

पाठ्यक्रम

पाठ्यपुस्तक :

1) **कथासेतु** - संपादक, डॉ. उमाशंकर तिवारी, श्रीमती माधुरी सिंह

प्रकाशक - वाणी प्रकाशन, 21-ए, दरियागंज,

नई दिल्ली -110002

इस संकलन की निम्नलिखित कहानियाँ अध्ययन हेतु निर्धारित की गयी है -

1)	आकाशदीप	-	जयशंकर प्रसाद
2)	कफन	-	प्रेमचंद
3)	गैंग्रीन	-	अज्ञेय

4)	गदल	-	रांगेय राघव
5)	हत्या और आत्महत्या के बीच	-	शिवप्रसाद सिंह
6)	डिप्टी कलक्टरी	-	अमरकांत
7)	रसप्रिया	-	फणीश्वरनाथ रेणु
8)	चीफ की दावत	-	भीष्म साहनी
9)	दिल्ली में एक मौत	-	कमलेश्वर
10)	सुख	-	काशीनाथ सिंह

अपठित अंश :

क) समानार्थी एवं विलोमार्थी शब्द ।

ख) पल्लवन ।

संदर्भ ग्रंथ :

1) आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना -डॉ वासुदेवनंदन प्रसाद
प्रकाशक - भारती भवन, इलाहाबाद

.....

HIN-231- B) हिंदी प्रयोजनमूलक 3 (G-3)

(हिंदी सामान्य G-3 के लिए वैकल्पिक पेपर)

उद्देश्य :

1) मानक हिंदी और सांवैधानिक हिंदी का परिचय कराना ।
2) कार्यालयीन कार्यव्यवहार एवं पत्रव्यवहार की जानकारी देना ।
3) फाइलिंग प्रणाली की जानकारी देना।
4) शब्द संसाधन की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम

1) मानक हिंदी : हिंदी मानकीकरण के प्रयत्न,मानक हिंदी का स्वरूप और नियमावली का परिचय ।

हिंदी का संवैधानिक स्वरूप : अनुच्छेद क्रमांक 343 से 351 का सामान्य ज्ञान। कार्यालयीन हिंदी प्रयोग की समस्याएँ एवं समाधान ।

2) फाइलिंग प्रणाली का ज्ञान : फाइलिंग का स्वरूप, प्रकार, आवश्यकता और विशेषताएँ ।

3) कार्यालयीन कार्यव्यवहार : प्रविष्टि , अनुभाग – डायरी ,मोहर, वितरण, आवती -जावती रजिस्टर, टिप्पण, पत्र का उत्तर प्रेषण , पावती ।

4) कार्यालयीन पत्राचार : कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, प्रतिवेदन, स्मरणपत्र,परिपत्र, संकल्प, तार, प्रेसनोट ।

5) शब्द संसाधन : अर्थभेदकारी शब्दयुग्म (नमूना सूची संलग्न)

संदर्भ ग्रंथ :

1) मानक हिंदी और भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी
प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली ।

2) प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख
शैलजा प्रकाशन, कानपुर

3) हिंदी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप - डॉ. कैलासचंद्र भाटिया
साहित्य भवन प्रा.लि. इलाहाबाद

4) प्रयोजनमूलक हिंदी भाग 2और भाग3- डॉ. उर्मिला पाटील
अतुल प्रकाशन ,कानपुर

5) प्रायोगिक व्याकरण एवं पत्रलेखन - डॉ. गोस्वामी
विद्या प्रकाशन ,कानपुर

* प्रयोजनमूलक हिंदी (G-3) हेतु अर्थ भेदाकारी शब्दयुग्म की नमूना सूची :

अनल	-	आग	अनिल	-	हवा
ईशा	-	ऐश्वर्य	ईषा	-	हल की लंबी लकडी
उपल	-	पत्थर	उत्पल	-	कमल
कंगाल	-	गरीब	कंकाल	-	ठठरी,हड्डियों का ढाँचा
दिन	-	दिवस	दीन	-	गरीब
कुल	-	वंश	कूल	-	किनारा
खासी	-	अच्छी	खाँसी	-	एक रोग

गाडी	-	वाहन	गाढी	-	गहरी
गृह	-	घर	ग्रह	-	नक्षत्र
चिर	-	पुराना	चीर	-	कपडा
छत्र	-	छाता	छात्र	-	विद्यार्थी
जलद	-	बादल	जलज	-	कमल
तरंग	-	लहर	तुरंग	-	घोडा
तोश	-	हिंसा	तोष	-	संतोष
दिवा	-	दिन	दीवा	-	दीपक
निशाचर	-	राक्षस	निशाकर	-	चंद्रमा
नीर	-	जल	नीड	-	घोसला
परीक्षा	-	इम्तिहान	परिक्षा	-	कीचड
पानी	-	जल	पाणि	-	कर
बहु	-	बहुत	बहू	-	पुत्रवधू
रंक	-	दरिद्र	रंग	-	वर्ण
शर	-	बाण	सर	-	सरोवर
सदेह	-	देह के साथ	संदेह	-	शक
स्वेद	-	पसीना	श्वेत	-	सफेद
हरि	-	विष्णु	हरी	-	हरे रंग की
आदि	-	आरंभ / इत्यादि	आदी	-	कोई कार्य बारबार करना
अली	-	सखी	अलि	-	भौंरा
अवधि	-	समय	अवधी	-	हिंदी की बोली
अभिराम	-	सुंदर	अविराम	-	निरंतर
अनिष्ठ	-	निष्ठाहिन	अनिष्ट	-	हानि, बुराई
कपि	-	बंदर	कपी	-	घिरनी
चिता	-	शमशान की चिता	चीता	-	एक वन्य जीव
कंजर	-	नीच पुरूष	कुंजर	-	हाथी
तरणी	-	नौका	तरूणी	-	युवा स्त्री
देव	-	देवता	दैव	-	भाग्य

.....

HIN- 232 - काव्यशास्त्र - हिंदी विशेष -1 (S-I)

उद्देश्य :

1) काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय कराना ।
2) काव्य की विविध विधाओं से परिचित कराना ।
3) अलंकारों का परिचय कराना ।

पाठ्यक्रम

1) काव्य तथा साहित्य की परिभाषाएँ - संस्कृत, अंग्रेजी तथा हिंदी की प्रचलित परिभाषाओं की व्याख्या ।
2) क) काव्य के हेतु ।
   ख) काव्य के प्रयोजन (भारतीय एवं पाश्चात्य)
   (सूक्ष्म अध्ययन अपेक्षित नहीं)
3) काव्य के तत्त्व - भावतत्त्व, बुध्दितत्त्व, कल्पनातत्त्व एवं शैलीतत्त्व
4) काव्य के भेद :
   अ) भेद का आधार - श्रवणीयता एवं दृश्यात्मकता ।
   आ) प्रबंधकाव्य : महाकाव्य एवं खंडकाव्य ।
   मुक्तक काव्य : गीतिकाव्य, गजल (स्वरूप एवं अंग)।
   मुक्तक एवं प्रबंध काव्य में अंतर ।
5) अलंकार -
   अ) काव्य में अलंकारो का स्थान
   आ) निम्नलिखित अलंकारो का सोदाहरण परिचय
   1) अनुप्रास 2) यमक 3) श्लेष 4) उपमा 5) दृष्टांत
   6) विरोधाभास 7) अतिशयोक्ति 8) संदेह 9) भ्रांतिमान 10) उदाहरण

संदर्भ ग्रंथ :

1) साहित्य विवेचन - क्षेमचंद्र सुमन, योगेन्द्रकुमार मलिक
2) काव्यशास्त्र:विविध आयाम - सं. डॉ. मधु खराटे
3) काव्यशास्त्र - डॉ.भगिरथ मिश्र
4) काव्य प्रदीप - कन्हैयालाल पोद्दार

5) साहित्यशास्त्र - डॉ.चंद्रभानु सोनवणे

6) साठोत्तरी हिंदी गजल - डॉ. मधु खराटे

.....

HIN- 233 - उपन्यास विधा - हिंदी विशेष - 2 (S-II)

उद्देश्य :

1) उपन्यास विधा की विशेषताओं से परिचय कराना ।

2) उपन्यास के माध्यम से संवेदना जगाना।

3) उपन्यास के माध्यम से मानवी मूल्यों के प्रति आस्था निर्माण कराना ।

पाठ्यक्रम

पाठयपुस्तक :

1) **दौड़ : ममता कालिया**

प्रकाशक - वाणी प्रकाशन, 21-ए, दरियागंज,

नई दिल्ली -110002

.....

चतुर्थ सत्र (IV Semester)

HIN-241- A) हिंदी सामान्य 4 (G-4)

उद्देश्य :

1) छात्रों को खंडकाव्य विधा से परिचित कराना ।
2) छात्रों में पत्र-लेखन की क्षमता विकसित करना ।
3) छात्रों में शुध्दलेखन की क्षमता विकसित करना ।

पाठ्यक्रम

पाठ्यपुस्तक :

1) **कुरूक्षेत्र (खंडकाव्य)** - **रामधारीसिंह दिनकर**
प्रकाशक - राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली

अपठित अंश :

क) पत्रलेखन :
आवेदन - पत्र : नौकरी , छुटटी, शुल्क में रियायत हेतु ।

ख) केन्द्रीय हिंदी निदेशालय की वर्तनी संबंधी नियमावली का ज्ञान ।

संदर्भ ग्रंथ :

1) आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना -डॉ वासुदेवनंदन प्रसाद
प्रकाशक - भारती भवन, इलाहाबाद
2) हिंदी आलेखन एवं टिप्पण - ओमप्रकाश शर्मा
प्रकाशक - सन्मार्ग प्रकाशन , दिल्ली -1
3) देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण
प्रकाशक – केन्द्रीय हिंदी निदेशालय , दिल्ली
4) सुबोध हिंदी व्याकरण एवं रचना - वीरेन्द्रकुमार गुप्ता
प्रकाशक – एस. चाँद ॲन्ड कंपनी , दिल्ली
5) मानक हिंदी व्याकरण – डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय
प्रकाशक – विद्या प्रकाशन , कानपुर
6) प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. उर्मिला पाटील
प्रकाशक – अतुल प्रकाशन ,कानपुर

.....

HIN- 241- B) हिंदी प्रयोजनमूलक 4 (G-4)

(हिंदी सामान्य G-4 के लिए वैकल्पिक पेपर)

उद्देश्य :

1) अनुवाद प्रक्रिया के स्वरूप को समझाना ।
2) संचार एवं मुद्रित माध्यमों में हिंदी भाषा के प्रयोग की जानकारी देना ।
3) साक्षात्कार प्रणाली से परिचित कराना ।
4) शब्द संसाधन की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम

1) अनुवाद प्रक्रिया : अनुवाद के सोपान, प्रकार,उद्देश्य, आवश्यकता, समस्याएँ और अनुवादक के गुण ।
2) संचार माध्यम और हिंदी भाषा : श्रव्य और दृश्य माध्यम - रेडिओ दूरदर्शन,सिनेमा,कम्प्युटर(संगणक), इंटरनेट का सामान्य परिचय, माध्यमों की उपयोगिता और हिंदी भाषा प्रयोग ।
3) मुद्रित माध्यम : पत्र, पत्रिका ,पोष्टर,हैंडबिल में हिंदी भाषा प्रयोग ।
4) शब्द संसाधन : मुहावरों का अर्थ एवं वाक्य में प्रयोग । (नमूना सूची संलग्न)
5) साक्षात्कार (भेटवार्ता) : साहित्यिक,कलाकार,पुरस्कार प्राप्त व्यक्ति, स्वतंत्रता सेनानी ,उद्योगपति, खिलाडी, कार्यालयीन अधिकारी ।

संदर्भ ग्रंथ :

1) मानक हिंदी और भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी
प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2) प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख
शैलजा प्रकाशन, कानपुर
3) हिंदी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप - डॉ. कैलासचंद्र भाटिया
साहित्य भवन प्रा.लि. इलाहाबाद
4) दृश्य - श्रव्य माध्यम लेखन - डॉ. राजेंद मिश्र
तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली -2

5) अनुवाद निरूपण – डॉ. भारती गोरे
विकास प्रकाशन , कानपुर
6) प्रयोजनमूलक हिंदी भाग 2और भाग3- डॉ. उर्मिला पाटील
अतुल प्रकाशन ,कानपुर
7) प्रायोगिक व्याकरण एवं पत्रलेखन - डॉ. गोस्वामी
विद्या प्रकाशन ,कानपुर

* प्रयोजनमूलक हिंदी (G-4)हेतु मुहावरों की नमूना सूची *

आग में घी डालना	-	क्रोध को भडकाना
आग लगाना	-	चुगली करना
अक्ल चरने जाना	-	बुध्दि नष्ट हो जाना
उलटी - सीधी सुनाना	-	फटकारना
एक आँख से देखना	-	समान व्यवहार करना
उँट के मुँह में जीरा	-	ज्यादा आवश्यकता वाले को कम देना
कमर टूटना	-	निराश हो जाना
कलई खुलना	-	भेद खुल जाना
खून के घूँट पीना	-	सह लेना , गुस्से को पी जाना
गले का हार बनना	-	अति प्रिय होना
गंगा नहाना	-	निवृत्त होना
घास खोदना	-	व्यर्थ समय बिताना
घर का बोझ उठाना	-	घर बार संभालना
घर सिर पर उठा लेना	-	शोर मचाना
घाट-घाट का पानी पीना	-	जगह - जगह घुमना
घोडे बेचकर सोना	-	बेफिक्र हो जाना
चाँद पर धूल उडाना	-	निर्दोष व्यक्ति में दोष निकालना
चिराग लेकर ढूँढना	-	तलाश करना
छक्के छुडाना	-	पराजित करना
छोटा मुँह बडी बात करना	-	हैसियत से बडी बात करना
जबान में लगाम न होना	-	उलटा - सीधा बकना

जान से हाथ धोना	-	जान गवाना
झक मारना	-	व्यर्थ में समय गवाना
टाँग अडाना	-	बाधा डालना
टका-सा जबाब देना	-	साफ इंकार करना
ढाक के तीन पात	-	जैसे के तैसे
तारे गिनना	-	नींद न आना
दिन काटना	-	समय बिताना
पट्टी पढाना	-	बहकाना
बालू की भीत जमाना	-	असंभव की आशा करना
भीगी बिल्ली बनना	-	चुपचाप रहना
विष उगलना	-	किसी के विरूध्द अनाप-शनाप कहना
आस्थिन का साँप	-	विश्वासघाती
आसमान टूटना	-	विपत्ति में पडना
खिचडी पकाना	-	गुप्त रूप से कार्य करना
गाजर - मूली समझना	-	अत्यंत शक्तिहीन समझना
टेढी खीर	-	कठिन कार्य
दाँत खट्टे करना	-	पराजित करना
दाल न गलना	-	कार्य न बनना
नाक रगडना	-	गिडगिडाना
पासा पलटना	-	परिस्थिति बदलना
बगल झाँकना	-	उत्तर न देना
भण्डा फूटना	-	भेद खुलना
मुँह फुलाना	-	असंतुष्ट होना , नाराज होना
रंग में भंग	-	आनंद में विघ्न
लट्टू होना	-	मुग्ध होना
हाथ मलना	-	पछताना
हवाई किले बनाना	-	निराधार बातें सोचना
अंधे की लकडी	-	एकमात्र सहारा
आँखों से गिरना	-	आदर घटना

.....

HIN - 242 - काव्यशास्त्र - हिंदी विशेष -3 (S-III)

उद्देश्य :

1) काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय कराना ।
2) गद्य की विविध विधाओं से परिचित कराना ।
3) शब्दशक्तियों का परिचय कराना ।
4) छंद एवं रसों का परिचय कराना ।
5) आलोचना की क्षमता विकसित कराना ।

पाठ्यक्रम

1) शब्दशक्ति - अभिधा , लक्षणा और व्यंजना का सामान्य परिचय
   (उपभेदों का अध्ययन अपेक्षित नहीं)
2) गद्य के भेद –
   अ) उपन्यास , कहानी एवं नाटक
   (स्वरूप एवं तत्त्वों का विस्तृत परिचय ।)
   आ) एकांकी,निबंध,संस्मरण,रेखाचित्र,आत्मकथा,जीवनी,दूरदर्शन नाटक,रेडिओ नाटक ।
   (स्वरूप एवं तत्त्वों का सामान्य परिचय ।)
3) रस - शृंगार,करूण,वीर एवं शांत रस का सोदाहरण परिचय ।
4) आलोचना - स्वरूप, आवश्यकता एवं आलोचक के गुण ।
   (आलोचना के प्रकार अपेक्षित नहीं ।)
5) छंद - अ) छंद का काव्य में स्थान ।
   आ) निम्नलिखित छंदो का सोदाहरण परिचय
   मात्रिक छंद - दोहा चौपाई,सोरठा।
   वर्णिक छंद- इंद्रवज्रा,शिखरिणी, भुजंगप्रयात।

संदर्भ ग्रंथ :

1) साहित्य विवेचन - क्षेमचंद्र सुमन, योगेन्द्रकुमार मलिक
2) काव्यशास्त्र:विविध आयाम - सं. डॉ. मधु खराटे
3) काव्यशास्त्र - डॉ.भगिरथ मिश्र
4) काव्य प्रदीप - कन्हैयालाल पोद्दार
5) साहित्यशास्त्र - डॉ.चंद्रभानु सोनवणे

.....

HIN 243 नाटक विधा - हिंदी विशेष - 4 (S-IV)

उद्देश्य :

1) नाटक विधा की विशेषताओं से परिचय कराना ।

4) नाटक के माध्यम से मानवीय संवेदना जगाना।

5) नाटक के माध्यम से मानवी मूल्यों के प्रति आस्था निर्माण कराना ।

पाठ्यक्रम

पाठ्यपुस्तक :

1) नाटक : कबीरा खड़ा बजार में - भीष्म साहनी
राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

.....

द्वितीय वर्ष कला – हिंदी

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

तृतीय सत्र - III Semester

HIN-231-A) हिंदी सामान्य -3 (G-3)

समय : दो घंटे कुल अंक 40

प्र.क्र. 1)	कहानियों पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न		10
	अथवा		
	कहानियों पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न		
प्र. क्र. 2)	कहानियों पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (4 में से 2)		10
प्र. क्र. 3)	कहानियों पर आधारित ससंदर्भ व्याख्या (4 में से 2)		08
प्र. क्र. 4)	अ)	समानार्थी शब्द लिखिए (5 में से 3)	03
	आ)	विलोमार्थी शब्द लिखिए (5 में से 3)	03
	इ)	पल्लवन हेतु चार उक्तियाँ दी जायेगी उनमें से किसी एक का पल्लवन अपेक्षित	06

HIN- 231-B) प्रयोजनमूलक हिंदी - 3 (G-3)

(हिंदी सामान्य G-3 के लिए वैकल्पिक पेपर)

समय : दो घंटे कुल अंक 40

प्र. क्र. 1)	मानक हिंदी पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न	10
	अथवा	
	हिंदी का संवैधानिक स्वरुप पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न	
प्र.क. 2)	फाइलिंग प्रणाली पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	10
प्र. क्र. 3)	कार्यालयीन कार्यव्यवहार पर टिप्पणियाँ (3 में से 2)	10
प्र. क्र. 4)	क) कार्यालयीन पत्राचार पर आधारित पत्र का प्रारूप तैयार करना (2 में से 1)	06
	ख) अर्थभेदाकारी शब्दयुग्मों का अर्थ देकर वाक्य में प्रयोग (4 में से 2)	04

HIN-232 - काव्यशास्त्र - हिंदी विशेष -1 (S-1)

समय : दो घंटे कुल अंक 40

प्र. क्र. 1)	दीर्घोतरी प्रश्न	10
	अथवा	
	दीर्घोतरी प्रश्न	
प्र. क्र. 2)	लघुत्तरी प्रश्न (4 में से 2)	10
प्र. क्र.3)	टिप्पणियाँ लिखिए (4 में से 2)	10
प्र. क्र. 4)	अ) अलंकार पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न	05
	आ) अलंकारों का सोदाहरण परिचय (2 में से 1)	05

(अलंकारों पर स्वतंत्र प्रश्न दिया गया है। अत: प्र. क्र. 1,2,3 में अलंकारों का समावेश नहीं होगा)

HIN - 233 - उपन्यास विधा - हिंदी विशेष-2 (S-2)

समय : दो घंटे | कुल अंक 40

प्र. क्र. 1)	उपन्यास पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा उपन्यास पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न	10
प्र. क्र. 2)	उपन्यास पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	10
प्र. क्र. 3)	उपन्यास पर आधारित टिप्पणियाँ (3 में से 2)	10
प्र. क्र. 4)	उपन्यास पर आधारित ससंदर्भ व्याख्या (3 में से 2)	10

द्वितीय वर्ष कला – हिंदी

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

चतुर्थ सत्र - IV Semester

HIN-241-A) हिंदी सामान्य -4 (G-4)

समय : दो घंटे | कुल अंक 40

प्र.क्र. 1)	`कुरूक्षेत्र` पर आधारित दीर्घोतरी प्रश्न अथवा `कुरूक्षेत्र` पर आधारित दीर्घोतरी प्रश्न		10
प्र. क्र. 2)	`कुरूक्षेत्र` पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न	(4 में से 2)	10
प्र. क्र. 3)	`कुरूक्षेत्र` पर आधारित ससंदर्भ व्याख्या	(4 में से 2)	08
प्र. क्र. 4)	अ) पत्रलेखन (दो में से किसी एक पत्र का प्रारुप तैयार करना होगा)		06
	आ) वाक्य शुध्दिकरण (8 में से 6) (केन्द्रीय हिंदी निदेशालय की वर्तनी की नियमावली पर आधारित)		06

HIN - 241-B) प्रयोजनमूलक हिंदी - 4 (G-4)

(हिंदी सामान्य G-4 के लिए वैकल्पिक पेपर)

समय : दो घंटे कुल अंक 40

प्र. क्र. 1)	अनुवाद प्रक्रिया पर दीर्घोतरी प्रश्न	10
	अथवा	
	अनुवाद प्रक्रिया पर दीर्घोतरी प्रश्न	
प्र.क. 2)	संचार माध्यम और हिंदी भाषा पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	10
प्र. क्र. 3)	मुद्रित माध्यम पर आधारित टिप्पणियाँ (3 में से 2)	10
प्र. क्र. 4)	क) साक्षात्कार (2 में से 1)	06
	ख) मुहावरों का अर्थ देकर वाक्य में प्रयोग (4 में से 2)	04

HIN - 242 - काव्यशास्त्र - हिंदी विशेष -3 (S-3)

समय : दो घंटे कुल अंक 40

प्र. क्र. 1)	दीर्घोतरी प्रश्न	10
	अथवा	
	दीर्घोतरी प्रश्न	
प्र. क्र. 2)	लघुत्तरी प्रश्न (4 में से 2)	10
प्र. क्र.3)	टिप्पणियाँ लिखिए (4 में से 2)	10
प्र. क्र. 4)	अ) छंद पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न	05
	आ) छंद का सोदाहरण परिचय (मात्रिक छंद को वर्णिक छंद अथवा के रूप में दिया जाएगा। उनमें से किसी एक छंद का सोदाहरण परिचय अपेक्षित)	05

(छंदों पर स्वतंत्र प्रश्न दिया गया है। अत: प्र. क्र. 1,2,3 में छंदों का समावेश नहीं होगा)

HIN - 243 - नाटक विधा - हिंदी विशेष-4 (S-4)

समय : दो घंटे | कुल अंक 40

प्र. क्र. 1)	नाटक पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा नाटक पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न	10
प्र. क्र. 2)	नाटक पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	10
प्र. क्र. 3)	नाटक पर आधारित टिप्पणियाँ (3 में से 2)	10
प्र. क्र. 4)	नाटक पर आधारित ससंदर्भ व्याख्या (3 में से 2)	10

---

* समकक्ष विषयों की सूची *

तृतीय सत्र (semester III)

अ.क्र	पुराना पाठ्यक्रम	अ.क्र.	नया पाठ्यक्रम
1	हिंदी सामान्य - I (G-2)	1	HIN-231-A) हिंदी सामान्य -3 (G-3)
2	प्रयोजनमूलक हिंदी - I (G-2)	2	HIN-231-B) प्रयोजनमूलक हिंदी - 3 (G-3)
3	काव्यशास्त्र - I हिंदी विशेष - I (S-1)	3	HIN-232 - काव्यशास्त्र - हिंदी विशेष -1 (S-1)
4	उपन्यास, नाटक एवं व्यंग्य विधा - I हिंदी विशेष - II (S-2)	4	HIN-233 - उपन्यास विधा - हिंदी विशेष-2 (S-2)

चतुर्थ सत्र (semester IV)

अ.क्र	पुराना पाठ्यक्रम	अ.क्र.	नया पाठ्यक्रम
1	हिंदी सामान्य – II (G-2)	1	HIN-241-A) हिंदी सामान्य -4 (G-4)
2	प्रयोजनमूलक हिंदी - II (G-2)	2	HIN-241-B) प्रयोजनमूलक हिंदी - 4 (G-4)
3	काव्यशास्त्र - II हिंदी विशेष - I (S-1)	3	HIN-242 - काव्यशास्त्र - हिंदी विशेष -3 (S-3)
4	उपन्यास, नाटक एवं व्यंग्य विधा - II हिंदी विशेष - II (S-2)	4	HIN-243 - नाटक विधा - हिंदी विशेष-4 (S-4)

डॉ. शिवाजी देवरे
अध्यक्ष
हिंदी अध्ययन मंडल
उमवि, जलगाँव

रोजगारभिमुख उपलब्धता

१. भाषा, कला, शिक्षा और संस्कृति के जरिए अलग-अलग भाषा के लाग अपने दृष्टिकोण को विशाल बना पाये हैं। इसमें अनुवादक की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।

२. एक सफल अनुवादक निर्माण करना

३. भारतीय साहित्य और विश्वसाहित्य की कई कालजयी कृतियों का अनुवाद कराना।

४. अनुवाद के क्षेत्र में सेवारत व्यक्तियों के अनुभव, चिंतन, निरीक्षण और विश्लेषण केा विशेष महत्व देना।

५. भारतीय काव्यशास्त्र के समान भारतीय अनुवादशास्त्र की भी संकल्पना विकसित करना।

६. जनसंचार माध्यम द्वारा जानकारी या विचारां को समाज तक पहुँचाना ताकि सभी लोग जानकारी से अवगत हो सके और लाभ उठा सकें।

७. कहानियों के माध्यम से जीवन-मूल्यों से परिचित कराना।

८. फाइलिंग प्रणाली का ज्ञान, कार्यालयीन कार्यव्यवहार, कार्यालयीन पत्राचार के द्वारा रोजी रोटी के लिए मौके उपलब्ध कराना।

९. अर्थ भेदाकारी शब्द युग्म द्वारा हिन्दी भाषा को समृध्द करना।

१०.काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय और विविध विधाओं से परिचित कराना।

११.उपन्यास विधा के द्वारा मानव जीवन के चरित्र को समझना।

१२.रेडिओं, दूरदर्शन, सिनेमा, संगणक, इंटरनेट का परिचय और उसके द्वारा रोजगारभिमुखता उपलब्ध कराना।

१३.नाटक के माध्यम से अभिनय क्षमता को विकसित करना।

१४.खण्डकाव्य द्वारा विश्व में युध्द और शांति की समस्या को जानना।

डॉ. शिवाजी देवरे
अध्यक्ष
हिंदी अध्ययन मंडल
उमवि, जलगाँव

---------XXX----------

..... †ŸÖ¸ß ¯Ö™¾Ö –ानज्योत ।।

NORTH MAHARASHTRA UNIVERSITY JALGAON

Syllabus for **T. Y. B. A. – HINDI**

Semister V & VI

(w. e. f. June 2015)

उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

ŸÖéŸÖßµÖ वर्ष कला ØÆü¤üß ¯ÖÖठ्यक्रम

(जून 2015 ÃÖê ¯ÖÖ¸ü³Ö)

¯ÖÖ“Ö¾Öê ÃÖ¡Ö (Semister V)

HIN - 351 A	हिंदी सामान्य (G-3) - I
HIN - 351 B	प्रयोजनमूलक हिंदी (G-3) - I
HIN - 352	हिंदी साहित्य का इतिहास (S-3) - I
HIN - 353	³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान तथा राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास (S-4) - I

ÂÖÂšü ÃÖ¡Ö (Semister VI)

HIN - 361 A	हिंदी सामान्य (G-3) - II
HIN - 361 B	प्रयोजनमूलक हिंदी (G-3) - II
HIN - 362	हिंदी साहित्य का इतिहास (S-3) - II
HIN - 363	³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान तथा राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास (S-4) - II

उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

ŸÖŸÖßµÖ वर्ष कला ØÆ¤ß पाठ्यक्रम

(जून 2015 ÃÖê ¯ÖÖ¸ü³Ö)

✦ सूचनाएँ :-

1) तृतीय वर्ष कला के पाठ्यक्रम ÆŸÖ सत्र पध्दति का अपनाया गया है।

2) प्रत्येक पेपर के अध्यापन हेतु 45 तासिकाएँ अपेक्षित है।

3) हिंदी सामान्य (G-3) के लिए वैकल्पिक पेपर प्रयोजनमूलक हिंदी होगा।

¯Ö“Ö´Ö ÃÖ¡Ö (Semister V) : HIN - 351 A हिंदी सामान्य (G-3) - I

¯ÖÖŠ्यक्रम में निम्नलिखित एकांकी अध्ययन हेतु निर्धारित हैं -

1) ¯Ö×ŸÖ¿ÖÖ¬Ö	-	डॉ. रामकुमार वर्मा
2) पिकनिक	-	विष्णु प्रभाकर
3) ÃÖÖµÖÖ	-	ÃÖŸµÖê¦ü ¿Ö¸üŸÖ
4) महाभारत की साँ—Ö	-	भारतभूषण अग्रवाल
5) स्ट्राइक	-	भुवनेश्वर
6) लक्ष्मी का स्वागत	-	उपेंद्रनाथ अश्क
7) मम्मी ठकुराइन	-	लक्ष्मीनारायण लाल
8) नये मेहमान	-	उदयशंकर भट्ट

✦ लेखन व्याकरण -

1) पारिभाषिक शब्दावली (नमूना सूची संलग्न)

2) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द।

✦ संदर्भ ग्रंथ :-

1) **एकांक परिमल - प्र. सं. डॉ. मधुकर खराटे, विद्या प्रकाशन, कानपुर**

2) आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना - डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

3) मानक हिंदी व्याकरण - डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय, विद्या प्रकाशन, कानपुर

ÂÖÂšü ÃÖ¡Ö (Semister VI): HIN - 361 A हिंदी सामान्य (G-3) - II

पाठ्यक्रम में निम्नलिखित निबंध अध्ययन हेतु निर्धारित हैं -

1) ज़बान	-	बालकृष्ण भट्ट
2) नोखा	-	प्रतापनारायण मिश्र
3) आशा का अंत	-	बालमुकुन्द गुप्त
4) भाव या मनोविकार	-	¸Ö´Ö“Ö¦ ¿ÖŒ»Ö
5) ¤üÖ ×ÃÖख सिखियो न मानत	-	Æü•ÖÖ¸üß¯ÖÃÖÖ¤ü ×«ü¾Öê¤üß
6) ÃÖ¾ÖÖ	-	शिवपूजन सहाय
7) शिक्षा का उद्देश्य	-	´ÖÆüÖ¤ü¾ÖßÖ ¾Ö´ÖÖ
8) †´´ÖÖ	-	नर्मदाप्रसाद उपाध्याय

✦ लेखन व्याकरण -

1) निबंध लेखन।

✦ संदर्भ ग्रंथ -

1) **निबंध मं•Ö¸üß - ¯Ö. ÃÖ. ¯ÖÖ. ›üÖ. ×¿Ö¾ÖÖ•Öß ¤ü¾Ö¸, विद्या प्रकाशन, कानपुर**

2) आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना - डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

3) मानक हिंदी व्याकरण - डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय, विद्या प्रकाशन, कानपुर

4) सामाजिक निबंध - डॉ. रमेशचंद्र शर्मा, विद्या प्रकाशन, कानपुर

5) हिंदी निबंध और रचना - रामसकल शर्मा, एस. चाँद ॲण्ड कंपनी, नई दिल्ली

--------------------0000000---------------------

¯Ö"Ö´Ö ÃÖ¡Ö (Semister V) : HIN - 351 A हिंदी सामान्य (G-3) - I

ÃÖ¡Ö-¯Ö"Ö´Ö ÆüÖ पारिभाषिक शब्दावलß - नमूना सूची

पदनाम - (Designation)

Advocate	†×Ö¾ÖŒÖŸÖÖ		Record Keeper	अभिलेखपाल
Adviser	सलाहकार		Steno Typist	आशुटंकक, लघु टंकलेखक
Chief Minister	मुख्यमंत्री		Store Keeper	³Ö>ÖÖ¸üß
Clerk	लिपिक		Superintendent	अधीक्षक
Commissioner	†ÖµÖŒÖŸÖ		Supervisor	पर्यवेक्षक
Chief Commercial Superintendent	मुख्य वाणिज्य अधिक्षक		Surveyor	सर्वेक्षक
Custodian	अभिरक्षक		Ambassador	¸üÖ•ÖªÖ¤üÖŸÖ
Controller	नियंत्रक		Body Guard	अंगरक्षक
Director	निदेशक, संचालक		Demonstrator	निदर्शक
Divisional Superintendent	मंडल अधिक्षक		Engineer	†×³ÖµÖÓŸÖÖ
Inspector	निरीक्षक		Executive Engineer	कार्यकारी अभियंता
Judge	न्यायाधिश		Gazetted Officer	राजपत्रित अधिकारी
Justice	न्यायमूर्ति		General Manager	महाप्रबंधक
Legal Adviser	विधी सलाहकार		Labour Officer	श्रम अधिकारी
Nurse	परिचारिका		Personal Assistant	निजी सहाय्यक, स्वीय सहाय्यक
Operator	प्रचालक		Planning Officer	योजना अधिकारी
Prime Minister	प्रधानमंत्री		Traffic Manager	µÖÖŸÖÖµÖÖŸÖ प्रबंधक
Secretary	ÃÖ×"Ö¾Ö		Treasurer	कोषाध्यक्ष

प्रशासनिक शब्दावली

Approval	अनुमोदन		Increment	वेतन वृध्दि
Appendix	¯Ö×¸ü×¿ÖÂ™ü		Jurisdiction	क्षेत्राधिकार
Appointment	नियुक्ती		Loading	लदान
Agreement	करार, अनुबंध		Lost Property Office	लापता सामान कार्यालय
Admissible	ग्राहय, स्वीकार्य		Monopoly	एकाधिकार
Countersigned	प्रतिहस्ताक्षरित		Promotion	पदोन्नती, तरक्की
Classification	वर्गीकरण		Resignation	त्यागपत्र
Column	ÃÖŸÖÓ³Ö		Sanction	संस्वीकृती, मंजुरी
Contingencies	आकस्मीक व्यय		Statement	बयान, वि¾Ö¸रण
Counterfoil	प्रतिपर्ण		Regional/ Zonal	क्षेत्रीय
Consigner	प्रेषक, माल भेजनेवाला		Regular	नियमित
Calculator	गणक		Retirement	निवृत्ती
Computer	संगणक		Correspondence	¯Ö¡ÖÖ"ÖÖ¸ü
Grade			Grade	¯Ö¤üÎú´Ö
Document	प्रलेख, दस्तावेज		Demotion	पदावनति
Drafting	आलेखन		Eligible	¯ÖÖ¡Ö
Declaration	घोषणा		Revised	पुनरीक्षित/ ÃÖ¬ÖÖ×¸üŸÖ
Draft	¯ÖÖ¹ý¯Ö, ´ÖÃÖÖ¤üÖ		Miscellaneous	प्रकीर्ण
Employee	कर्मचारी, सेवक			

Employment	रोजगार, सेवा योजना		Transcription	प्रतिलेखन
Foot Note	Ÿ0»0 x™¯0		Management	¯0²0¬0
Juniority	कनिष्ठता		Cancellation	निरसन
Proposal	¯0ÃŸ00¾0		Conclusion	निष्कर्ष
Authorised	प्राधिकृत		Post	¯0¤
Submission	प्रस्तुतीकरण, निवेदन		Dismissal	¯0¤“µ0xŸ0
Minutes (of a Meeting)	कार्यवृत्त		Advice	¯0¸0´0¿0
Surcharge	†x¬0³00¸		Eligibility	¯00¡0Ÿ00
Figures	आँकडे		Enquiry	¯0”Ÿ00”
Order	†0¤¿0		Representation	प्रतिनिधित्व, प्रतिनिधान
Objection	†0¯0x¢0		Certified	प्रमाणित
Action	कारवाई		Seniority	¾0x¸ÂŠŸ00
Capacity	क्षमता		Priority	प्राथमिकता
Compensation	क्षतिपूर्ति, मुआवजा		Authentic	प्रामाणिक
Current	“00»0		Suspension	निलंबन
Surety	•00´0ßन		Procedure	xक्रयाविधी
Breakage/ Wear & Tear	™™ ±ú™		Temporary	†Ã£00µ0ß
Rate	¤¸		Partial	आंशिक
Claimant	¤0¾0¤0¸		Basis/ Ground	†0¬00¸
Specified	निर्दिष्ट		Average	†0Ã0Ÿ0
Tourism	पर्यटन		Fare	किराया
Receipt	¯00¾0Ÿ0ß, ¸Ã0ß¤		Damage	क्षति
Stamped	मुद्रांकित		Mortgage	गिरवी, बंधक
Account	लेखा		Security Bond	जमानतनामा
Demurrage	विलंब शुल्क		Total	जोड, योग
Duty	शुल्क		Cartage	œ»00‡
Damages	हर्जाना		(T0) Register	दर्ज करना
Estimate	अनुमान		Renewal	नवीकरण
Grant	अनुदान		Registered	पंजीकृत
Implementation	कार्यान्वयन		Fortnightly	पाक्षिक
Initials	आद्याक्षर, प्राक्षर		Demand	माँग
Note	टिप्पणी		Cash	रोकड
Report	प्रतिवेदन		Recovery	¾0Ã0»0ß
Responsibility	ˆ¢0¸¤0xµ0Ÿ¾0		Delay	x¾0»0²0
Scheme	योजना		Complaint	शिकायत
Activity	xक्रµ00¿0ß»0Ÿ00		Fair Copy	Ã¾0“” ¯0Ÿ0ß, Ã00±ú ¯0Ÿ0ß
Nominal	नाममात्र		Consignee	´00»0 ¯ानेवाला

¯Öü“Ö´Ö ÃÖ¡Ö (Semister V): HIN - 351 B प्रयोजनमूलक ØÆü¤üß (G-3) - I

✦ **पाठ्यक्रम -**

1) कार्यालयी भाषा ØÆü¤üß - ÃÂ¾Ö¹ý¯Ö, विशेषताएँ, कार्यालयी भाषा के रुप में हिंदी का विकास, हिंदी के प्रयोग का सांविधानिक प्रावधान, राष्ट्रपति के आदेशों का सामान्य परिचय, हिंदी प्रयोग की समस्याएँ…

2) कार्यालयी हिंदी क्रियान्वयन योजना - हिंदी प्रशिक्षण कार्यक्रम, परीक्षा, पाठ्यक्रम, पारिभाषिक शब्दावली एवं शब्दकोश निर्माण, संगणक की दृष्टि से देवनागरी लिपि का महत्त्व, केंद्रीय हिंदी निदेशालय तथा केंद्रीय अनुवाद ब्युरो का परिचय…

3) संप्रेषण - ÃÂ¾Öºþ¯Ö, प्रमुख भेद (भाषिक, लिखित, मौखिक, भाषेतर), तत्व एवं नियमों की जानकारी…

4) टिप्पण (Noting) - स्वरुप, उद्देश्य, प्रकार, प्रक्रिया, टिप्पणी के तत्व एवं नियमों की जानकारी।

5) कार्यालयी कार्यसूची- कार्यक्रम पत्रिका (अजेंडा), कार्यालयी पत्रिका विवरण, कार्यवृत्त, बैठक की रिपोर्ट, सचिव के कार्य, पदनाम लेखन, टेबल पट्ट, सूचना पट्ट लेखन की आवश्यकता।

ÂÖÂšü ÃÖ¡Ö (Semister VI): HIN - 361 B प्रयोजनमूलक ØÆü¤üß (G-3) - II

✦ **पाठ्यक्रम -**

1) वाणिज्यिक पत्रलेखन- ¯Öæ”ûÖ”û ¯Ö¡Ö, आदेश पत्र, शिकायत पत्र, साख पत्र, क्षतिपूर्ति पत्र, तकादे का ¯Ö¡Ö…

2) ¾µÖÖ¾ÖÆüÖ×¸üक बैंकिंग- बैंकिंग कार्यव्यवहार का –ाान, खाता खोलना, खाता बंद करना, बैंक में धन जमाकर्ता की नियमावली, चेक, हुंडी, ड्राफ्ट, लेखा परीक्षा (Audit) की जानकारी, विविध प्रकार के कर्ज की जानकारी।

3) पत्रकारिता - आदर्श पत्रकारिता, पत्रकार की योग्यताएँ, समाचार संकलन-संपादन, शीर्षक- संपादकीय का वैशिष्ट्य, पत्रकारिता की भाषा, पत्रकारिता की ×•Ö´´Öê¤üÖ×¸üµÖÖ…

4) ×¾Ö-ज्ञापन- स्वरुप, महत्व एवं आवश्यकता, वि–ज्ञापन के प्रकार, वि–ज्ञापन की भाषा के रुप में हिंदी का प्रयोग, विभिन्न माध्यमों के ×»Ö‹ ×¾Ö–ज्ञापन तैयार करना…

5) ¿Ö²¤ü ÃÖÖधन- अनेक शब्दों के लिए एक शब्द…

✦ संदर्भ ग्रंथ -

1) हिंदी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरुप - डॉ. कैलासचंद्र भाटिया, साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद

2) जनसंचार माध्यमों में हिंदी - डॉ. चंद्रकुमार, क्लासिक पब्लिकेशन, नई दिल्ली

3) प्रयोजनमूलक हिंदी - ›Ö. ×¾Ö•ÖµÖ¯ÖÖ»Ö ØÃÖÆ, संजय बुक सेंटर, वाराणसी

4) हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषा रुप - डॉ. माधव सोनटक्के, छाया पब्लिशिंग हाऊस, औरंगाबाद

5) प्रयोजनमूलक हिंदी (भाग 2,3) - डॉ. उर्मिला पाटील, अतुल प्रकाशन, कान¯Ö¸

6) व्यावसायिक संप्रेषण - डॉ. अनूपचंद्र भयाणी, राजपाल ॲण्ड सन्स, दिल्ली

7) प्रयोजनमूलक हिंदी - विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

8) सूचना प्रौद्योगिकी एवं जनमाध्यम - डॉ. हरिमोहन, तक्षशीला प्रकाशन, दिल्ली

9) मानक हिंदी व्याकरण - डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय, विद्या प्रकाशन, कानपुर

10) आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना - वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन, इलाहाबाद

11) ´ÖÖß›ßµÖÖ †Ö¸ ØÆ¤ß - सं. डॉ. मधु खराटे, डॉ. हणमंत पाटील, राजेन्द्र सोनवणे
विद्या प्रकाशन, कानपुर

--------------------0000000---------------------

¯Ö“Ö´Ö ÃÖ¡Ö (Semister V): HIN - 352 हिंदी साहित्य का इतिहास (S-3) - I

✦ **पाठ्यक्रम :**

1) हिंदी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन तथा नामकरण।

2) आदिकाल :

i) ¯ÖÂŠ³Öx´Ö - राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक तथा साहित्यिक।

ii) आदिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

iii) रासो साहित्य का संक्षिप्तÖ ¯Öx¸“ÖµÖ…

iv) विद्यापति एवं अमीर खुसरो का साहित्यिक परिचय।

3) भक्तिकाल :

i) ¯ÖÂŠ³Öx´Ö - राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक तथा साहित्यिक।

ii) निम्नलिखित प्रमुख काव्यधाराओं तथा उनसे संबंधित प्रमुख कवियों का परिचय -

- ✷ ज्ञानाश्रयी शाखा - कबीर
- ✷ प्रेमाश्रयी शाखा - •ÖÖµÖÃÖß
- ✷ रामभक्ति शाखा - ŸÖ»ÖÃÖß¤ÖÃÖ
- ✷ कृष्णभक्ति शाखा - ÃÖ¸¤ÖÃÖ †Ö¸ ´Öß¸Ö

4) रीतिकाल :

i) ¯ÖÂŠ³Öx´Ö - राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक तथा साहित्यिक।

ii) रीतिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

iii) कवि परिचय - बिहारी, घनानंद, केशवदास एवं भूषण का परिचय।

5) टिप्पणी हेतु निम्नलिखित काव्य कृतियों का संक्षिप्त अध्ययन:

✷ ¯Ö£¾Ößß¸Ö•Ö ¸ÖÃÖÖ (“Ö¤²Ö¸¤Ö‡), ✷ ¯Ö©Ö¾ÖŸÖ (•ÖÖµÖÃÖß), ✷ रामचरितमानस (तुलसीदास),

✷ रामचंद्रिका (केशवदास) ŸÖ£ÖÖ ✷ शिवाबावनी (भूषण)।

ÂÖÂš ÃÖ¡Ö (Semister VI): HIN - 362 हिंदी साहित्य का इतिहास (G-3) - II

✦ **पाठ्यक्रम :**

1) आधुनिक काल :

(‡ÃÖ पाठ्यक्रम में निर्धारित विधाओं के अध्ययन का कालखंड सन 1975 तक ही सीमित है।)

अ) काव्य :

i) भारतेंदुकालीन काव्य की प्रमुख विशेषताएँ।

ii) द्विवेदीयुगीन काव्य की प्रमुख विशेषताएँ।

iii) निम्नलिखित साहित्यिक वादों का परिचय - छायावाद, प्रगतिवाद एवं प्रयोगवाद।

iv) निम्नलिखित कृतियों का संक्षिप्त प×¸¯“Öµö -

- ✷ ÃÖा केत (मैथिलीशरण गुप्त)
- ✷ ×¯Öµö ¯Ö¾ÖÖÃÖ (†µÖÖ¬µÖÖØÃÖÆ ˆ¯ÖÖ¬µÖÖµÖ)
- ✷ रश्मिरथी (दिनकर)
- ✷ अंधायुग (धर्मवीर भारती) ŸÖ£ÖÖ
- ✷ साये में धूप (दुष्यंतकुमार)।

†Ö) गद्य :

i) भारतेंदु पूर्व खडीबोली गद्य का सामान्य परिचय।

ii) साहित्यकारों का संक्षिप्त परिचय - ³ÖÖ¸ŸÖ¤, ¯Ö´Ö“Ö¤, †Ö. Æ•ÖÖ¸ß¯ÖÃÖÖ¤ ×«¾Ö¤ß, µÖ¿Ö¯ÖÖ»Ö, रामकुमार वर्मा, फणीश्वरनाथ रेणू, मोहन राकेश, जैनेंद्रकुमार।

iii) निम्नलिखित विधाओं का विकासात्मक अध्ययन - उपन्यास, कहानी एवं नाटक।

iv) निम्नलिखित कृतियों का संक्षिप्त परिचय -

- ✷ निर्मला (प्रेमचंद)
- ✷ कोणार्क (जगदीशचंद्र माथुर)
- ✷ ÃÖÖरा आकाश (राजेंद्र यादव)
- ✷ †Ö¬Ö †¬Ö¸ (मोहन राकेश) ŸÖ£ÖÖ
- ✷ ´Ö»ÖÖ †Ö“Ö»Ö (फणीश्वरनाथ रेणू)…

✦ **संदर्भ ग्रंथ -**

1) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. देवीशरण रस्तोगी , राज प्रकाशन, मेरठ
3) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. सज्जनराम केणी, निराली प्रकाशन, पुणे
4) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. रमेशचंद्र शर्मा, विद्या प्रकाशन, कानपुर
5) हिंदी साहित्य का इतिहास - ÃÖं. ›Ö. नगेंद्र
6) हिंदी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ - शिवकुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन, नई सडक, दिल्ली
7) हिंदी साहित्य का इतिहास - †Ö“ÖÖµÖ ¸Ö´Ö“Ö¤ ¿ÖŒ»Ö

-------------------00000000000-------------------

¯Ö“Ö´Ö ÃÖ¡Ö (Semister V):   HIN - 352 हिंदी साहित्य का इतिहास (S-3) - I

ÃÖ¡Ö ¯Ö“Ö´Ö ÆüÖ एक वाक्यीय उत्तरवाले प्रश्नों की नमूना सूची :

● आदिकाल

1) आदिकाल के दो नाम लिखिए ...
2) वीरगाथा काल के नामकरण के किन्ही दो आधार ग्रंथों के नाम लिखिए ...
3) रासो काव्य में किन रसों की प्रधानता मिलती है ?
4) ``पृथ्वीराज रासो`` के रचियता कौन है ?
5) चंदबरदाई की प्रसिध्द रचना का नाम लिखिए ...
6) वीरगाथा काल नाम किसने दिया है ?
7) ``मैथिल कोकि»Ö`` किसे कहा जाता है ?
8) विद्यापति की एक रचना का नाम लिखिए ...
9) ×¾Ödyापति ने कौनसी भाषा में काव्य लिखा है ?
10) कीर्तिलता, कीर्तिपताका रचनाएँ किसने लिखी है ?
11) आदिकाल में खडीबोली का प्रयोग करनेवाले प्रसिध्द कवि कौन है ?
12) ``बीसलदेव रासो`` किसकी रचना है ?
13) वीरगाथाएँ किन दो भाषाओं में लिखी गई है ?
14) वीरगाथाएँ किन दो काव्य रुपों मिलती है ?
15) नाथ संप्रदाय के प्रवर्तक कौन थे ?
16) आदिकाल में किन धर्मो की प्रधानता रही है ?
17) गोरखनाथ के नाम पर प्रचलित दो ग्रंथों के नाम लिखिए ...
18) आदिकाल का काल विभाजन कहाँ से कहाँ तक माना जाता है ?
19) डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी ने आदिकाल का कालखंड कहाँ से कहाँ तक माना है ?
20) अमीर खुसरो ने किन दो संस्कृतियों का समन्वय किया है ?

● भक्तिकाल :

21) कबीर किस काव्यधारा के प्रतिनिधि कवि है ?
22) निर्गुण संप्रदाय के सर्वप्रथम कवि कौन है ?
23) ``बीजक`` की रचना किसने की है ?
24) कबीर के गुरु का नाम लिखिए ...
25) कबीर के प्रमुख काव्यग्रंथ का नाम बताइए ...
26) जायसी किस काव्यधारा के कवि मानें जाते है ?
27) प्रेममार्गी काव्यधारा के कवि का नाम लिखिए ...
28) जायसी के महाकाव्य का नÖ´Ö ²ÖŸÖÖ‡‹ ...
29) ``पद्मावत`` की रचना किन छंदों में की गई है ?
30) रामचरितमानस के रचयिता कौन है ?
31) रामभक्ति काव्यधारा के प्रमुख कवि का नाम लिखिए ...
32) तुलसीदास ने अपने काव्य में किन भाषाओं का प्रयोग किया है ?
33) सूरदास किस काव्यधारा के कवि माने जाते है ?
34) कृष्णभक्ति शाखा के किन्ही दो कवियों के नाम लिखिए ...

35) ¯ÖÛÂटमार्ग का जहाज किसे कहा जाता है ?
36) सूरदास किस संप्रदाय में दीक्षित हुए थे ?
37) सूरदास की पदरचनाओं का प्रमुख उद्देश्य क्या था ?
38) सूरदास के काव्य की भाषा कौनसी है ?
39) भक्तिकाल में प्रचलित प्रमुख काव्यधाराओं के नाम लिखिए ...
40) मीराबाई के आराध्य देवता कौन थे ?
41) मीराबाई की प्रमुख रचना का नाम बताइए ...
42) ``¯Ö´Ö×¾ÖµÖोगिनी विरहिणी`` किस क¾Ö×यत्री को कहा जाता है ?
43) ¸Æüß´ा किस काव्यधारा के कवि माने जातÖ Æü ?
44) रहीम द्वारा प्रयुक्त प्रमुख छंद का नाम लिखिए ...
45) रहीम की प्रमुख रचना का नाम बताइए ...
46) रहीम ने मुख्यतः किस प्रकार के दोहे लिखे है ?
47) रहीम का नाम क्या था ?
48) भक्तिकाल को किन दो प्रमुख काव्यधाराओं में विभाजित किया है ?
49) भक्तिकाल कहाँ से कहाँ तक माना जाता है ?
50) भक्तिकाल किस विशेष नाम से जाना जाता है ?

- **¸ßÖןÖकाल :**

51) रीतिकाल के अन्य दो नाम लिखिए ...
52) रीतिकाल के प्रवर्तन के संबंध में किन दो कवियों को लेकर विवाद होता रहा ?
53) रीतिकालीन अधिक तर रचनाओं में किस भाषा का प्रयोग मिलता है ?
54) रीतिकाल में प्रकृति वर्णन किस रुप में मिलता है ?
55) कविप्रिया, रसिकप्रिया ग्रंथों के रचनाकार कौन है ?
56) रीतिकाल में प्रचलित तीन काव्यधाराएँ कौन सी है ?
57) रीतिबध्द काव्यधारा के कवि का नाम लिखिए ...
58) रीतिबध्द काव्यधारा के किन्हीं दो कवियों के नाम बताइए ...
59) रीतिमुक्त काव्यधारा के किन्हीं दो कवियों के नाम बताइए ...
60) चिंतामणी त्रिपाठी की प्रमुख रचना का नाम लिखिए ...
61) बिहारी की प्रसिध्द काव्यरचना कौनसी है ?
62) बिहारी सतसई में प्रयुक्त छंदों का नाम बताइए ...
63) बिहारी सतसई में शृंगार के किन दो पक्षों का वर्णन मिलता है ?
64) भूषण के काव्य के नायक कौन है ?
65) भूषण के प्रमुख दो ग्रंथों के नाम लिखिए ...
66) भूषण के काव्य में प्रयुक्त प्रमुख रस कौनसा है ?
67) कवि-कुल-कल्पतरु, शृंगार मंजिरी रचनाओं के लेखक कौन है ?
68) ``सतसैया के दोहरे जो नावक के तीर`` वाली उक्ति किस कवि के ×»Ö< ¯Ö×ÃÖ¬¤ü Æü ?
69) घनानंद के काव्य में उनकी प्रेयसी का क्या नाम आता है ?
70) रीतिकाल में शृंगार के साथ साथ अन्य कौनसे रसों को लेकर कविता लिखी गई ?

....

ÂÖÂšì ÃÖ¡Ö (Semister VI): HIN - 362 हिंदी साहित्य का इतिहास (S-3) - II

सत्र षष्ठ हेतु एक वाक्यीय उत्तरवाले प्रश्नों की नमूना सूची :

● **आधुनिक गद्य :**

1) ±úÖ™ü ×¾Ö»µÖ´Ö कॉलेज में हिंदी गद्य पुस्तकें तैयार कराने की व्यवस्था किसने की ?
2) ``3ÖÖ¸üŸÖ-¤ü¤ü¿ÖÖ`` नाटक किसने लिखा है ?
3) ``सरस्वती पत्रिका``का यशस्वी संपादन किसने किया ?
4) ``उसने कहा था`` कहानी के लेखक कौन हì ?
5) इंशा अल्ला खाँ की प्रसिध्द कहानी का नाम लिखिए...
6) खडीबोली के आरंभिक किन्हीं दो गद्यकारों के नाम लिखिए...
7) देवकीनंदन खत्री का प्रसिध्द उपन्यास कौनसा है ?
8) सन 1900 ÃÖ 1920 तक के कालखंड को किस नाम से पहचाना जाता है ?
9) भारतेंदु युगीन प्रसिध्द किन्हीं दो पत्रिकाओं के नाम लिखिए...
10)बाबु हरिश्चंद्र को किस उपाधि से सम्मानित किया गया था ?
11)¸üÖ•ÖÖ ×¿Ö¾Ö¯ÖÃÖÖ¤ü ×ÃÖŸÖÖ¸êü ØÆü¤ü की भाषा नीति क्या थी ?
12)राजा लक्ष्मणसिंह की भाषा नीति क्या थी ?
13)भारतेंदु ने लोकजागरण के लिए किस प्रकार के नाटयतंत्र को अपनाया था ?
14)लाला श्रीनिवासदास का मौलिक उपन्यास कौनसा है ?
15)हिंदी पत्रकारिता के आदि प्रवर्तक कौन है ?
16) Ö्मचंद के किस उपन्यास को कृषक जीवन का महाकाव्य कहा जाता है ?
17)प्रेमचंद के उपन्यासों में किन दो वादों का समन्वय मिलता है ?
18)यशपाल किस विचारधारा के लेखक है ?
19)×¤ü¾µÖÖ, †×´ÖŸÖÖ, –ÖŠüÖ-सच उपन्यास कì लेखक कौन है ?
20)``अशोक के फूल`` निबंधसंग्रह के लेखक कौन है ?
21)वृंदावनलाल वर्मा के किसी एक प्रसिध्द उपन्यास का नाम लिखिए ...
22)``उपन्यास सम्राट`` किसे माना जाता है ?
23)लक्ष्मीनारायण मिश्र के दो नाटकों के नाम बताइए ...
24)हिंदी के समस्यामूलक नाटककार के रुप में किसका नाम लिया जाता है ?
25)लक्ष्मीनारायण मिश्र ने किस प्रकार के नाटकों का सूत्रपात किया ?
26)आचार्य रामचंद्र शुक्ल के निबंधों की शैली किस नाम से प्रसिध्द है ?
27)``चिंतामणी`` निबंध संग्रह के लेखक कौन है ?
28) प्रेमचंद युगीन उपन्यासकारों में से किन्हीं दो उपन्यासकारों के नाम बताइए ...
29) हिंदी कहानी के विकास में सहायता देनेवाली दो पत्रिकाओं के नाम लिखिए ...
30)माटी की मूरतें, गेहूँ और गुलाब रेखाचित्र-संग्रह के लेखक कौन है ?
31) प्रेमचंदोत्तर काल के किन्हीं दो कहानीकारों के नाम बताइए ...
32) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के दो निबंध-संग्रहों के नाम बताइए ...
33) महादेवी वर्मा के किन्हीं दो रेखाचित्र-संग्रह के नाम लिखिए ...
34) हिंदी के प्रसिध्द दो रेखाचित्रकारों के नाम बताइए ...
35) सन्याशी, सिंदुर की होली नाटकों के रचनाकार कौन है ?
36) भारतेंदु ने किन पत्रिकाओं का संपादन किया ?
37) प्रसादयुग में हिंदी साहित्य की किस विधा का परिपूर्ण विकास हुआ है ?
38) बाणभट्ट की आत्मकथा उपन्यास किसने लिखा ?
39) हिंदी का सर्वप्रथम अखबार-पत्र कौनसा है ?

40) हिंदी कथा साहित्य को मनोवै-ानिक दृष्टि से समृध्द करनेवाले किन्हीं दो लेखकों के नाम लिखिए ...

- **आधुनिक पद्य:**

41) भारतेंदु युग के किन्हीं दो प्रसिध्द कवियों के नाम बताइए ...
42) ``साकेत`` महाकाव्य के कवि कौन है ?
43) राष्ट्रीय काव्य चेतना के किन्हीं दो कवियों के नाम लिखिए ...
44) ``-ाँसी की रानी`` कविता किसने लिखी है ?
45) कवि अयोध्यासिंह उपाध्याय का उपनाम क्या है ?
46) ``हरिऔंध`` उपनाम किस कवि का है ?
47) खडीबोली का पहला महाकाव्य कौनसा माना गया है ?
48) आधुनिक हिंदी कवियों में महाप्राण की उपाधि किसे दी गई है ?
49) मैथिलीशरण गुप्त ने किन उपेक्षित नारियों को काव्य का विषय बनाया ?
50) मैथिलीशरण गुप्त की किन्हीं दो काव्यरचनाओं के नाम लिखि‹ ...
51) छायावादी बृहद्‌त्रयी के नाम लिखिए ...
52) छायावाद का आरंभ किस कृति से माना जाता है ?
53) ``कामायनी`` महाकाव्य की रचना किसने की है ?
54) कामायनी महाकाव्य में श्रध्दा और इडा किसके प्रतीक है ?
55) कामायनी में मनु और मनुपुत्र कुमार किसके प्रतीक है ?
56) सन 1870 ÃÖ 1900 तक के कालखंड को किस नाम से संबोधित किया जाता है ?
57) कामायनी के प्रमुख पात्रों के नाम लिखिए ...
58) निराला किस कवि का उपनाम है ?
59) ``¸üÖ´Ö की शक्ति पूजा`` किसकी रचना है ?
60) ``आधुनिक मीरा`` किसे कहा जाता है ?
61) ¯ÖÓŸÖ की ``×“Ö¤ü²Ö¸üÖ`` को कौनसा पुरस्कार मिला है ?
62) महादेवी वर्मा की किस कृति को -ानपीठ पुरस्कार मिला है ?
63) ØÆü¤üß ´Öë ÆüÖ»ÖÖ¾ÖÖद के प्रवर्तक कौन है ?
64) हिंदी का ``वर्डस्वर्थ `` किस कवि को कहा गया है ?
65) ``प्रकृति के सुकुमार कवि`` किसे कहा गया है ?
66) मधुशाला, मधुकलश काव्यग्रंथों के कवि कौन है ?
67) महादेवी वर्मा के किन्हीं दो काव्यसंग्रहों के नाम लिखिए ...
68) प्रगतिवाद का उदय कब हुआ ?
69) प्रगतिवाद राजनीति के किस वाद का साहित्यिक रुपांतर है ?
70) प्रगतिवाद के प्रसिध्द दो कवियों के नाम लिखिए ...
71) ``दिनकर`` की किस काव्य कृति कÖ -ानपीठ पुरस्कार मिला है ?
72) आधुनिक हिंदी कविता के प्रमुख दो वादों के नाम बताइए ...
73) प्रयोगवाद के प्रमुख दो कवियों के नाम लिखिए ...
74) प्रथम तारसप्तक का प्रकाशन कब हुआ ?
75) प्रयोगवाद के प्रवर्तक किसे माना गया है ?
76) ``तारसप्तक`` के संपादक कौन है ?
77) †-ेय की किस रचना को -ानपीठ पुरस्कार दिया गया ?
78) खडीबोली के प्रथम महाकवि के रुप में किसका नाम लिया जाता हैं ?
79) भारतेंदु का अधिकांश काव्य किस भाषा में लिखा गया है ?
80) द्विवेदी ने किस पत्रिका के द्वारा कवियों को प्रोत्साहित किया ?

------------------0000000-----------------

¯Ö“Ö´Ö ÃÖ¡Ö (Semister V): HIN - 353 ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö-गान तथा राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास (S-4) - I

✦ **पाठ्यक्रम :**

1) भाषा की परिभाषा तथा भाषा की विशेषताएँ…

2) ³ÖÖÂÖÖ :

†) ×¾Ö×¾Ö¬Ö ºþ¯Ö - बोली , परिनिष्ठित भाषा, प्रादेशिक भाषा, राजभाषा तथा ¸ÖÂ™Òü³ÖÖÂÖÖ…

आ) बोली और परिनिष्ठित भाषा तथा राजभाषा और राष्ट्रभाषा का पारस्परिक अंतर एवं संबंध

3) हिंदी की बोलियों का सामान्य परिचय :

²ÖÖ×»ÖµÖÖ - ब्रज, अवधी, खडीबोली, भोजपुरी, दख्खिनी, मÖ¸üÖšüß ŸÖ£ÖÖ ´Ö×£Ö»Öß… (इनके संबंध में भौगोलिक क्षेत्र, साहित्यिक संपदा (लिखित- मौखिक), उपबोलियाँ, प्रत्येक बोली की अपनी खास विशेषताएँ आदि बातों की जानकारी अपेक्षित।)

4) भाषा विकास के प्रमुख ¾ÖÖ¤ü :

शारीरिक विभिन्नतावाद, भौगालिक विभिन्नतावाद, सांस्कृतिक विभिन्नतावाद और प्रयत्न»ÖÖ‘Ö¾Ö…

5) हिंदी का शब्द समुह :

उद्‌गम के आधार पर वर्गीकरण, तत्सम, तद्‌भव, देशज तथा विदेशी शब्दों का ÃÖÖ¤üÖहरण ¯Ö×¸ü“ÖµÖ …

6) राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास :

राष्ट्रभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में व्यक्तियों का योगदान - महात्मा गांधी, लोकमान्य तिलक, पुरूषोत्तम दास टंडन, मदनमोहन मालवीय तथा सेठ गोविं¤ü¤üÖÃÖ

ÂÖÂšì ÃÖ¡Ö (Semister VI): HIN - 363 ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö-ान तथा राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास

(S-4) - II

✦ **पाठ्यक्रम :**

1) ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान की परिभाषा, भाषा वि–ान के अंग तथा भाषा वि–ान की व्याकरण से तुलना।

2) ध्वनि (स्वन्) वि-ान :

ध्वनि वि–ान की व्याख्या, भाषा ध्वनि की परिभाषा, ध्वनियंत्र और उसकी कार्यप्रणाली (उच्चारण प्रक्रिµÖÖ), ध्वनि वर्गीकरण के आधार (स्थान और प्रयत्न), स्वरों और व्यंजनों का वर्गीकरण, ध्वनिगुण।

3) ¯Ö¤ü (¹ý¯Ö) ×¾Ö-ान :

¿Ö²¤ü, ¯Ö¤ü, ÃÖ²Ö¬ÖÖŸÖÖŸ¾Ö †Ö¸ü †£ÖŸÖÖŸ¾Ö, संबंधतत्व के प्रकार।

4) ¾ÖÖŒµÖ ×¾Ö-ान :

वाक्य की परिभाषा, वाक्य की आवश्यकताएँ, वाक्य में पदक्रम, वाक्य विभाजन, वाक्य विभाजन के †Ö¬ÖÖ¸ü - अग्र-¯Ö¿“Ö, ˆ§ü¿µÖ-×¾Ö¬ÖµÖ ŸÖ£ÖÖ ˆ¯Ö¾ÖÖŒµÖÖßµÖ…

5) †£Ö ×¾Ö-ान :

शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन का स्वरुप, †£Ö परिवर्तन की दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन के कारण - बल का अपसरण, पीढी परिवर्तन, अन्य भाषाओं का प्रभाव, वातावरण में परिवर्तन, नम्रता प्रदर्शन, अशोभन के लिए शोभन का प्रयोग, अधिक शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग, एक शब्द के दो रूपों का प्रचलन, व्यंग्य, आलंकारिक प्रयोग, ¾ÖÃŸÖ†Ö का निर्माण, अ–ान और असावधानी आदि ।

6) राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहासः

✷ **राष्ट्रभाषा हिंदी के प्रचार-¯ÖÃÖÖ¸ü´Ö संस्थाओं का योगदान :**

†) ईसाई मिशनरी, ब्रह्म समाज, थिओसाफिकल सोसायटी।

†Ö) ÃÖÖ×ÆüŸµाक संस्थाएँ - नागरी प्रचारिणी सभा काशी, हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा, राष्ट्रभाषा प्रचार सभा पुणे तथा दक्षिण भारत प्रचार ÃÖ³ÖÖ ´Ö¤üÖÃÖ…

✦ **संदर्भ ग्रंथ -**

1) ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान - डॉ.भोलानÖÖ£Ö ×ŸÖ¾ÖÖ¸ß

2) सामान्य भाषा वि-नान - डॉ. बाबुराम सक्सेना

3) ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान की भूमिका - डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा

4) राष्ट्रभाषा आंदोलन - श्री. गो. प. नेने, महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पुणे

5) ¸ÖÂ™ü³ÖÖÂÖÖ ¯Ö“Öार का इतिहास - सं. गंगाशरण सिंह, अखिल भारतीय हिंदी संस्था संघ, नई दिल्ली

6) ÃÖ¸»Ö ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान - डॉ. पीताम्बर सरोदे, डॉ. विलास पाटील, साहित्य निलय, कानपुर

7) ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö“ÖÖ¸ü <¾Ö ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान - डॉ. कृष्णा पोतदार, डॉ. मधु खराटे, विद्या प्रकाशन, कानपुर

8) ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान एवं हिंदी भाषा - डॉ. हणमंत पाटील, विद्या प्रकाशन, कानपुर

9) वैश्वीकरण एवं हिंदी मानकीकरण - डॉ. हणमंतराव पाटील, विद्या प्रकाशन, कानÖ¯Öã¸ü

------------------0000000-----------------

¯Ö“Ö´Ö ÃÖ¡Ö (Semister V): HIN - 353 ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान तथा राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास (S-4) - I

ÃÖ¡Ö ¯Ö“Ö´Ö ÆüÖ एक वाक्यीय उत्तरवाले प्रश्नों की नमूना सूची :

1) भाषा की कोई एक परिभाषा बताइए …
2) मनुष्य के पास विचारों के आदान-प्रदान का मुख्य साधन कौन-ÃÖÖ Æîü ?
3) ³ÖÖÂÖÖ ¾µÖ×òÖÆüÖ¸ü «üÖ¸Ö †וÖ•ÖŸÖ ¾ÖßÃÖÖŸÖ Æîü या पैतृक संपत्ति है ?
4) भाषा की परिवर्तनशीलता के दो प्रमुख स्तर बताइए …
5) ³Öाषा की परिवर्तनशीलता से संबध्द प्रसिध्द लोकोक्ति बताइए …
6) भाषा की कोई एक महत्वपूर्ण विशेषता बताइए …
7) हिंदी की कुल कितनी बोलियाँ है ?
8) हिंदी की किन्हीं दो बोलियों के नाम बताइए …
9) क्या प्रादेशिक भाषा और राज्यभाषा एक है ?
10) गुजरात राज्य की प्रादेशिक भाषा कौन-ÃÖß Æîü ?
11) आंध्र प्रदेश तथा तामिलनाडू की प्रादेशिक भाषाओं के नाम बताइए …
12) महाराष्ट्र तथा मध्यप्रदेश राज्य की प्रादेशिक भाषाओं के नाम बतÖÖ‡‹ …
13) कर्नाटक एवं केरल राज्य की प्रादेशिक भाषाओं के नाम बताइए …
14) अहिंदी भाषी दो राज्यों के नाम बताइए …
15) हिंदी भाषी दो राज्यों के नाम बताइए …
16) प्रादेशिक भाषा से तात्पर्य क्या है ?
17) `परिनिष्ठित भाषा` शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए …
18) भाषा के विविध रूपों में से किन्हीं दो रुपों के नाम लिखिए …
19) राष्ट्रभाषा की एक महत्वपूर्ण विशेषता बताइए …
20) भारतीय संविधान ने किस भाषा को राजभाषा के रूप में मान्यता ¤üß Æîü ?

21) हिंदी दिवस किस तारीख को मनाया जाता है ?
22) ब्रजबोली किन तीन लिपियों में लिखी जाती है ?
23) `ब्रज` हिंदी की किस उपभाषा की बोली है ?
24) `अवधी` को समृध्द करनेवाले किन्हीं दो कवियों के नाम बता‡‹ …
25) खडी बोली किन बोलियों के मिश्रण का परिमार्जित रूप है ?
26) मेवाती का भौगोलिक क्षेत्र बताइए …
27) मारवाडी बोली के साहित्यिक रूप को किस नाम से पुकारा जाता है ?
28) राजस्थानी का प्राय: पूरा साहित्य किस बोली में लिखा गया है ?
29) दक्खिनी बोली का भौगोलिक क्षेत्र बताइए …
30) दक्खिनी के किन्हीं दो साहित्यकारों के नाम बताइए …
31) भोजपुरी बोली किन-किन लिपियों में लिखी जाती है ?
32) `भोजपुरी` नाम का आधार बता‡‹ …
33) भाषा विकास के वादों में कौन-से बाद को विद्वान निरर्थक मानते है ?
34) भाषा विकास के वादों में सर्वाधिक स्वीकार्य तथा महत्वपूर्ण वाद कौन-ÃÖÖ Æî ?
35) प्रयत्नलाघव के दो उदाहरण लिखिए …
36) प्रयत्नलाघव का दूसरा नाम बताइए …
37) भाषा विकास के किन्हीं दो वादों के नाम बताइए …
38) तत्सम शब्दों के दो उदाहरण लिखिए …
39) तद्‌भव शब्दों के दो उदाहरण लिखिए …
40) `देशज` शब्द किसे कहते है ?
41) `विदेशी` शब्द किसे कहते हैं ?
42) हिंदी पर प्रभाव डालनेवाली किन्हीं दो विदेशी भाषाओं के नाम बताइए …
43) उद्‌गम के आधार पर शब्दों के प्रमुख चार भेद बताइए …
44) हिंदी में `कर्म` शब्द का प्रचलित तद्‌भव रूप बताइए …
45) उद्‌गम की दृष्टि से `–ागडा` और `कवि` शब्दों का वर्गीकरण कीजिए …
46) ±úÖ¸üÃÖß ÃÖê ØÆü¤üß ´Öë †ÖµÖê Æü‹ ¿Ö²¤ü ²ÖŸÖÖ‡‹ …

ÂÖÂšü ÃÖ¡Ö (Semister VI): HIN - 363 ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ÖÖ-ान तथा राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास (S-4) - II

ÃÖ¡Ö ÂÖÂšü Æेतु एक वाक्यीय उत्तरवाले प्रश्नों की नमूना सूची :

1) ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान की प्रमुख चार शाखाएँ कौन-ÃÖß Æî ?
2) भाषा का नियमन किस शास्त्र से होता है ?
3) व्याकरण कौन-सा कार्य करता है ?
4) व्याकरण और भाषा वि–ान में से कौन किसका अनुगामी है ?
5) ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान किसका विशिष्ट –ान कराता है ?
6) ध्वनिगुणों के नाम बताइए …
7) ध्वनि की तीन स्थितियाँ कौन-ÃÖß Æî ?
8) ध्वनिवर्गीकरण के मुख्य दो आधार कौन-ÃÖê Æî ?
9) मात्रा के कौन से भेद होते हैं ?
10) ²Ö»ÖÖ‘ÖÖŸÖ ÃÖê ŒµÖÖ ŸÖÖŸ¯ÖµÖ Æî ?
11) महाप्राण ध्वनि से क्या अभिप्राय हैं ?
12) Ã¯Ö¿Ö-संघर्षी ध्वनियों के दो उदाहरण दीजिए …

13) ध्वनि वि–ाान में प्रयत्न के कितने प्रकार है ?
14) दंत्योष्ठय ध्वनि किसे कहते है ?
15) दंत्योष्ठय ध्वनि का उदाहरण दीजिए ...
16) प्लुत की कितनी मात्राएँ ÆÖÿÖß Æï ?
17) बलाघात के प्रकार कौन से है ?
18) सुर के भेद बताइए ...
19) मुखद्वार की दृष्टि से स्वर के ³Ö¤ü ²ÖÖÿÖÖ‡‹ ...
20) स्थान के आधार पर व्यंजनों का वर्गीकरण बताइए ...
21) संयुक्त स्वर के उदाहरण बताइए ...
22) संबंधतत्व किसे कहते है ?
23) अर्थतत्व किसे कहते है ?
24) अर्थतत्व के साथ संबंधतत्व का जुडना क्यों आवश्यक है ?
25) `बालिका खाना खाती है` इस वाक्य में बालिका शब्द के साथ कौन-ÃÖÖ ÃÖ²ÖÓ¬ÖŸÖŸ¾Ö •Öã›ÌüÖ Æï †Öî Æï ?
26) संबंधतत्व के प्रकार बताइए ...
27) सार्थकता की दृष्टि से भाषा की लघुतम इकाई कौन-ÃÖß Æï ?
28) ¿Ö²¤ü और पद का भेदक तत्व कौन-ÃÖÖ Æï ?
29) शब्द के अन्य नाम बताइए ...
30) वाक्य के दो अंग कौन-ÃÖê Æï ?
31) वाक्य की आधारभूत आवश्यकताएँ कौन-ÃÖß Æï ?
32) वाक्य की परिभाषा बताइए ...
33) अर्थ के स्तर पर भाषा की लघुतम इकÖ‡ ¿Ö²¤ü Æï µÖÖ ¯Ö¤ü ?
34) चेचक को `शीतलादेवी` कहने के पीछे अर्थपरिवर्तन का कौन-सा कारण है ?
35) मूर्ख को `बृहस्पती` कहने के पीछे मनुष्य की कौन-सी प्रवृत्ति काम करती है ?
36) `ग्लास` शब्द के †£Ö ¯Öx¸üi¾ÖÖŸÖÔन का क्या कारण है ?
37) अर्थ विकास की तीन दिशाएँ कौन-ÃÖß Æï ?
38) `असुर` शब्द के अर्थ परिवर्तन की दिशा बताइए ...
39) `मृग` शब्द के अर्थ परिवर्तन की दिशा बताइए ...
40) `तैल` शब्द के अर्थ परिवर्तन की दिशा बताइए ...
41) अर्थ विस्तार किसे कहते है ?
42) अर्थ संकोच से क्या तात्पर्य है ?
43) †£ÖÖ¤ü¿Ö ÃÖê ŒµÖÖ ŸÖÖŸ¯ÖµÖÔ Æï ?
44) अर्थादेश के ¤üÖ ³Ö¤ü ²ÖŸÖÖ‡‹ ...

------------------0000000-----------------

उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

ŸÖŸÖßµÖ वर्ष कला - ØÆ¤ß

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

¯Ö“Ö´Ö ÃÖ¡Ö (Semister V): HIN - 351 A हिंदी सामान्य (G-3) - I

ÃÖ´ÖµÖ - ¤Ö ‘Ö™ **अंक - 40**

¯Ö. 1) एकांकी पर आधारित दीर्घोतरी प्रश्न अंक - 10

†£Ö¾ÖÖ

एकांकी पर आधारित दीर्घोतरी प्रश्न

¯Ö. 2) एकांकी पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) अंक - 10

¯Ö. 3) एकांकी पर आधारित ससंदर्भ व्याख्या (तीन में से दो) अंक - 10

¯Ö. 4) †) अंग्रेजी पारिभाषिक शब्दों के लिए हिंदी पर्यायी शब्द (ÃÖÖŸÖ ´Ö ÃÖ ¯ÖÖ“Ö) अंक - 05

†Ö) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (ÃÖÖŸÖ ´Ö ÃÖ ¯ÖÖ“Ö) अंक - 05

ÂÖÂŠ ÃÖ¡Ö (Semister VI): HIN - 361 A ØÆ¤ß ÃÖÖमान्य (G-3) - II

ÃÖ´ÖµÖ - ¤Ö ‘Ö™ **अंक - 40**

¯Ö. 1) निबंध पर आधारित दीर्घोतरी प्रश्न अंक - 10

†£Ö¾ÖÖ

निबंध पर आधारित दीर्घोतरी प्रश्न

¯Ö. 2) निबंध पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) अंक - 10

¯Ö. 3) निबंध पर आधारित ससंदर्भ व्याख्या (तीन में से दो) अंक - 10

¯Ö. 4) निबंध लेखन (पाच में से किसी एक विषय पर) अंक - 10

विशेष सूचना : जिन निबंधों पर दीर्घोतरी प्रश्न पूछे गये हो, उन पर लघुत्तरी तथा ससंदर्भ हेतु प्रश्न न पूछे जाए।

----------0000000----------

¯Ö“Ö´Ö ÃÖ¡Ö (Semister V): HIN - 351 B प्रयोजनमूलक हिंदी (G-3) - I

ÃÖ´ÖµÖ - ¤üÖê ‘Ö™êü **अंक - 40**

¯ÖÏ. 1) ¤üß‘ÖÖ¨ÖÛत्तरी प्रश्न (कायाा»ÖµÖß ØÆü¤üß ³ÖÖÂÖÖ ÃÖê ÃÖÓ²ÖÓ×¬ÖŸÖ) अंक - 10

†£Ö¾ÖÖ

¤üß‘ÖÖ¨ÖÛत्तरी प्रश्न (संप्रेषण से संबंधित)

¯ÖÏ. 2) ¤üß‘ÖÖ¨ÖÛत्तरी प्रश्न (कार्यालयी हिंदी क्रियान्वयन योजना ÃÖê ÃÖÓ²ÖÓ×¬ÖŸÖ) अंक - 10

†£Ö¾ÖÖ

¤üß‘ÖÖ¨ÖÛत्तरी प्रश्न (कार्यालयी हिंदी क्रियान्वयन योजना से संबंधित)

¯ÖÏ. 3) लघुत्तरी प्रश्न (टिप्पण से संबंधित तीन में से दो) अंक - 10

¯ÖÏ. 4) टिप्पणियाँ (कार्यालयी कार्यसूची से संबंधित तीन में से दो) अंक - 10

ÂÖÂšü ÃÖ¡Ö (Semister VI): HIN - 361 B प्रयोजनमूलक हिंदी (G-3) - II

ÃÖ´ÖµÖ - ¤üÖê ‘Ö™êü **अंक - 40**

¯ÖÏ. 1) ¤üß‘ÖÖ¨ÖÛत्तरी प्रश्न (पत्रकारिता ÃÖê ÃÖÓ²ÖÓ×¬ÖŸÖ) अंक - 10

†£Ö¾ÖÖ

¤üß‘ÖÖ¨ÖÛत्तरी प्रश्न (पत्रकारिता से संबंधित)

¯ÖÏ. 2) »Ö‘Öã¢Ö¸üß प्रश्न (व्यावहारिक बँकींग से संबंधित तीन में से दो) अंक - 10

¯ÖÏ. 3) †) ×¾Ö–ÖÖ¯Ö®न पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (दो में से एक) अंक - 05

†Ö) ×¾Ö–ापन तैयार करना (तीन विषयों में से किसी एक पर) अंक - 05

¯ÖÏ. 4) अ) वाणिज्यिक पत्रलेखन (दो में से एक) अंक - 05

आ) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (ÃÖÖŸÖ ´Öë ÃÖê ¯ÖÖÓ“Ö) अंक - 05

--------------------0000000---------------------

¯Ö“Ö´Ö ÃÖ¡Ö (Semister V): HIN - 352 ØÆ¤ß साहित्य का इतिहास (S-3) - I

ÃÖ´ÖµÖ - ¤Ö ‘Ö™ê **अंक - 40**

¯Ö. 1) आदिकाल पर आधारित ¤ß‘ÖÖ¢Ö¸ß प्रश्न — अंक - 10

†£Ö¾ÖÖ

आदिकाल पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो)

¯Ö. 2) भक्तिकाल पर आधारित ¤ß‘ÖÖ¢Ö¸ß प्रश्न — अंक - 10

†£Ö¾ÖÖ

भक्तिकाल पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो)

¯Ö. 3) रीतिकाल पर आधारित ¤ß‘ÖÖ¢Ö¸ß ¯ग्रश्न — अंक - 10

†£Ö¾ÖÖ

रीतिकाल पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो)

¯Ö. 4) †) काव्य कृतियों पर टिप्पणी (दो में से एक) — अंक - 04

आ) एक वाक्यीय उत्तरवाले प्रश्न (छः में से छः) — अंक - 06

(एक वाक्यीय प्रश्न आदिकाल, भक्तिकाल तथा रीतिकाल पर क्रमशः दो-दो प्रश्न पूछे जाए।)

....

ÂÖÂšü ÃÖ¡Ö (Semister VI): HIN - 362 ØÆ¤ß साहित्य का इतिहास (S-3) - II

ÃÖ´ÖµÖ - ¤Ö ‘Ö™ê **अंक - 40**

¯Ö. 1) आधुनिक काव्य पर †Ö¬ÖÖ×¸üŸÖ ¤ß‘ÖÖ¢Ö¸ß प्रश्न — अंक - 12

†£Ö¾ÖÖ

आधुनिक काव्य पर †Ö¬ÖÖ×¸üŸÖ लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो)

¯Ö. 2) आधुनिक गद्य पर ¤ß‘ÖÖ¢Ö¸ß प्रश्न — अंक - 12

†£Ö¾ÖÖ

आधुनिक गद्य पर †Ö¬ÖÖ×¸üŸÖ »Ö‘Ö¢Ö¸ß प्रश्न (तीन में से दो)

¯Ö. 3) †) आधुनिक काल की काव्य कृतियों पर टिप्पणी (दो में से एक) — अंक - 05

†Ö) आधुनिक काल की गद्य कृतियों पर टिप्पणी पर टिप्पणी (दो में से एक) — अंक - 05

¯Ö. 4) एक वाक्यीय उत्तरवाले प्रश्न (छः में से छः) — अंक - 06

(एक वाक्यीय प्रश्न आधुनिक काव्य पर तीन तथा आधुनिक गद्य पर तीन पूछे जाए।)

--------------------0000000---------------------

¯Ö“Ö´Ö ÃÖ¡Ö (Semister V): HIN - 353 ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö-गान तथा राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास (S-4) - I

ÃÖ´ÖµÖ - ¤üÖ “Ö™ü **†ंक - 40**

¯ÖÎ. 1) पाठ्यक्रम पर †Ö¬ÖÖ×¸üŸÖ ¤üß‘ÖÖÔ¢Ö¸üß प्रश्न अंक - 10

†£Ö¾ÖÖ

पाठ्यक्रम ¯Ö¸ü †Ö¬ÖÖ×¸üŸÖ दीर्घोतरी प्रश्न

¯ÖÎ. 2) पाठ्यक्रम ¯Ö¸ü †Ö¬ÖÖ×¸üŸÖ »Ö‘Öã¢Ö¸üß प्रश्न (तीन में से दो) अंक -10

¯ÖÎ. 3) पाठ्यक्रम ¯Ö¸ü †Ö¬ÖÖ×¸üŸÖ ×™ü¯¯Öणियाँ (तीन में से दो) अंक - 10

¯ÖÎ. 4) अ) राष्ट्रभाषा आंदोलन के इतिहास पर आधारित टिप्पणी (दो में से एक) अंक - 05

(व्यक्तियों के योगदान पर आधारित)

†Ö) एक वाक्यीय उत्तरवाले प्रश्न (†Öšü ´Öë ÃÖê ¯ÖÖ“Ö) अंक - 05

ÂÖÂšü ÃÖ¡Ö (Semister VI): HIN - 363 ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö-गान तथा राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास (S-4) - II

ÃÖ´ÖµÖ - ¤üÖ “Ö™ü **अंक - 40**

¯ÖÎ. 1) पाठ्यक्रम पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न अंक - 10

†£Ö¾ÖÖ

पाठ्यक्रम पर आधारित दीर्घोतरी प्रश्न

¯ÖÎ. 2) पाठ्यक्रम पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) अंक -10

¯ÖÎ. 3) पाठ्यक्रम पर आधारित टिप्पणियाँ (तीन में से दो) अंक - 10

¯ÖÎ. 4) अ) राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास पर आधारित टिप्पणी (दो में से एक) अंक - 05

(संस्थाओं के योगदान ¯Ö¸ü †Ö¬ÖÖ×¸üŸÖ)

आ) एक वाक्यीय उत्तरवाले प्रश्न (आठ में से पाच) अंक - 05

--------------------0000000---------------------

उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

ŸÖŸÖßµÖ वर्ष कला - ØÆ¤ß

समकक्ष विषयों की सूची

¯Ö“Ö´Ö ÃÖ¡Ö (Semister - V)

अ. क्र.	पुराना पाठ्यक्रम	अ. क्र.	नया पाठ्यक्रम´Ö
1)	HIN- 351A हिंदी सामान्य (G-3)	1)	HIN-351 A हिंदी सामान्य (G-3) -I
2)	HIN - 351 B प्रयोजनमूलक हिंदी (G-3)	2)	HIN-351 B प्रयोजनमूलक हिंदी (G-3) - I
3)	HIN-352 हिंदी साहित्य का इतिहास (S-III)	3)	HIN-352 ØÆ¤ß ÃÖÖ×ÆŸय का इतिहास (S-III) - I
4)	HIN-353 ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान, राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास तथा निबंध (S-IV)	4)	HIN-353 ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान तथा राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास (S-IV) - I

ÂÖÂŠ ÃÖ¡Ö (Semister - VI)

अ. क्र.	पुराना पाठ्यक्रम	अ. क्र.	नया पाठ्यक्र´Ö
1)	HIN- 361A हिंदी सामान्य (G-3)	1)	HIN-361 A हिंदी सामान्य (G-3) -II
2)	HIN - 361 B प्रयोजनमूलक हिंदी (G-3)	2)	HIN-361 B प्रयोजनमूलक हिंदी (G-3) - II
3)	HIN-362 हिंदी साहित्य का इतिहास (S-III)	3)	HIN-362 ØÆ¤ß ÃÖÖ×Æत्य का इतिहास (S-III) - II
4)	HIN-363 ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान, राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास तथा निबंध (S-IV)	4)	HIN-363 ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान तथा राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास (S-IV) - II

डॉ. शिवाजी नामदेव देवरे
अध्यक्ष
हिंदी अध्ययन मंडल
उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

।। अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत ।।

NORTH MAHARASHTRA UNIVERSITY
JALGAON

Syllabus For **F. Y. B. A. - HINDI**
Ist & IInd Semester

* HINDI GEN (G-1/ G-2)
* PRAYOJANMULAK HINDI (G-1/ G-2)

(w. e. f. June 2017)

उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

प्रथम वर्ष कला पाठ्यक्रम

(प्रारंभ जून 2017)

हिंदी सामान्य (G-1/ G-2)

✦ सूचनाएँ :-

i) जून 2017 से इस पाठ्यक्रम का स्वीकार किया गया है।

ii) प्रत्येक सत्र में 40 अंक अंतर्गत (Internal) मूल्यांकन के लिए तथा 60 अंक बाह्य (External) परीक्षा के लिए होंगे।

iii) प्रत्येक सत्र के पाठ्यक्रम हेतु अध्यापनार्थ 45 तासिकाएँ अपेक्षित हैं।

iv) हिंदी सामान्य के लिए प्रयोजनमूलक हिंदी का पाठ्यक्रम वैकल्पिक होगा।

✦ उद्देश्य :-

i) छात्रों को साहित्य की विभिन्न विधाओं से परिचित कराना।

ii) छात्रों में जीवन-मूल्यों के प्रति आस्था निर्माण करना।

iii) छात्रों में वार्तालेखन की क्षमता को विकसित करना।

iv) छात्रों में पत्रलेखन की क्षमता को विकसित करना।

v) छात्रों में अनुवाद लेखन की क्षमता को विकसित करना।

vi) छात्रों में सारलेखन की क्षमता को विकसित करना।

पाठ्यपुस्तकें (दोनों सत्रों के लिए) :-

1) **गद्य धारा - सं. डॉ. सुरेश कुमार जैन**
वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली - 2

2) **काव्य कल्पद्रुम - सं. डॉ. सुरेश जैन**
वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली - 2

प्रथम सत्र (Ist Semester)

HIN-111 A) हिंदी सामान्य 1 (G-1)

✦ पाठ्यक्रम -

✦ गद्यपाठ -

1) उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा `गुलेरी` **2)** घर जमाई - प्रेमचंद **3)** पुरस्कार - जयशंकर प्रसाद

4) मलबे का मालिक - मोहन राकेश **5)** पहला सफेद बाल - हरिशंकर परसाई

6) घीसा - महादेवी वर्मा **7)** रंग में भंग - शंकर पुणतांबेकर

8) जहाँ आकाश नहीं दिखाई देता - विष्णु प्रभाकर

✦ **पद्यपाठ -**

1) सखि, वे मुझसे कहकर जाते ! - मैथिलीशरण गुप्त **2)** बीती विभावरी - जयशंकर प्रसाद **3)** मोह - सुमित्रानंदन पंत **4)** मौन करूणा - रामकुमार वर्मा **5)** मैं नीर-भरी दुख की बदली - महादेवी वर्मा **6)** बीते दिन कब आनेवाले - हरिवंशराय `बच्चन` **7)** तोड़ती पत्थर - सूर्यकांत त्रिपाठी `निराला` **8)** जनतंत्र का जन्म - रामधारी सिंह `दिनकर`

✦ **व्याकरण-लेखन -**

1) वार्तालेखन (सभा-सम्मेलन, संगोष्ठी, उत्सव, समारोह आदि से संबंधित)
2) सारलेखन

द्वितीय सत्र (IInd Semester)

HIN-121 A) हिंदी सामान्य 2 (G-2)

✦ **पाठ्यक्रम -**

✦ **गद्यपाठ -**

1) ठेंस - फणीश्वरनाथ `रेणु` **2)** मुरदा सराय - शिवप्रसाद सिंह **3)** दो कलाकार - मन्नू भंडारी **4)** वापसी - उषा प्रियंवदा **5)** गेहूँ बनाम गुलाब - रामवृक्ष बेनीपुरी **6)** नया साल - अमृतराय **7)** हरिया काका - दीप्ति गुप्ता **8)** समांतर रेखाएँ - सत्येंद्र शरत्

✦ **पद्यपाठ -**

1) कालिदास से - नागार्जुन **2)** वरदान माँगूँगा नहीं - शिवमंगल सिंह `सुमन` **3)** प्रतिभा का मूल बिंदु - प्रभाकर माचवे **4)** माटी और मेघ - गिरिजाकुमार माथूर **5)** धानों का गीत - केदारनाथ सिंह **6)** दुख नहीं कोई - दुष्यंतकुमार **7)** श्रध्दांजलि - यशोदा राजा **8)** दिनकर के आगम पर - दयानंद शर्मा `मधुर`

✦ **व्याकरण-लेखन -**

1) शुभकामना-पत्र (जन्म दिन, दशहरा, दीपावली, नववर्ष, होली आदि अवसरों पर आधारित)
2) अनुवाद (अंग्रेजी/मराठी परिच्छेद का सरल हिंदी में अनुवाद)

✦ **संदर्भ ग्रंथ -**

1) आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना - डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2) मानक हिंदी व्याकरण - डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय, विद्या प्रकाशन, कानपुर
3) हिंदी निबंध और रचना - रामसकल शर्मा, एस. चाँद ॲण्ड कंपनी, नई दिल्ली
4) सुबोध हिंदी व्याकरण एवं रचना - वीरेन्द्रकुमार गुप्ता

----------0000000----------

उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

प्रथम वर्ष कला

प्रथम सत्र (Ist Semester)

HIN 111 A) हिंदी सामान्य 1 (G-1)

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय - दो घंटे **अंक - 60**

प्र. 1) अ) एक वाक्यीय उत्तरवाले प्रश्न (इसके अंतर्गत गद्यपाठ पर 4 तथा पद्यपाठ पर 4, ऐसे कुल मिलाकर 8 प्रश्न पूछे जायेंगे। जिनमें से 6 प्रश्नों के उत्तर लिखना अपेक्षित) अंक - 06

आ) बहुपर्यायी प्रश्न (इसके अंतर्गत गद्यपाठ पर 4 तथा पद्यपाठ पर 4, ऐसे कुल मिलाकर 8 प्रश्न पूछे जायेंगे। जिनमें से 6 प्रश्नों के उत्तर लिखना अपेक्षित) अंक - 06

प्र. 2) गद्यपाठ पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (4 में से 2) अंक - 12

प्र. 3) पद्यपाठ पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (4 में से 2) अंक - 12

प्र. 4) ससंदर्भ व्याख्या :

अ) गद्यपाठ पर आधारित (2 में से 1) अंक - 06

आ) पद्यपाठ पर आधारित (2 में से 1) अंक - 06

प्र. 4) अ) वार्तालेखन (2 में से 1) अंक - 06

आ) सारलेखन अंक - 06

द्वितीय सत्र (IInd Semester)

HIN 121 A) हिंदी सामान्य 2 (G-2)

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय - दो घंटे **अंक - 60**

प्र. 1) अ) एक वाक्यीय उत्तरवाले प्रश्न (इसके अंतर्गत गद्यपाठ पर 4 तथा पद्यपाठ पर 4, ऐसे कुल मिलाकर 8 प्रश्न पूछे जायेंगे। जिनमें से 6 प्रश्नों के उत्तर लिखना अपेक्षित) अंक - 06

आ) बहुपर्यायी प्रश्न (इसके अंतर्गत गद्यपाठ पर 4 तथा पद्यपाठ पर 4, ऐसे कुल मिलाकर 8 प्रश्न पूछे जायेंगे। जिनमें से 6 प्रश्नों के उत्तर लिखना अपेक्षित) अंक - 06

प्र. 2) गद्यपाठ पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (4 में से 2) अंक - 12

प्र. 3) पद्यपाठ पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (4 में से 2) अंक - 12

प्र. 4) ससंदर्भ व्याख्या :

अ) गद्यपाठ पर आधारित (2 में से 1) अंक - 06

आ) पद्यपाठ पर आधारित (2 में से 1) अंक - 06

प्र. 4) अ) शुभकामना पत्र (2 में से 1) अंक - 06

आ) अनुवाद अंक - 06

----------0000000----------

प्रथम वर्ष कला

वैकल्पिक हिंदी

प्रयोजनमूलक हिंदी (G-1/G-2)

(हिंदी सामान्य के लिए वैकल्पिक)

✦ उद्देश्य :-

i) हिंदी भाषा के प्रति छात्रों में रूचि निर्माण करना।

ii) दैनंदिन कामकाज में हिंदी प्रयोगण क्षमता का विकास करना।

iii) छात्रों को प्रयोजनमूलक हिंदी का सम्यक ज्ञान देना।

vi) साहित्यिक हिंदी से प्रयोजनमूलक हिंदी का अंतर समझाना।

v) हिंदी प्रयोगण के विविध क्षेत्रों की जानकारी देना।

vi) छात्रों को मानक लेखन तथा व्याकरणिक शुध्द लेखन में कौशल्य प्रदान करना।

vii) अंकलेखन तथा पहाडे की शब्दावली में हिंदी प्रयोगण क्षमता निर्माण करना।

viii) निबंध लेखन, रिपोर्ताज लेखन में कौशल्य निर्माण करना।

ix) हिंदी में पत्रलेखन, अनुवाद की जानकारी देना।

x) छात्रों में रोजगारपरक प्रशिक्षण हिंदी के द्वारा देना।

प्रथम सत्र (Ist Semester)

HIN 111 B) प्रयोजनमूलक हिंदी 1 (G-1)

✦ पाठ्यक्रम -

1) मानक लिपि -
   - मानक लिपि की आवश्यकता और महत्त्व।
   - केंद्रीय हिंदी निदेशालय द्वारा स्वीकृत मानक वर्तनी के नियमों का परिचय।
   - केंद्रीय हिंदी निदेशालय द्वारा स्वीकृत मानक वर्णमाला का परिचय।
   - स्वर, व्यंजन, मात्राएँ, अनुनासिक, अनुस्वार, विसर्ग, हलचिह्न, संयुक्त वर्ण, विदेशी ध्वनियों की जानकारी।
   - विराम चिह्नों का प्रयोग (पूर्णविराम, अल्पविराम, अर्धविराम, योजक चिह्न, प्रश्नचिह्न, विस्मयादिबोधक चिह्न, अवतरण, लोप चिह्न)।
2) प्रयोजनमूलक हिंदी - परिभाषा, स्वरूप, व्यवहार के क्षेत्र, आवश्यकता तथा प्रयोजनमूलक हिंदी की विशेषताएँ। साहित्यिक हिंदी और प्रयोजन तत्त्व हिंदी में अंतर।
3) पत्र लेखन - पत्र लेखन का महत्त्व - विशेषताएँ।
   सामान्य पत्र - निमंत्रण, अभिनंदन तथा सांत्वना पत्र।
   आवेदन पत्र - नौकरी, छुट्टी, बैंक में खाता खोलना।
4) शब्द निर्माण - उपसर्ग, प्रत्यय, समास के द्वारा।

5) निबंध लेखन - निबंध लेखन का महत्त्व - विशेषताएँ।
(वर्णनात्मक, आत्मकथनात्मक, विचारात्मक, ललित निबंध)

द्वितीय सत्र (IInd Semester)

HIN 121 B) प्रयोजनमूलक हिंदी 2 (G-2)

✦ पाठ्यक्रम -

1) अ) देवनागरी अंक तथा देवनागरी अंकों के अंतरराष्ट्रीय रूप का परिचय,

1 ते 100 तक तथा अपूर्ण संख्याओं का अक्षरों में (शब्दों में) लेखन तथा गणित के हिंदी चिह्न, पहाडे की शब्दावली।

आ) हिंदी का व्याकरण - लिंग, वचन, कारक संबंधित गलतियों का सुधार।

2) प्रयुक्ति - परिभाषा, स्वरूप, विशेषताएँ।
- प्रयुक्ति के विविध क्षेत्र।
- साहित्य, व्यापार, कार्यालय, प्रशासन, विज्ञान, विधि आदि का परिचय।

3) कम्प्युटर में हिंदी का प्रयोग।
- कम्प्युटर - मॉनिटर, की बोर्ड, माऊस, स्कॅनर, प्रिंटर का परिचय, नेटवर्क, ई-मेल की सामान्य जानकारी।
- इंटरनेट - स्वरूप, महत्त्व, विशेषताएँ, लाभ एवं हिंदी सॉफ्टवेअर (लिंक ऑफिस, लीला प्रबोध, प्रकाशक)

4) रिपोर्ताज लेखन - विशेषताएँ।

उद्घाटन, सभा, सम्मेलन, हिंदी दिवस आयोजन से संबंधित खबर प्रेस मीडिया के लिए तैयार करना।

5) पारिभाषिक शब्दावली एवं अनुवाद -
- बैंक, बीमा से संबंधित पारिभाषिक शब्दावली। (नमूना सूची संलग्न)
- अनुवाद - अंग्रेजी या मराठी से हिंदी में अनुवाद

✦ संदर्भ ग्रंथ -

1) प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
2) प्रयोजनमूलक हिंदी : सिध्दांत एवं प्रयोग - डॉ. दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3) प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. रामगोपालसिंह, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद
4) प्रयोजनमूलक हिंदी के अधुनातम आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपुर
5) प्रयोजनमूलक हिंदी चिंतन - अनुचिंतन - डॉ. सुधाकर शेंडगे, डॉ. गोविंद बुरसे, विकास प्रकाशन, कानपुर
6) प्रशासनिक शब्दावली हिंदी-अंग्रेजी, पश्चिमी खंड, रामकृष्णपुरम, दिल्ली
7) वर्तनी संबंधी नियमावली - केंद्रीय हिंदी निदेशालय, पश्चिमी खंड, रामकृष्णपुरम, दिल्ली (संस्करण 2016)
8) प्रयोजनमूलक हिंदी (भाग 1,2) - डॉ. उर्मिला पाटील, अतुल प्रकाशन, कानपुर

----------0000000----------

प्रथम वर्ष कला
प्रथम सत्र (Ist Semester)
HIN 111 B) प्रयोजनमूलक हिंदी 1 (G- 1)
प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय - दो घंटे **अंक - 60**

प्र. 1)	अ) मानक लिपि से संबंधित बहुपर्यायी प्रश्न (8 में से 6)	अंक - 06
	आ) मानक लिपि से संबंधित एक वाक्यीय उत्तरवाले प्रश्न (8 में से 6)	अंक - 06
प्र. 2)	अ) उपसर्ग से शब्द बनाना (5 में से 4)	अंक - 04
	आ) प्रत्यय से शब्द बनाना (5 में से 4)	अंक - 04
	इ) सामासिक शब्दों के अर्थ लिखना (5 में से 4)	अंक - 04
प्र. 3)	प्रयोजनमूलक हिंदी से संबंधित टिप्पणियाँ (5 में से 3)	अंक - 12
प्र. 4)	पत्र लेखन : सामान्य पत्र अथवा आवेदन पत्र	अंक - 12
प्र. 5)	निबंध लेखन (चार विषयों में से किसी एक विषय पर)	अंक - 12

द्वितीय सत्र (IInd Semester)
HIN 121 B) प्रयोजनमूलक हिंदी 2 (G-2)
प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय - दो घंटे **अंक - 60**

प्र. 1)	अ) देवनागरी अंक, पहाडे से संबंधित बहुपर्यायी प्रश्न (8 में से 6)	अंक - 06
	आ) वाक्य शुध्दीकरण - लिंग, वचन, कारक संबंधी (8 में से 6)	अंक - 06
प्र. 2)	प्रयुक्ति संबंधित टिप्पणियाँ (5 में से 3)	अंक - 12
प्र. 3)	अ) कम्प्युटर से संबंधित प्रश्न (5 में से 3)	अंक - 06
	आ) इंटरनेट से संबंधित प्रश्न (5 में से 3)	अंक - 06
प्र. 4)	अ) पारिभाषिक शब्दों का हिंदी विकल्प (8 में से 6)	अंक - 06
	आ) मराठी अथवा अंग्रेजी परिच्छेद का हिंदी में अनुवाद	अंक - 06
प्र. 5)	रिपोर्ताज लेखन (दो में से किसी एक विषय पर)	अंक - 12

--------------------0000000---------------------

पारिभाषिक शब्दावली सूची

1	Amount	रकम	26	Form	प्रपत्र
2	Asset	संपदा/संपत्ति	27	Folio	पृष्ठ / पन्ना
3	Affidavit	हलफनामा	28	Fixed Deposit	स्थायी जमा
4	Average	औसत	29	Gross Loss	सकल हानि
5	Bank	बैंक	30	Gross Profit	सकल लाभ
6	Bank Charges	बैंक प्रभार	31	Loan	ऋण
7	Bearer Cheque	वाहक/धारक चेक	32	Liabilities	दायित्व
8	Business	व्यापार	33	Party	पक्ष
9	Bill	विपत्र	34	Payee	प्राप्तकर्ता
10	Capital	पूँजी	35	Proprietor	स्वामी
11	Cash	रोकड/नगदी	36	Sale	बिक्री
12	Currency	मुद्रा/चलन	37	Seal	मुहर
13	Crossed	रेखांकित	38	Rebate	छूट
14	Counting	गणन	39	Renewal	नविनीकरण
15	Counter	बैंक या दुकान की मेज	40	Transfer	अंतरण
16	Counterfoil	अधपन्ना	41	Nomination	नामजदगी
17	Date	तिथि	42	Pledge	प्रतिज्ञापत्र
18	Deposit	जमा	43	Risk	जोखीम
19	Drawee	आहार्थी / देनदार	44	Rate	दर
20	Due date	भुगतान की अंतिम तिथि	45	Interest	ब्याज
21	Deed	नामा	46	Net Banking	नेट बैंकींग
22	Duty	कार्यभार	47	Total	योग/ कुल
23	Entry	प्रविष्टि	48	Credit Card	साख पत्र / क्रेडीट कार्ड
24	Endorsement	पृष्ठांकन	49	Pass Book	पास बुक
25	Expenditure	व्यय / खर्च	50	Signature	हस्ताक्षर

।। अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत ।।

उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

प्रथम वर्ष कला - हिंदी

समकक्ष विषयों की सूची

अ. क्र.	**पुराना पाठ्यक्रम**	**अ. क्र.**	**नया पाठ्यक्रम**
1) 2)	HIN 111 A) हिंदी सामान्य (G-1) प्रथम सत्र HIN 121 A) हिंदी सामान्य (G-2) द्वितीय सत्र	1) 2)	HIN 111 A) हिंदी सामान्य (G-1) प्रथम सत्र HIN 121 A) हिंदी सामान्य (G-2) द्वितीय सत्र
1) 2)	HIN 111 B) प्रयोजनमूलक हिंदी (G-1) प्रथम सत्र HIN 121 B) प्रयोजनमूलक हिंदी (G-2) द्वितीय सत्र	1) 2)	HIN 111 B) प्रयोजनमूलक हिंदी (G-1) प्रथम सत्र HIN 121 B) प्रयोजनमूलक हिंदी (G-2) द्वितीय सत्र

प्राचार्य डॉ. शिवाजी देवरे
समन्वयक
प्रथम वर्ष कला - हिंदी पाठ्यक्रम

।। अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत ।।

उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय,जलगाँव

NORTH MAHARASHTRA UNIVERSITY, JALGAON

रूचि आधारित साख पद्धति

Choice Based Credit System (CBCS)

प्रथम वर्ष कला (हिंदी) मुख्यांश पाठ्यक्रम

(Core Course -DSC- HIN)

प्रथम एवं द्वितीय सत्र

(I^{st} & II^{nd} Semester)

(w. e. f. June 2018)

उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

प्रथम वर्ष कला हिंदी पाठ्यक्रम

(प्रारंभ जून 2018)

✦ पाठ्यक्रम का महत्त्व :-

प्रस्तुत पाठ्यक्रम रूचि आधारित साख पद्धति (CBCS) के आधार पर निर्धारित किया गया है। जिसमें सभी ज्ञान शाखाओं के छात्रों के व्यक्तित्त्व का संपूर्ण विकास करने हेतु क्षमता निर्मित करना पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रहा है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। भाषिक, साहित्यिक क्षमता के साथ-साथ रोजगाराभिमुख दृष्टि आत्मसात करने हेतु यह पाठ्यक्रम महत्त्वपूर्ण है। छात्रों में मानवीय मूल्यों के संवर्द्धन की दृष्टि से भी पाठ्यक्रम उपयुक्त है।

✦पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

i) हिंदी भाषा एवं साहित्य की सम्यक जानकारी प्राप्त करना।

ii) हिंदी भाषा एवं साहित्य के अतीत, वर्तमान एवं भविष्य की परख करना।

iii) छात्रों के चिंतन क्षितिज का विस्तार करना।

vi) भाषिक समृद्धि एवं अभिव्यक्ति कौशल के माध्यम से व्यक्तित्त्व का संपूर्ण विकास करना।

v) रचनात्मक शक्ति एवं लेखन कला का विकास करना।

vi) भाषिक सम्प्रेषण, योग्यता संवर्द्धन तथा कौशल विकास आत्मसात करना।

vii) भाषा की व्यावहारिक उपयोगिता का ज्ञान प्राप्त करना।

✦ सूचनाएँ :-

I. प्रत्येक प्रश्नपत्र हेतु 03 प्रतिष्ठांक (Credit) निर्धारित किए गये है।

II. 01 प्रतिष्ठांक हेतु 15 तासिकाएँ निर्धारित है।

III. प्रत्येक छात्र को 40 अंक अंतर्गत (Internal) मूल्यांकन के लिए तथा 60 अंक बाह्य (External) परीक्षा के लिए होंगे।

IV. अंतर्गत मूल्यांकन के 40 अंकों का विभाजन निम्न प्रकार से रहेगा :-
1) दो घटक परीक्षाएँ 10 + 10 = 20 अंक
2) सेमिनार/समूह चर्चा/प्रकल्प लेखन/स्वाध्याय (Home Assignment) = 10 अंक
3) छात्रों की उपस्थिति तथा आचरण = 10 अंक

रूचि आधारित साख पद्धति

Choice Based Credit System (CBCS)

प्रथम वर्ष कला हिन्दी

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

सत्र (Semester)	मुख्यांश पाठ्यक्रम Core Course (12)	योग्यता संवर्द्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम Ability Enhancement Compulsory Course (AEC) (03)	कौशल विकास संवर्द्धन प्रश्नपत्र Skill Enhancement Paper (04)	अनुशासित विशेष वैकल्पिक पाठ्यक्रम Discipline Specific Elective Course (08)
सत्र क्र - I	DSC HIN A-1 हिंदी कहानी अथवा DSC HIN B-1 प्रयोजनमूलक हिंदी	--	--	--
सत्र क्र. - II	DSC HIN A-2 हिंदी कविता अथवा DSC HIN B-2 प्रयोजनमूलक हिंदी	--	--	--

रूचि आधारित साख पद्धति

Choice Based Credit System (CBCS)

प्रथम वर्ष कला हिन्दी

मुख्यांश पाठ्यक्रम (Core Course)

DSC HIN A-1 : हिंदी कहानी (03 क्रेडीट)

प्रथम सत्र पाठ्यक्रम

✦ पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

i) छात्रों को हिंदी कहानी विधा से परिचित करना।

ii) छात्रों में मानवीय मूल्यों के प्रति आस्था निर्माण करना।

iii) विभिन्न कहानियों के माध्यम से छात्रों की भाषिक क्षमता को विकसित करना।

vi) छात्रों में विभिन्न कहानियों के माध्यम से सामाजिक संवेदना को जागृत करना।

पाठ्यपुस्तक : कथा संचयन - संपा : डॉ. शिवचरण कौशिक

प्रकाशक - नेशनल पब्लिशिंग हाऊस,
337, चौडा रास्ता, जयपुर-302003
संस्करण 2007

✦ निर्धारित पाठ्यपुस्तक की निम्न तिखित कहानियाँ अध्ययन-अध्यापनार्थ रखी गई हैं :-

1) सद्गति - प्रेमचंद

2) पाज़ेब - जैनेन्द्र कुमार

3) तस्वीर - भीष्म साहनी

4) नौकरी-पेशा - कमलेश्वर

5) सौदा - मोहन राकेश

6) गदल - रांगेय राघव

7) जिनावर - चित्रा मुद्गल

8) सरहद के इस पार - नासिरा शर्मा

✦ संदर्भ ग्रंथ -

1) कथा संचयन - नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, जयपुर

2) प्रेमचंद की कहानियों का कालक्रमानुसार अध्ययन - कमल किशोर गोयनका

3) बीसवीं सदी का हिंदी साहित्य - डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

4) हिंदी कहानी में गांधीवाद - निशा गहलौत

5) कहानी वस्तु और अंतर्वस्तु - शंभु गुप्त

6) अंतिम दशक की हिंदी लेखिकाओं की कहानी में अभिव्यंजित नारी मनोविज्ञान - डॉ. आशा बी. हिरेमठ

7) उत्तरशती की हिंदी कहानियों में नारी - डॉ भीमराव पाटील

8) हिंदी कहानियों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य - डॉ. शाहु दशरथ मधाले

9) कथाकार नासिरा शर्मा - मोहन ओहाल

10) इक्कीसवीं सदी की कहानियों का अनुशीलन - अश्विनी काकडे

11) कहानीकार मोहन राकेश - ईश्वर प्रसाद बिदादा

उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

प्रथम वर्ष कला हिंदी

प्रथम सत्र (Ist Semester)

मुख्यांश पाठ्यक्रम (Core Course)

DSC HIN A-1 : हिंदी कहानी

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय - दो घंटे	**अंक - 60**
प्र. 1) कहानियों पर आधारित विकल्पसहित दीर्घोतरी प्रश्न	अंक - 12
प्र. 2) कहानियों पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (चार में से दो)	अंक - 12
प्र. 3) कहानियों पर आधारित टिप्पणियाँ (चार में से दो)	अंक - 12
प्र. 4) कहानियों पर आधारित ससंदर्भ व्याख्या (चार में से दो)	अंक - 12
प्र. 5) अ) बहुपर्यायी प्रश्न (आठ में से छः)	अंक - 06
आ) एकवाक्यीय उत्तरवाले प्रश्न (आठ में से छः)	अंक - 06

प्रथम वर्ष कला हिंदी

प्रथम सत्र (Ist Semester)

मुख्यांश प्रतिष्ठा (Core Course)

DSC HIN B -1 प्रयोजनमूलक हिंदी (03 क्रेडीट)

(DSC HIN A -1 हिंदी कहानी के लिए वैकल्पिक)

✦ पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

i) छात्रों को प्रयोजनमूलक हिंदी के महत्त्व को समझाना।

ii) छात्रों को मानक लिपि का परिचय कराना।

iii) छात्रों को अंकलेखन से परिचित कराना।

vi) छात्रों को हिंदी के व्याकरण का ज्ञान प्रदान करना।

v) शब्द निर्माण, रिपोर्ट लेखन, कार्यालय टिप्पण, पत्राचार तथा पारिभाषिक शब्दावली का परिचय कराना।

vi) पत्रकारिता तथा निबंध लेखन की क्षमता को विकसित करना।

✦ प्रथम सत्र (Ist Semester) पाठ्यक्रम -

1) प्रयोजनमूलक हिंदी - परिभाषा, स्वरूप, व्यवहार के क्षेत्र, आवश्यकता और प्रयोजनमूलक हिंदी की विशेषताएँ।

2) पत्र-लेखन - सामान्य परिचय, पत्र लेखन की विशेषताएँ।
पत्र लेखन के प्रकार -
सामान्य पत्र - निमंत्रण, अभिनंदन तथा समवेदना पत्र।
आवेदन पत्र - नौकरी, छुट्टी तथा वेतनवृध्दी हेतु।

3) पत्रकारिता पत्रकारिता का स्वरूप, परिभाषा।
पत्रकारिता के प्रकार :- ग्रामीण पत्रकारिता, कृषि पत्रकारिता, दूरदर्शन पत्रकारिता, फिल्मी पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता।

4) व्याकरण - लिंग, वचन, कारक, विशेषण तथा मराठी के प्रभाव से निर्माण होनेवाली गलतियों की जानकारी। शब्दनिर्माण - उपसर्ग एवं प्रत्ययों के द्वारा।

5) निबंध लेखन - सामान्य परिचय, निबंध के प्रकार (वर्णनात्मक, आत्मकथनात्मक, विचारात्मक, ललित निबंध)

✦ संदर्भ ग्रंथ

1) प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता - डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह

2) आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना - डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद

3) मानक हिंदी व्याकरण - डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय

4) हिंदी निबंध और रचना - रामसकल शर्मा

5) सुबोध हिंदी व्याकरण एवं रचना - वीरेन्द्रकुमार गुप्ता

6) प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख

7) प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धान्त और प्रयोग - दंगल झाल्टे

8) प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. तेजपाल चौधरी

9) हिंदी पत्रकारिता कल और आज - डॉ. ऋचा शर्मा

प्रथम वर्ष कला हिंदी

प्रथम सत्र (Ist Semester)

मुख्यांश प्रतिष्ठा (Core Course)

DSC HIN B-1) प्रयोजनमूलक हिंदी

<u>प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन</u>

समय - दो घंटे	**अंक - 60**
प्र. 1) प्रयोजनमूलक हिंदी पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	अंक - 12
प्र. 2) अ) पत्रलेखन इकाई पर लघुत्तरी प्रश्न (दो में से एक)	अंक - 12
आ) सामान्य आवेदन पत्र तथा आवेदन पत्र का प्रारूप (दो में से एक)	
प्र. 3) पत्रकारिता पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (दो में से एक)	अंक - 12
प्र. 4) अ) वाक्य शुद्धिकरण (छः में से चार)	अंक - 12
आ) उपसर्ग पहचानना (छः में से चार)	
इ) प्रत्यय पहचानना (छः में से चार)	
प्र. 5) निबंध लेखन (पाँच में से किसी एक विषय पर)	अंक - 12

----------oooooooo----------

रूचि आधारित साख पद्धति

Choice Based Credit System (CBCS)

बी.ए.प्रथम वर्ष कला हिन्दी

द्वितीय सत्र पाठ्यक्रम

✦ **मुख्यांश प्रतिष्ठा (Core Course) DSC HIN A-2 : हिंदी कविता**

पाठ्यपुस्तक : आधुनिक हिंदी काव्य प्रवाह - संपा- डॉ. ब्रह्मनेश्वर नाथ राय

प्रकाशक - शैलजा प्रकाशन,
57-पी, कुंज बिहार - II, यशोदा नगर
कानपुर-11, संस्करण 2014

➢ **निर्धारित पाठ्यपुस्तक में से निम्नलिखित कवियों की कविताएँ अध्ययनार्थ रखी गई है :-**

1) सखि, वे मुझसे कहकर जाते - मैथिलीशरण गुप्त **2)** तोड़ती पत्थर - सूर्यकान्त त्रिपाठी `निराला`

3) सुख-दुःख - सुमित्रानन्दन पन्त **4)** गीतकार मर गया - रामधारी सिंह `दिनकर`

5) जो बीत गई - हरिवंशराय बच्चन **6)** प्रेत का बयान - नागार्जुन

7) सूनी-सी साँझ तक - अज्ञेय **8)** गीत-फरोश - भवानी प्रसाद मिश्र

9) गाँधी जी के जन्मदिन पर - दुष्यन्तकुमार **10**) प्रौढ़ शिक्षा - धूमिल

11) पिता - उदय प्रकाश **12)** सात भाइयों के बीच चम्पा - कात्यायनी

13) स्त्रियाँ - अनामिका **14)** खोज की बुनियाद - सुशीला टाकभोरे

15) अपने घर की तलाश - निर्मला पुतुल

✦ **संदर्भ ग्रंथ -**

1) आधुनिक हिंदी काव्य प्रवाह - संपा. डॉ.ब्रह्मनेश्वर नाथ राय
2) नई कविता के नए कवि - विश्वंभर मानव
3) समकालीन कविता - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
4) समकालीन कविता - डॉ. सरजू प्रसाद मिश्र
5) आधुनिक हिंदी काव्यधारा - डॉ. सरजू प्रसाद मिश्र
6) कविता के नए प्रतिमान - डॉ. नामवर सिंह
7) समकालीन कविता का बीजगणित - कुमार मिश्र
8) समकालीन हिंदी कविता - परमानंद श्रीवास्तव
9) आधुनिक कविता का पुर्नपाठ - डॉ. करूणा शंकर उपाध्याय
10) छायावादोत्तर हिंदी कविता में ग्राम्यबोध - डॉ. सरोज वर्मा

उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

बी.ए. प्रथम वर्ष कला हिंदी

द्वितीय सत्र (IInd Semester)

मुख्यांश प्रतिष्ठा (Core Course) DSC HIN A-2 : हिंदी कविता

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय - दो घंटे	**अंक - 60**
प्र. 1) कविताओं पर आधारित विकल्पसहित दीर्घोतरी प्रश्न	अंक - 12
प्र. 2) कविताओं पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (चार में से दो)	अंक - 12
प्र. 3) कविताओं पर आधारित टिप्पणियाँ (चार में से दो)	अंक - 12
प्र. 4) कविताओं पर आधारित ससंदर्भ व्याख्या (चार में से दो)	अंक - 12
प्र. 5) A) बहुपर्यायी प्रश्न (आठ में से छः)	अंक - 06
B) एकवाक्यीय उत्तरवाले प्रश्न (आठ में से छः)	अंक - 06

प्रथम वर्ष कला हिंदी

द्वितीय सत्र (IInd Semester)

मुख्यांश पाठ्यक्रम (Core Course)

DSC HIN B-2 प्रयोजनमूलक हिंदी (03 क्रेडीट)

(DSC HIN A-2 हिंदी कविता के लिए वैकल्पिक)

✦ **पाठ्यक्रम :-**

1) प्रयुक्ति :- परिभाषा, उपयोग के विविध क्षेत्र (समाज, प्रशासन, व्यापार, विज्ञान), साहित्यिक, वाणिज्यिक, प्रशासनिक, वैज्ञानिक प्रयुक्तियों का परिचय

2) मानक लिपि और अंकलेखन :-

- केंद्रीय हिंदी निदेशालय द्वारा स्वीकृत वर्णमाला।

- देवनागरी लिपि चिह्नों का अध्ययन एवं प्रयोग (स्वर, व्यंजन, मात्राएँ, अनुनासिक, अनुसार, विसर्ग, हल्चिह्न, संयुक्त वर्ण, गृहित ध्वनियाँ)।

- मानक हिंदी वर्तनी संबंधी नियमावली का परिचय (पूर्ण विराम, अल्पविराम, अर्ध विराम, प्रश्नचिह्न, विस्मयादिबोधक चिह्न, अवतरण, कोष्ठक, लोप चिह्न, संक्षेप चिह्न)।

- अंकलेखन - संख्यात्मक शब्द लेखन (1 से 100 तक), गणितीय चिह्न, पहाड़े की शब्दावली का अध्ययन।

3) रिपोर्ट लेखन :- सभा-सम्मेलन, संगोष्ठी, उत्सव, समारोह से संबंधित।

4) मीडिया लेखन :- विज्ञापन लेखन, संवाद लेखन, रिपोर्ताज लेखन, उद्घोषणा लेखन, समाचार लेखन।

5) पारिभाषिक शब्दावली :-

- कार्यालयों के टिप्पण, पत्राचार में प्रयुक्त शब्दावली/वाक्यांश।
(नमूना सूची संलग्न)

- पदनाम सूची (नमूना सूची संलग्न)

✦ संदर्भ ग्रंथ -

1) व्यावहारिक हिंदी और रचना - कृष्णकुमार गोस्वामी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

2) व्यावसायिक संप्रेषण - डॉ. अनूपचंद्र भयाणी, राजपाल ॲण्ड सन्स, दिल्ली

3) प्रयोजनमूलक हिंदी (भाग १,२) - डॉ. उर्मिला पाटील, अतुल प्रकाशन, कानपुर

4) प्रयोजनमूलक हिंदी - विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

5) हिंदी वर्तनी और शब्द लेखन - केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली

6) देवनागरी विकास परिवर्तन और मानकीकरण - केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली

7) विराम चिह्न - राजमल जैन, ऑक्सफर्ड युनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली

8) वर्तनी संबंधी नियमावली - केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली

9) शुध्द हिंदी - डॉ. हरदेव बाहरी

10) प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. माधव सोनटक्के

11)मीडिया साहित्यिक और सामाजिक परिप्रेक्ष्य में - डॉ.विजय गाडे

प्रथम वर्ष कला हिंदी
द्वितीय सत्र (IInd Semester)
मुख्यांश पाठ्यक्रम (Core Course)
DSC HIN B-2) प्रयोजनमूलक हिंदी
प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय - दो घंटे **अंक - 60**

प्र. 1) प्रयुक्ति पर विकल्पसहित दीर्घोत्तरी प्रश्न अंक - 12

प्र. 2) मानक हिंदी और अंकलेखन इकाई पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) अंक - 12

प्र. 3) रिपोर्ट लेखन इकाई पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) अंक - 12

प्र. 4) मीडिया लेखन पर आधारित टिप्पणियाँ (चार में से दो) अंक - 12

प्र. 5) अ) अंग्रेजी वाक्यांशों का हिंदी पर्याय और वाक्य में प्रयोग (आठ में से छः) अंक - 12

आ) अंग्रेजी पारिभाषिक पदनाम सूचक शब्दों के हिंदी पर्याय (आठ में से छः)

प्रयोजनमूलक हिंदी

कार्यालय टिप्पण तथा पत्राचार में प्रयुक्त शब्दावली / वाक्यांश (नमूना सूची)

As per details below	नीचे लिखे ब्योंरों के अनुसार
Above mentioned	उपर लिखित
Admission with permission	अनुमति लेकर ही भीतर आइए
By authority of	के अधिकार से
By Return of post	लौटती डाक से
Call for the report	रिपोर्ट मंगाइए
Circulate them and file	परिपत्रित करके फाइल किया गया
During the period	इस अवधि में
Enclosed statement	संलग्न विवरण
Explained in your letter	आपके पत्र में स्पष्ट किया गया
Fair copy of the letter	पत्र की स्वच्छ प्रति
For information and guidance	सूचना एवं मार्गदर्शन हेतु
Give information in detail	विस्तारपूर्वक विवरण प्रस्तुत कीजिए
Gradual recovery	क्रमशः वसूली
Hard and fast rule	सुनिश्चित नियम
Highly objectionable	अत्यंत आपत्तिजनक
Immediately below	ठीक नीचे
In due course	यथा समय
Joining Report	कार्यग्रहण/काम पर आने की सूचना
Jurisdiction	अधिकार क्षेत्र
Keep pending	निर्णयार्थ रोक रखा जाए
Keeping in view	ध्यान में रखते हुए
Leave without pay	अवैतनिक छुट्टी
Lowest quotation	न्यूनतम भाव
Maintenance allowance	निर्वाह भत्ता
May be permitted	अनुमति दी जाए

Necessary report is still awaited	आवश्यक रिपोर्ट की अभी तक प्रतीक्षा है ।
No objection certificate	अनापत्ति प्रमाणपत्र
Office Memorandum	कार्यालय ज्ञापन
Original Copy	मूल प्रति
Please discuss	कृपया चर्चा करें
Please issue reminder	कृपया अनुस्मारक भेजें।
Prior approved	पूर्वानुमोदन
Qualified	अर्हता योग्य/प्राप्त
Query has been raised	प्रश्न उठाया गया है
Restrictions are removed	प्रतिबंध हटाए जाते है
Returned for reconsideration	पुनर्विचार के लिए लौटाया गया।
Selection Committee	चयन समिति
Show cause notice	कारण बताओ नोटिस
Temporary Appointment	अस्थायी नियुक्ति
This is to Certify that	यह प्रमाणित किया जाता है कि.....
Under advice to us	हमे सूचना देते हूए
Urgent action is required	तुरंत कारवाई अपेक्षित है
Vacancies May be advertised	रिक्त पदों को विज्ञापित किया जाए
Valid reasons May be given	उचित कारण दिए जाए
Warning is given	चेतावनी दी जाती है
We regret with the remarks	हमें खेद है टिप्पणियों के साथ
You may recall	आपको स्मरण होगा
Yours obediently	आपका आज्ञाकारी

पदनाम नमूना सूची

Accountant	-लेखाकार
Advisor	-सलाहकार/ परामर्शदाता
Auditor	-लेखा परीक्षक
Bill collector	-बिल संग्रहकर्ता
Block Development Officer	-खंड विकास अधिकारी
Branch Manager	-शाखा प्रबंधक
Cashier	-खजांची
Chancellor	-कुलाधिपति
Collector	-जिलाधीश
Commissioner	-आयुक्त
Custom Officer	-सीमा शुल्क अधिकारी
Census Officer	-जनगणना अधिकारी
Dispatch Clerk	-प्रेषण लिपिक
Development Officer	-विकास अधिकारी
Divisional Manager	-मंडल प्रबंधक
Director of Education	-शिक्षा निदेशक
District Judge	-जिला न्यायाधिश
Engineer	-अभियंता / इंजीनियर
Elected Director	-निर्वाचित निदेशक
Employment Officer	-रोजगार अधिकारी
Field Officer	-क्षेत्र अधिकारी
Financial Commissioner	-वित्त आयुक्त
General Manager	-महाप्रबंधक
Godown Inspector	-गोदाम निरीक्षक
Governor	-राज्यपाल
Head Office	-प्रधान कार्यालय
Head of Department	-विभागाध्यक्ष
Hindi Officer	-हिंदी अधिकारी
Honorary Advisor	-अवैतनिक सलाहकार
Inspector	-निरीक्षक
Incharge Officer	-प्रभारी अधिकारी
Joint Director	-संयुक्त निदेशक
Joint Secretary	-संयुक्त सचिव
Law Officer	-विधि अधिकारी
Lady Welfare Officer	-महिला कल्याण अधिकारी
Liasion Officer	-संपर्क अधिकारी
Managing Director	-प्रबंध निदेशक
Medical Officer	-चिकित्सा अधिकारी
Nominee Director	-नामिक निदेशक
Officer	-अधिकारी
Officer Trainee	-प्रशिक्षणार्थी अधिकारी
Opposition Leader	-विरोधी दल-नेता
Principal	-प्रधानाचार्य
Public relations officer	-जनसंपर्क अधिकारी
Planning Officer	-योजना अधिकारी
Receptionist	-स्वागती
Record keeper	-अभिलेखापाल
Regional Manager	-क्षेत्रीय प्रबंधक
Registrar	-कुलसचिव
Stenographer	-आशुलिपिक/ स्टेनोग्राफर
Supervisor	-पर्यवेक्षक
Treasurer	-कोषपाल
Tutor	-अनुशिक्षक
Typist	-टंकक / टाइपिस्ट
Vice-Chancellor	-कुलपति
Vigilance Officer	-सतर्कता अधिकारी
Watchman	-चौकीदार
Zonal Manager	-मंडल प्रबंधक

------000------

प्रथम वर्ष कला - हिंदी

समकक्ष विषयों की सूची

अ. क्र.	पुराना पाठ्यक्रम	अ. क्र.	नया पाठ्यक्रम
1) 2)	HIN 111 A) हिंदी सामान्य (G-1) प्रथम सत्र HIN 121 A) हिंदी सामान्य (G-2) द्वितीय सत्र	1) 2)	DSC HIN A-1 : हिंदी कहानी प्रथम सत्र DSC HIN A-2 : हिंदी कविता द्वितीय सत्र
1) 2)	HIN 111 B) प्रयोजनमूलक हिंदी (G-1) प्रथम सत्र HIN 121 B) प्रयोजनमूलक हिंदी (G-2) द्वितीय सत्र	1) 2)	DSC HIN B-1 : प्रयोजनमूलक हिंदी प्रथम सत्र DSC HIN B-2 : प्रयोजनमूलक हिंदी द्वितीय सत्र

डॉ. सुनील कुलकर्णी

अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल

उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

।। अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत ।।

KAVYITRI BAHINABAI CHAUDHARI
NORTH MAHARASHTRA UNIVERSITY
JALGAON

मानविकी विद्याशाखा

Choice Based Credit System (CBCS)
रूचि आधारित साख्र पद्धति पाठ्यक्रम

Syllabus For

S. Y. B. A.

HINDI

(IIIrd & IVth Semister)

w.e.f.June 2019

Choice Based Credit System (CBCS)

रूचि आधारित साख्र पद्धति पाठ्यक्रम

बी. ए. द्वितीय वर्ष : तृतीय/चतुर्थ सत्र

हिंदी पाठ्यक्रम तालिका

तृतीय सत्र

Sr. No.	Subject Code	Title of Paper	Credits (श्रेयांक)
1	MIL-I Hindi	लेखन कौशल : मीडिया एवं साहित्य (लघुकथा)	03
2	DSC-I (C)A Hindi	कथेत्तर गद्य विधाएँ	02
3	DSC-I (C)B Hindi	प्रयोजनमूलक हिंदी (वैकल्पिक)	02
4	SEC - I Hindi	भाषिक संप्रेषण	03
5	DSE -I (A) Hindi	काव्यशास्त्र	03
6	DSE -II (A) Hindi	उपन्यास विधा (समय सरगम)	03

चतुर्थ सत्र

Sr. No.	Subject Code	Title of Paper	Credits (श्रेयांक)
1	MIL -II Hindi	लेखन कौशल : मीडिया एवं साहित्य (गीत-नवगीत)	03
2	DSC-I (D) A Hindi	श्रेष्ठ हिंदी एकांकी	02
3	DSC-I (D)B Hindi	प्रयोजनमूलक हिंदी (वैकल्पिक)	02
4	DSC - III (D) Hindi	लघु अध्ययन परियोजना (Project)	03
5	SEC-II Hindi	अनुवाद विज्ञान	02
6	DSE - I (B) Hindi	काव्यशास्त्र	03
7	DSE -II (B) Hindi	नाटक विधा (धरती आबा)	03

- **MIL : Media Information Literacy (सूचना एवं संचार माध्यम सजगता)**
- **DSC : Discipline Specific Core Course (मुख्यांश पाठ्यक्रम)**
- **SEC : Skill Enhancement Course (कौशल विकास संवर्धन पाठ्यक्रम)**
- **DSE : Discipline Specific Elective Course (अनुशासित विशेष वैकल्पिक पाठ्यक्रम)**

महत्वपूर्ण सूचनाएँ :

1. **MIL (सूचना एवं संचार माध्यम-ज्ञान) यह अनिवार्य पाठ्यक्रम है। व्दितीय वर्ष में प्रवेशित प्रत्येक छात्र को मराठी,हिंदी,संस्कृत,पाली,अर्धमागधी इनमें से महाविद्यालय में उपलब्ध अंग्रेजी विषय को छोडकर किसी भी एक भाषा का MIL पाठ्यक्रम के रूप में चयन करना अनिवार्य है।**
2. **DSC-1 (C) A कथेत्तर गद्य विधाएँ और DSC-1 (C) B प्रयोजनमूलक हिंदी इन वैकल्पिक पाठ्यक्रमों में से किसी एक ही पाठ्यक्रम का चयन करना है।**
3. **DSE-I A और DSE-II A इन हिंदी अनुशासित विशेष स्तर पाठ्यक्रम का चयन करने वाले छात्रों को चतुर्थ सत्र में DSC -III (D) लघु अध्ययन परियोजना हेतु हिंदी विषय का पाठ्यक्रम DSC -III (D) Hindi का चयन करना अनिवार्य है। लघु अध्ययन परियोजना लेखन का यह पाठ्यक्रम केवल चतुर्थ सत्र के लिए ही है।**
4. **तृतीय एवं चतुर्थ सत्र के अंतर्गत रखा गया SEC-I और SEC-II इन कौशल विकास संवर्धन Skill Enhancement Course पाठ्यक्रम में छात्र महाविद्यालय में उपलब्ध किसी भी पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।**
5. **छात्रों को आगे स्नातकोत्तर कक्षा में जिस विषय का चयन करना है उस विषय में स्नातक स्तर की उपाधि लेते समय कम से कम 24 क्रेडिट होना अनिवार्य है।**
6. **प्रत्येक पाठ्यक्रम के अध्यापनार्थ 45 तासिकाएँ निर्धारित हैं।**
7. **प्रत्येक पाठ्क्रम 100 अंकों का है जिसमें से 40 अंक अंतर्गत मूल्यांकन हेतु तथा 60 अंक सत्रांत परीक्षा हेतु निर्धारित है।**

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय,जलगाँव
मानविकी विद्याशाखा
Choice Based Credit System (CBCS)
रुचि आधारित साख पद्धति पाठ्यक्रम
व्दितीय वर्ष - तृतीय सत्र
MIL- HINDI
MIL-I Hindi लेखन कौशल : मीडिया एवं साहित्य (लघुकथा)

✦ पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

1) छात्रों को रचनात्मक लेखन के सैध्दांतिकी से अवगत कराना।
2) अभिव्यक्ति के विविध क्षेत्रों से छात्रों का परिचय करवाना।
3) रचनात्मक लेखन के विविध रूपों से छात्रों को परिचित कराना।
4) हिंदी लघुकथाओं के माध्यम से रचनात्मक लेखन की सर्जन प्रक्रिया को दर्शाना।
5) हिंदी लघुकथाओं के माध्यम से मानवीय मूल्यों का संवर्धन एवं संरक्षण करना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई - I मीडिया लेखन :

1) पत्रकारिता : स्वरूप, महत्त्व एवं आवश्यकता
2) पत्रकारिता के प्रकार : ग्रामीण पत्रकारिता, कृषी पत्रकारिता, दूरदर्शन पत्रकारिता, फिल्मी पत्रकारिता,वेब पत्रकारिता एवं खेल पत्रकारिता।
3) विज्ञापन : स्वरूप, महत्त्व एवं आवश्यकता, विज्ञापन के प्रकार

इकाई - II साहित्य लेखन : कहानी एवं लघुकथा

1) कहानी एवं लघुकथा का उद्‌भव एवं विकास
2) कहानी एवं लघुकथा के तत्त्वों का विवेचन
3) कहानी एवं लघुकथा में अंतर

इकाई III पाठ्यपुस्तक : हिंदी की प्रतिनिधि लघुकथाएँ (1875 - 2015)

संपादक : डॉ. रामकुमार घोटड़
प्रकाशक - नमन प्रकाशन
423/1, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली - 110002
संस्करण - 2007

✦ निर्धारित पाठ्यपुस्तक की निम्नलिखित लघुकथाएँ अध्ययन-अध्यापनार्थ रखी गई है :-

1.	एक टोकरी भर मिट्टी - माधवराव सप्रे	11	विश्वास - सतीशराज पुष्करणा
2	झलमला - पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी	12	अपना-पराया - हरिशंकर परसाई
3	अधिकारी पाकर - माखनलाल चतुर्वेदी	13	समय समय की बात - ब्रजभूषण सिंह आदर्श

4	कलावती की शिक्षा - जयशंकर प्रसाद	14	आम आदमी - शंकर पुणतांबेकर
5	बड़ा क्या है ? - पं. हजारीप्रसाद द्विवेदी	15	इतिहास पुरूष - डॉ. श्यामसुंदर दास
6	सेठ जी - कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर	16	रिश्ता - चित्रा मुद्गल
7	राष्ट्र का सेवक - मुंशी प्रेमचंद	17	सुहाग-व्रत - डॉ. शंकुतला किरण
8	गिलट - उपेन्द्रनाथ `अश्क`	18	रक्षा - गोविंद शर्मा
9	शौचालय - विनोबा भावे	19	सफाई अभियान - अंजीव अंजुम
10	बीज बनने की राह - रामधारी सिंह दिनकर	20	अंतर - रतनकुमार सांभरिया

संदर्भ पुस्तकें :

१. भारत का हिंदी लघुकथा संसार : संपादक डॉ. रामकुमार घोटड़, साहित्य सागर प्रकाशन, चौड़ा रस्ता, जयपुर
२. प्रतिनिधि लघुकथा शतक - रत्नकुमार सांभरिया, अनामय प्रकाशन, जयपुर
३. लघुकथा संग्रह भाग दो - जयमन्त मिश्र,साहित्य अकादमी ,नई दिल्ली
४. रचनात्मक लेखन - संपा. रमेश गौतम, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
५. दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन - डॉ. राजेन्द्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
६. हिंदी की समकालीन लघुकथाएँ - डॉ.रामकुमार घोटड़, वाङ्मय प्रकाशन,जयपुर
७. सामाजिक सरोकार की लघुकथाएँ- डॉ.रामकुमार घोटड़, वाङ्मय प्रकाशन,जयपुर
८. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता - डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह,वाणी प्रकाशन,नयी दिल्ली
९. प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ दक्षा हिमावत-अभय प्रकाशन
१०. प्रयोजमूलक हिंदी : अधुनातन आयाम-डॉ. अंबादास देशमुख,शैलजा प्रकाशन,कानपुर
११. प्रयोजनमलक हिंदी चिन्तन-अनुचिन्तन संपादक डॉ. सुधाकर शेंडगे,विकास प्रकाशन,कानपुर
१२. जनसंचार का समाजशास्त्र लक्ष्मेंद्र चोपडा ,आधार प्रकाशन,पंचकुला हरियाणा
१३. जनसंचार माध्यमों में हिंदी-चन्द्र कुमार, क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी,नयी दिल्ली
१४. ईलेक्ट्रॉनिक मीडिया और चुनौतिया सम्पादक -रवींद्र कालिया,भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
१५. सृजनात्मक लेखन और संचार क्षमता-प्रो.जयमोहन,एम.एस/डॉ. सुमा.एम.एस,वाणी प्रकाशन,नयी दिल्ली
१६. हिंदी पत्रकारिता कल और आज- डॉ.ऋचा, शर्मा नमन प्रकाशन ,नई दिल्ली
१७. आधुनिक पत्रकारिता के विविध आयाम- डॉ.बी.आर.बारड/डॉ. डी.एम.दोमडिया,रावत प्रकाशन,नयी दिल्ली

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय : 2 घंटे **कुल अंक 60**

प्र. क्र. 1) इकाई III पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न	
अ) बहुपर्यायी प्रश्न (आठ में से छः)	06
आ) एकवाक्यीय उत्तरवाले प्रश्न (आठ में से छः)	06
प्र. क्र. 2) इकाई III पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)	12
प्र. क्र. 3) इकाई I पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 4) इकाई II पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 5) इकाई III पर आधारित टिप्पणियाँ (3 में से 2)	12

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय,जलगाँव
मानविकी विद्याशाखा
Choice Based Credit System (CBCS)
रुचि आधारित साख्र पद्धति पाठ्यक्रम
बी.ए. व्दितीय वर्ष - तृतीय सत्र
DSC-1 (C) A HINDI : कथेत्तर गद्य विधाएँ

✦ पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

1) कथेत्तर गद्य विधा का विकासात्मक परिचय प्रस्तुत कराना।
2) कथेत्तर गद्य विधा की कालजयी रचनाओं से छात्रों को परिचित कराना।
3) कथेत्तर गद्य विधा की रचनाओं के माध्यम से छात्रों में मूल्य संवर्धन कराना।
4) कथेत्तर गद्य विधा की रचनाओं के माध्यम से छात्रों में सामाजिक संवेदनशीलता को बढ़ावा देना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

हिंदी अध्ययन मंडल,कबचौउमवि,जलगाँव व्दारा संपादित पाठ्यपुस्तक -
कथेत्तर गद्य विधाएँ (प्रतिनिधि रचना) - वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली।
संपादित पुस्तक में से निम्न प्रतिनिधिक रचनाएँ अध्ययनार्थ रखी गई हैं :-

इकाई - I

- **निबंध : राष्ट्र का स्वरूप - डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल**
- **संस्मरण : तीस बरस का साथी : रामविलास शर्मा - अमृतलाल नागर**
- **रेखाचित्र : रज़िया - रामवृक्ष बेनीपुरी**
- **जीवनी अंश : धरती और धान - पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'**
- **आत्मकथा अंश : चोरी और प्रायश्चित -महात्मा गांधी**
- **रिपोर्ताज : अदम्य जीवन - डॉ. रांगेय राघव**
- **यात्रा वर्णन : पतझर के पात -अज्ञेय**
- **व्यंग्य : एक गोप कक्ष - डॉ. शंकर पुणतांबेकर**
- **डायरी : प्रवास की डायरी - डॉ. हरिवंशराय बच्चन**
- **संबोधन : युवाओ से - स्वामी विवेकानंद**

इकाई - II प्रात्यक्षिक लेखन (कोई चार)

- **शरीर के भिन्न-भिन्न अवयवों पर केन्द्रित निबंध लेखन।**
- **सामाजिक जीवन यापन करते समय जिस किसी ने भी आपको प्रभावित किया हो उससे जुडी हुई संस्मरणीय यादों का वर्णन।**
- **गाँव, गली और मुहल्ले के किसी व्यक्ति का रेखाचित्र।**
- **व्यक्तिगत जीवन से जुड़ी किसी यात्रा का वर्णन।**

- **जीवन यापन करते समय बोली गई, सुनी गई या पढ़ी हुई व्यंग्योक्तियों का संकलन एवं अर्थ विवेचन।**
- **जीवन यापन करते समय आए किसी एखाद् सुखद या दुःखद या अन्य प्रसंग का वर्णन।**
- **आत्मकथात्मक लेखन।**
- **गाँव,गली और मुहल्ले में स्थित किसी विशेष व्यक्ति से साक्षात्कार कर उसका लेखन।**
- **वर्तमान दशक की हिंदी पत्र -पत्रिकाओं में प्रकाशित निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा वर्णन, रिपोर्ताज, व्यंग्य, जीवनी और आत्मकथा की आलोचना।**

● संदर्भ पुस्तकें :-

1. हिंदी आत्मकथाएँ संदर्भ और प्रकृति - डॉ. श्यामसुंदर पाण्डेय, विनय प्रकाशन, कानपुर
2. काव्यशास्त्र : विविध आयाम - संपा. मधु खराटे, विद्या प्रकाशन, कानपुर
3. सुबोध काव्यशास्त्र - डॉ. जालिंदर इंगळे , चंद्रलोक प्रकाशन, कानपुर
4. हिंदी आत्मकथा - डॉ. नारायण शर्मा, पुस्तक संस्थान, कानपुर
5. श्रेष्ठ हिंदी निबंधकार - सुरेश गुप्त, अशोक प्रकाशन, दिल्ली
6. हिंदी व्यंग्य परंपरा में शंकर पुणतांबेकर का योगदान - अनुपमा प्रभुणे, अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर
7. अमृतलाल नागर का जीवनपरक उपन्यास - डॉ. सुरेखा झाडे, अमन प्रकाशन, कानपुर
8. रामवृक्ष बेनीपुरी - रामबच्चन राय, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
9. रामवृक्ष बेनीपुरी रचना संचयनी - मस्तराम कपूर, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
10. रांगेय राघव - मधुरेश, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय : 2 घंटे **कुल अंक 60**

प्र. क्र. 1) इकाई I पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न	
अ) बहुपर्यायी प्रश्न (8में से 6)	06
आ) एकवाक्यीय उत्तरवाले प्रश्न (8 में से 6)	06
प्र. क्र. 2) इकाई I पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12
प्र. क्र. 3) इकाई I पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 4) इकाई I पर आधारित टिप्पणियाँ (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 5) इकाई I पर आधारित ससंदर्भ व्याख्या (3 में से 2)	12

(इकाई II यह प्रात्यक्षिक लेखन के लिए है।)

बी.ए. व्दितीय वर्ष - तृतीय सत्र

DSC-1 (C) A HINDI : कथेत्तर गद्य विधाएँ इस पाठ्यक्रम के लिए वैकल्पिक पाठ्यक्रम

DSC - I (C) B Hindi प्रयोजनमूलक हिंदी

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. **शब्द संसाधन के अंतर्गत छात्रों को मुहावरों का अर्थ बताकर वाक्य में प्रयोग करने का प्रशिक्षण देना।**
2. **संपादन की कला से छात्रों को अवगत कराना।**
3. **श्रव्य और दृश्य संचार के विविध माध्यमों से छात्रों को परिचित कराना।**
4. **मुद्रित माध्यम तथा संक्षेपण और पल्लवन का सामान्य परिचय कराना।**

<u>पाठ्यक्रम का स्वरूप</u>

इकाई - I

- शब्द संसाधन : मुहावरों का अर्थ एवं वाक्य में प्रयोग।
- संपादन कला : अर्थ, तत्त्व, प्रकार, संपादकीय लेखन।
- संचार माध्यम और हिंदी भाषा : श्रव्य और दृश्य माध्यम - रेडिओ, दूरदर्शन, सिनेमा, कम्प्युटर (संगणक), इंटरनेट का सामान्य परिचय, माध्यमों की उपयोगिता और हिंदी भाषा प्रयोग।
- मुद्रित माध्यम : पत्र, पत्रिका, पोस्टर, हैंडबिल में हिंदी भाषा प्रयोग।
- संक्षेपण, पल्लवन।

इकाई - II प्रात्यक्षिक लेखन (कोई चार)

- हिंदी मुहावरों और कहावतों का अर्थ बताकर उनका वाक्य में प्रयोग।
- हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित संपादकीय लेख्रन का विवेचन एवं विश्लेषण।
- संपादन कला का अर्थ बताकर स्वरूप का प्रतिपादन।
- संपादन कला के विविध प्रकारों का विवेचन।
- संपादन कला के प्रमुख तत्वों का विवेचन एवं विश्लेषण।
- श्रव्य और दृश्य हिंदी संचार माध्यमों का परिचय।
- आकाशवाणी तथा एफ.एम रेडियों पर प्रसारित होने वाले हिंदी कार्यक्रमों का विवेचन।
- दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाले हिंदी कार्यक्रमों का विवेचन।
- वर्तमान दशक में प्रसारित हिंदी सिनेमा की सूची बनाकर उसकी कथा का संक्षिप्त परिचय।
- संगणक प्रणाली के लाभों का विवेचन।
  संचार के विविध माध्यमों में हिंदी के बढ़ते प्रभाव का विश्लेषण।
- मुद्रित माध्यमों में हिंदी भाषा के प्रयोग की बढ़ती संभावनाओं का विवेचन।

* प्रयोजनमूलक हिंदी हेतु मुहावरे नमूना सूची *

मुहावरों की नमूना सूची :

आग में घी डालना - क्रोध को भडकाना
आग लगाना-चुगली करना
अक्ल चरने जाना - बुध्दि नष्ट हो जाना
उलटी - सीधी सुनाना - फटकारना
एक आँख से देखना - समान व्यवहार करना
उँट के मुँह में जीरा - ज्यादा आवश्यकता वाले को कम देना
कमर टूटना - निराश हो जाना
कलई खुलना - भेद खुल जाना
खून के घूँट पीना -सह लेना , गुस्से को पी जाना
गले का हार बनना-अति प्रिय होना
गंगा नहाना-निवृत्त होना
घास खोदना-व्यर्थ समय बिताना
घर का बोझ उठाना-घर बार संभालना
घर सिर पर उठा लेना -शोर मचाना
घाट-घाट का पानी पीना - जगह - जगह घूमना
घोड़े बेचकर सोना - बेफिक्र हो जाना
चाँद पर धूल उडाना-निर्दोष व्यक्ति में दोष निकालना
चिराग लेकर ढूँढना -तलाश करना
छक्के छुडाना - पराजित करना
छोटा मुँह बड़ी बात करना - हैसियत से बड़ी बात करना
जबान में लगाम न होना - उलटा - सीधा बकना
जान से हाथ धोना- जान गवाना
झक मारना - व्यर्थ में समय गवाना
टाँग अडाना - बाधा डालना
टका-सा जबाब देना - साफ इंकार करना
ढाक के तीन पात - जैसे के तैसे
तारे गिनना - नींद न आना
दिन काटना - समय बिताना
पट्टी पढ़ाना - बहकाना
बालू की भीत जमाना - असंभव की आशा करना
भीगी बिल्ली बनना - चुपचाप रहना
विष उगलना- किसी के विरूध्द अनाप-शनाप कहना
आस्थिन का साँप - विश्वासघाती
आसमान टूटना- विपत्ति में पडना
खिचड़ी पकाना - गुप्त रूप से कार्य करना
गाजर - मूली समझना - अत्यंत शक्तिहीन समझना
टेढी खीर - कठिन कार्य
दाँत खट्टे करना - पराजित करना

दाल न गलना	-	कार्य न बनना
नाक रगडना	-	गिडगिडाना
पासा पलटना	-	परिस्थिति बदलना
बगल झाँकना	-	उत्तर न देना
भण्डा फूटना	-	भेद खुलना
मुँह फुलाना	-	असंतुष्ट होना , नाराज होना
रंग में भंग	-	आनंद में विघ्न
लट्टू होना	-	मुग्ध होना
हाथ मलना	-	पछताना
हवाई किले बनाना	-	निराधार बातें सोचना
अंधे की लकडी	-	एकमात्र सहारा
आँखों से गिरना	-	आदर घटना

• संदर्भ ग्रंथ :

1) मानक हिंदी और भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी
प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।

2) प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख
शैलजा प्रकाशन, कानपुर

3) हिंदी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप - डॉ. कैलासचंद्र भाटिया
साहित्य भवन प्रा. लि., इलाहाबाद

4) दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन - डॉ. राजेंद्र मिश्र
तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली - 2

5) प्रयोजनमूलक हिंदी भाग 2 और भाग 3 - डॉ. उर्मिला पाटील
अतुल प्रकाशन, कानपुर

6) प्रायोगिक व्याकरण एवं पत्रलेखन - डॉ. गोस्वामी
विद्या प्रकाशन, कानपुर

7) वैश्वीकरण और हिंदी मानकीकरण - डॉ. हणमंतराव पाटील
विद्या प्रकाशन, कानपुर

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय : 2 घंटे **कुल अंक 60**

प्र. क्र. 1) इकाई I पर आधारित हिंदी मुहावरों का अर्थ देकर वाक्य में प्रयोग। (8 में से 6)	12
प्र. क्र. 2) इकाई I पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12
प्र. क्र. 3) इकाई I पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 4) इकाई I पर आधारित टिप्पणियाँ (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 5) अ) दिए गए परिच्छेद पर एक तिहाई शब्दों में संक्षेपण करना।	06
आ) दी गई चार उक्तियों में से किसी एक का पल्लवन करना।	06

(इकाई II यह प्रात्यक्षिक लेखन के लिए है।)

DSC-1(C) A और DSC-1 (C) B
इन प्रात्यक्षिक पाठ्यक्रमों के संदर्भ में
कुछ महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

- प्रस्तुत पाठ्यक्रम की पहली इकाई पर 60 अंकों की लिखित परीक्षा विश्वविद्यालय के व्दारा सत्र के अंत में संपन्न होगी।
- प्रत्येक सत्र में 40 अंक प्रात्यक्षिक परीक्षा के लिए होंगे।
- पाठ्यक्रम के इकाई -II में उल्लेखित विषयों में से किन्हीं चार विषयों पर चार प्रात्यक्षिक छात्रों को प्रात्यक्षिक कापी में लिखने हैं।
- प्रात्यक्षिक कापी के प्रथम पृष्ठ पर छात्र का नाम, कक्षा, रोल नंबर, विषय का नाम तथा प्रात्यक्षिक का शीर्षक स्पष्ट रूप में उल्लेखित हो। प्रथम पृष्ठ पर ही विषय से संबंधित आचार्य का तथा प्रधानाचार्य का नाम तथा हस्ताक्षर होना अनिवार्य है।
- प्रस्तुत प्रात्यक्षिक कापी का मूल्यांकन विषय से संबंधित आचार्य को ही करना है।
- प्रात्यक्षिक लेखन संबंधि मार्गदर्शन हेतु 30 तासिकाओं का प्रावधान है।
- सत्र के अंत में विषय शिक्षक को प्रत्येक छात्र की मौखिक परीक्षा लेनी है जिसे 15 अंक निर्धारित है।
- अंतर्गत अंकों की जानकारी पहले जिस प्रकार प्रधानाचार्य के हस्ताक्षर के साथ विश्वविद्यालय को दी जाती थी उसी परंपरा के अनुसार प्रात्यक्षिक परीक्षा में प्राप्त अंकों का विवरण भी विश्वविद्यालय को प्रेषित करना है।
- मूल्यांकन के पश्चात प्रात्यक्षिक कापी विषय से संबंधित आचार्य को प्रधानाचार्य के पास जमा करनी है।
- प्रात्यक्षिक परीक्षा हेतु निर्धारित 40 अंकों का विभाजन निम्न प्रकार से होगा :-

अंतर्गत प्रात्यक्षिक परीक्षा	प्रात्यक्षिक कापी/फाईल	20
	मौखिक परीक्षा	15
	उपस्थिति	05
	कुल अंक	**40**

बी.ए. व्दितीय वर्ष - तृतीय सत्र
SEC-1 HINDI : भाषिक संप्रेषण

✦ पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

1) हिंदी भाषा के भाषिक स्वरूप से छात्रों को परिचित कराना।
2) भाषिक संप्रेषण की सैध्दांतिकी से छात्रों को परिचित कराना।
3) संप्रेषण के प्रमुख प्रकारों से छात्रों का परिचय कराना।
4) मौखिक संप्रेषण के विविध रूपों से छात्रों को अवगत कराना।
5) लिखित संप्रेषण के विविध रूपों से छात्रों को अवगत कराना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई I - भाषिक संप्रेषण :-

अ) हिंदी का भाषिक स्वरूप :

भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप, भाषा की विशेषताएँ, भाषा के विविध रूप : मातृभाषा, सृजनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, विश्वभाषा, भाषा के प्रकार्य।

आ) संप्रेषण का सैद्धांतिक विवेचन :-

संप्रेषण का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप, संप्रेषण की प्रक्रिया, संप्रेषण का प्रयोजन, संप्रेषण के प्रमुख तत्त्व, संप्रेषण की विशेषताएँ, संप्रेषण का महत्त्व एवं चुनौतियाँ।

इकाई II - संप्रेषण के प्रमुख प्रकार :-

अ) मौखिक संप्रेषण :

मौखिक संप्रेषण अर्थ एवं स्वरूप, मौखिक संप्रेषण हेतु आवश्यक गुण, मौखिक संप्रेषण के लाभ एवं दोष, मौखिक संप्रेषण के प्रकार : संवाद, बातचीत, साक्षात्कार, उद्घोषणा, व्याख्यान, वाद विवाद, वक्तृत्व एवं रेडियो वार्ता।

आ) लिखित संप्रेषण :

अर्थ एवं स्वरूप, अनिवार्य तत्त्व, लिखित संप्रेषण के लाभ एवं दोष, लिखित साहित्य से होनेवाला संप्रेषण, लिखित संप्रेषण के प्रकार : समाचार लेखन, रिपोर्ट लेखन, प्रेस विज्ञप्ति, ई-मेल, ब्लॉग, फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम आदि।

● संदर्भ पुस्तकें :-

1) संप्रेषण एवं बैंकिंग व्यवस्था - डॉ. सुभाष गौड़, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2) व्यावसायिक संप्रेषण - डॉ. अनुपचंद्र पु. भायाणी
3) हिंदी भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी
4) हिंदी भाषा का इतिहास - डॉ. भोलानाथ तिवारी

5) भाषिकी हिंदी भाषा तथा भाषा विज्ञान - डॉ. अंबादास देशमुख
6) हिंदी भाषा और संप्रेषण - डॉ. सुनील कुलकर्णी

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय : 2 घंटे	**कुल अंक 60**
प्र. क्र. 1) इकाई I पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12
प्र. क्र. 2) इकाई II पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12
प्र. क्र. 3) इकाई I पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 4) इकाई II पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 5) टिप्पणियाँ	12
अ) इकाई I पर आधारित टिप्पणियाँ (2 में से 1)	06
आ) इकाई II पर आधारित टिप्पणियाँ (2 में से 1)	06

बी. ए. व्दितीय वर्ष - तृतीय सत्र

DSE-I (A) HINDI : काव्यशास्त्र

✦ पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

1) काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय कराना।
2) काव्य की विविध विधाओं से परिचित कराना।
3) अलंकारों का परिचय कराना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई - I

- काव्य तथा साहित्य की परिभाषाएँ - संस्कृत, अंग्रेजी तथा हिंदी की प्रचलित परिभाषाओं की व्याख्या ।
- क) काव्य के हेतु ।
  ख) काव्य के प्रयोजन (भारतीय एवं पाश्चात्य)
  (सूक्ष्म अध्ययन अपेक्षित नहीं)

इकाई - II

- काव्य के तत्त्व - भावतत्त्व, बुध्दितत्त्व, कल्पनातत्त्व एवं शैलीतत्त्व
- काव्य के भेद :
  - अ) भेद का आधार - श्रवणीयता एवं दृश्यात्मकता ।
  - आ) प्रबंधकाव्य : महाकाव्य एवं खंडकाव्य ।
    मुक्तक काव्य : गीतिकाव्य, ग़ज़ल (स्वरूप एवं अंग)।
    मुक्तक एवं प्रबंध काव्य में अंतर ।

इकाई - III

- अलंकार -
  - अ) काव्य में अलंकारों का स्थान
  - आ) निम्नलिखित अलंकारों का सोदाहरण परिचय

1) अनुप्रास 2) यमक 3) श्लेष 4) उपमा 5) दृष्टांत
6) विरोधाभास 7) अतिशयोक्ति 8) संदेह 9) भ्रांतिमान 10) उदाहरण

संदर्भ ग्रंथ :

1)	साहित्य विवेचन	-	क्षेमचंद्र सुमन, योगेन्द्रकुमार मलिक
2)	काव्यशास्त्र	-	डॉ.भगिरथ मिश्र
3)	काव्य प्रदीप	-	कन्हैयालाल पोद्दार
4)	साहित्यशास्त्र	-	डॉ.चंद्रभानु सोनवणे
5)	काव्यशास्त्र विविध आयाम	-	डॉ. मधु खराटे

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय : 2 घंटे **कुल अंक 60**

प्र. क्र. 1) इकाई I तथा II पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न	
अ) बहुपर्यायी प्रश्न (8 में से 6)	06
आ) एकवाक्यीय उत्तरवाले प्रश्न (8 में से 6)	06
प्र. क्र. 2) इकाई I तथा II पर आधारित विकल्पसहित दीर्घोत्तरी प्रश्न	12
प्र. क्र. 3) इकाई I पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न	12
प्र. क्र. 4) इकाई II पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 5) इकाई III पर आधारित प्रश्न	
अ) काव्य में अलंकारों का स्थान	06
आ) अलंकारों का सोदाहरण परिचय (3 में से 1)	06

बी.ए. व्दितीय वर्ष - तृतीय सत्र

DSE-II (A) HINDI : उपन्यास विधा

✦ पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

1) हिंदी उपन्यास विधा का विकासात्मक परिचय कराना।
2) हिंदी के प्रमुख उपन्यासकारों का सामान्य परिचय देना।
3) निर्धारित उपन्यास के माध्यम से छात्रों को मानवीय जीवन में समय का महत्व, व्यक्ति की विश्वव्यापी स्वाधीनता,वृध्दों की समस्या ,मूल्य संवर्ध्दन,संयुक्त परिवार आदि से अवगत कराना।
4) उपन्यास के माध्यम से सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति छात्रों में एहसास जगाना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई I -

- उपन्यास विधा का अर्थ, स्वरूप एवं परिभाषाएँ।
- उपन्यास विधा का तात्त्विक विवेचन।

इकाई II -

- हिंदी उपन्यास-साहित्य का विकासात्मक परिचय :- प्रेमचंद पूर्व, प्रेमचंदयुगीन तथा प्रेमचंदोत्तर उपन्यासों का सामान्य परिचय।
- हिंदी उपन्यास विधा में कृष्णा सोबती का योगदान।

इकाई III :-

समय सरगम - कृष्णा सोबती
प्रथम संस्करण 2008 दूसरी आवृत्ति 2014
राजकमल प्रकाशन, 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग,
दरियागंज, नई दिल्ली

- **संदर्भ ग्रंथ :-**

1) रांगेय राघव के जीवनीपरक उपन्यास - डॉ. छाया पाटील, विद्या प्रकाशन, कानपुर
2) हिंदी के कालजयी उपन्यास - डॉ. ओमप्रकाश त्रिपाठी, विद्या प्रकाशन, कानपुर
3) महिला उपन्यासकार : पारिवारिक जीवन के बदलते संदर्भ - डॉ. कल्पना किरण पाटोळे, विद्या प्रकाशन, कानपुर
4) कृष्णा सोबती की कथा-भाषा - डॉ. एन. जयश्री, विद्या प्रकाशन, कानपुर

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय : 2 घंटे **कुल अंक 60**

प्र. क्र. 1) इकाई III पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न	
अ) बहुपर्यायी प्रश्न (8 में से 6)	06
आ) एकवाक्यीय उत्तरवाले प्रश्न (8 में से 6)	06
प्र. क्र. 2) इकाई III पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12
प्र. क्र. 3) इकाई III पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 4) इकाई I और II पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 5) इकाई III पर आधारित ससंदर्भ व्याख्या (3 में से 2)	12

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय,जलगाँव
मानविकी विद्याशाखा
Choice Based Credit System (CBCS)
रुचि आधारित साख्र पद्धति पाठ्यक्रम
व्दितीय वर्ष - चतुर्थ सत्र
MIL- II HINDI : लेखन कौशल : मीडिया एवं साहित्य (गीत-नवगीत)

✦ पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

1) मीडिया लेखन कौशल से छात्रों को अवगत कराना।
2) मीडिया लेखन कौशल के विविध प्रकारों से छात्रों को परिचित कराना।
3) साहित्य लेखन कौशल से छात्रों को अवगत कराना।
4) हिंदी गीत तथा नवगीतों के माध्यम से छात्रों में संवेदनशीलता विकसित कराना।
5) हिंदी गीत तथा नवगीतों से छात्रों को परिचित कराना।
6) हिंदी गीत तथा नवगीतों के माध्यम से लेखन की सर्जन प्रक्रिया को दर्शाना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई I - मीडिया लेखन :

i) प्रिंट माध्यम : फीचर लेखन, यात्रा वृत्तांत, साक्षात्कार, पुस्तक समीक्षा।

ii) इलेक्ट्रॉनिक माध्यम - रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म, पटकथा लेखन।

iii) सोशल मीडिया : व्हाट्सप, फेसबुक,ट्वीटर, इंस्टाग्राम।

इकाई II - साहित्य लेखन : गीत एवं नवगीत

i) गीत तथा नवगीत का स्वरूप एवं तात्विक विवेचन ।

ii) हिंदी गीत तथा नवगीतों का विकासात्मक परिचय ।

iii) गीत-नवगीत का रचना सौष्ठव : भाषाशैली, गेयता, प्रतीक, बिम्ब, अलंकार और छंद।

इकाई III : हिंदी अध्ययन मंडल, कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय,जलगाँव व्दारा संपादित पाठ्यपुस्तक -

गीत-नवगीत (प्रतिनिधि रचनाएँ)

प्रकाशक : यश पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रिब्युटर्स प्रा.लि., नई दिल्ली

निर्धारित गीत एवं नवगीत :-

1. सूर्यकान्त त्रिपाठी `निराला`	-	मातृ वन्दना ।
2. माखनलाल चतुर्वेदी	-	बदरिया थम-थम कर झर री ।
3. हरिवंशराय बच्चन	-	खेत हरियाए तो मन हरियाए ।
4. गिरिजाकुमार माथुर	-	आज शरद की पूरनमासी ।
5. देवेन्द्र शर्मा 'इन्द्र'	-	सूर्य हैं हम ।
6. गुलाब सिंह	-	उन्हें पुकारों।
7. अनूप अशेष	-	बहुत गहरे हैं पिता ।
8. बुद्धिनाथ मिश्र	-	कोसी गाती ।
9. श्यामसुन्दर दुबे	-	तीरथ घाट बिकाने ।
10. उमाकान्त मालवीय	-	गंगोत्री में पलना झूले ।
11. ओमप्रकाश सिंह	-	रूप तुम्हारा ।
12. श्रीराम परिहार	-	तम छटेगा ।
13. जीवन नहीं मरा करता है..	-	गोपाल दास 'निरज'
14.उतनी दूर पिया तुम मेरे गाँव से	-	डॉ. कुँअर बेचैन
15. मन समर्पित तन समर्पित	-	रामावतार त्यागी

संदर्भ पुस्तकें :-

1) गीत से नवगीत - डॉ. सुभाष श्रीवास्तव, अभय प्रकाशन कानपुर

2) नवगीत एक अनवरत धारा - डॉ. पार्वती गोस्साई, विनय प्रकाशन,कानुपर

3) श्रेष्ठ हिंदी गीत संचयन - कन्हैयालाल नंदन, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

4) नयी कविता एवं नवगीत - डॉ. गीता अस्थाना, विद्या प्रकाशन, कानपुर

5) समकालीन नवगीत का विकास -डॉ. राजेश सिंह, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

6) नये गीत का उद्‌भव और विकास - रमेश रंजक,पुस्तकायन प्रकाशन , नयी दिल्ली

7) नवगीत संवेदना और शिल्प - डॉ. सत्येन्द्र शर्मा ,साहित्य संगम प्रकाशन,इलाहाबाद (प्रयागराज)

8) नवगीत सर्जन और समीक्षा - संपादक डॉ. भगवान शरण भारद्वाज,कामायनी प्रकाशन,नयी दिल्ली

9) हिंदी नवगीत युगीन संवदेना - डॉ. रामनाराण पटेल, अनुभव प्रकाशन, गाजियाबाद

10) हिंदी नवगीत संदर्भ और सार्थकता -संपादन डॉ. वेदप्रकाश/डॉ. रंजना शर्मा, गिरनार प्रकाशन महेसना

11) नवगीत इतिहास और उपलब्धियाँ- डॉ. राजेन्द्र गौतम, शारदा प्रकाशन, नयी दिल्ली

12) समकालीन हिंदी कविता का परिप्रेक्ष्य और हिंदी नवगीत - शंभुनाथ सिंह, संजय बुक सेंटर वाराणसी

13) लोकप्रियता के शीखर गीत -सम्पादक डॉ. विष्णु शर्मा,राधाकृष्ण प्रकाशन,न्यी दिल्ली

14) नवगीत दशक -शंभुनाथ सिंह - पराग प्रकाशन दिल्ली

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय : 2 घंटे **कुल अंक 60**

प्र. क्र. 1) इकाई III पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न	
अ) बहुपर्यायी प्रश्न (8 में से 6)	06
आ) एकवाक्यीय उत्तरवाले प्रश्न (8 में से 6)	06
प्र. क्र. 2) इकाई III पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12
प्र. क्र. 3) इकाई I एवं II पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 4) तीनों इकाईयों पर आधारित टिप्पणियाँ (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 5) इकाई III पर आधारित ससंदर्भ व्याख्या (3 में से 2)	12

बी. ए. व्दितीय वर्ष - चतुर्थ सत्र
DSC-I (D) A- HINDI : श्रेष्ठ हिंदी एकांकी

✦ पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

1) एकांकी विधा का विकासात्मक परिचय कराना।
2) प्रमुख एकांकीकारों का सामान्य परिचय प्रस्तुत करना।
3) एकांकियों के माध्यम से रंगमंचीय प्रभाव को विशद कराना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव के हिंदी अध्ययन मंडल द्वारा संपादित पुस्तक :

श्रेष्ठ हिंदी एकांकी
संपादन : हिंदी अध्ययन मंडल ,कवयित्री बहिणाबाई चौधरी
उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव
प्रकाशक :लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।

इकाई I - निर्धारित एकांकियाँ :-

- दीपदान - रामकुमार वर्मा
- माँ - विष्णु प्रभाकर
- भोर का तारा - जगदीशचंद्र माथुर
- नये मेहमान - उदयशंकर भट्ट
- बहुत बड़ा सवाल - मोहन राकेश
- जान से प्यारे - ममता कालिया
- तौलिया - उपेन्द्रनाथ अश्क
- छोटी मछली बडी मछली - तेजपाल चौधरी

इकाई - II प्रात्यक्षिक लेखन (कोई चार)

- हिंदी की कालजयी एकांकी का सामान्य परिचय।
- वर्तमान दशक में प्रकाशित एकांकी की कथावस्तु का विवेचन।
- वर्तमान दशक के प्रमुख एकांकीकारों का स्थूल परिचय ।
- ऐतिहासिक एकांकी के मंचन में आने वाली समस्याएँ।
- राज्यस्तरीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर मंचित होनेवाली एकांकी प्रतियोगिता की रिपोर्ट तैयार करना।

- युवारंग, पुरूषोत्तम करंडक में प्रदर्शित होने वाली हिंदी एकांकी का विवेचन एवं विश्लेषण।
- पाठ्यपुस्तक में समावेशित एकांकी का मंचन कर उसमें रंगमंचीय दृष्टि से आने वाली समस्याओं का विवेचन।
- रेडियो, दूरदर्शन तथा विविध चैनलों पर प्रदर्शित होनेवाली हिंदी एकांकियों का महत्त्व ।
- रेडियो, दूरदर्शन तथा विविध चैनलों पर प्रदर्शित होनेवाली हिंदी एकांकियों का जनमानस पर प्रभाव।

● संदर्भ पुस्तकें :-

1) रामकुमार वर्मा के एकांकी नाटक - डॉ. सर्जेराव जाधव, विनय प्रकाशन,कानपुर
2) हिंदी एकांकी - सिद्धार्थ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3) एकांकी और एकांकी - डॉ. सुरेन्द्र यादव, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
4) इक्कीस श्रेष्ठ एकांकी - राजपाल गोस्वामी
5) हिंदी नाटक आज कल - डॉ. जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय : 2 घंटे **कुल अंक 60**

प्र. क्र. 1) इकाई I पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न	
अ) बहुपर्यायी प्रश्न (8 में से 6)	06
आ) एकवाक्यीय उत्तरवाले प्रश्न (8 में से 6)	06
प्र. क्र. 2) इकाई I पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12
प्र. क्र. 3) इकाई I पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 4) इकाई I पर आधारित टिप्पणियाँ (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 5) इकाई I पर आधारित ससंदर्भ व्याख्या (3 में से 2)	12

(इकाई II यह प्रात्यक्षिक लेखन के लिए है।)

बी. ए. व्दितीय वर्ष - चतुर्थ सत्र

DSC-I (D) A - HINDI : श्रेष्ठ हिंदी एकांकी इस पाठ्यक्रम के लिए वैकल्पिक पाठ्यक्रम

DSC -I (D) B - Hindi प्रयोजनमूलक हिंदी

✦ पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

1) शब्द संसाधन की जानकारी देना।
2) मानक हिंदी और संवैधानिक हिंदी का परिचय कराना।
3) कार्यालयीन कार्यव्यवहार एवं पत्रव्यवहार की जानकारी देना।
4) फाइलिंग प्रणाली की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई I :-

- शब्द संसाधन : अर्थभेदकारी शब्दयुग्म (नमूना सूची संलग्न)
- मानक हिंदी : हिंदी मानकीकरण के प्रयत्न, मानक हिंदी का स्वरूप और नियमावली का परिचय।
- हिंदी का संवैधानिक स्वरूप : अनुच्छेद क्रमांक 343 से 351 का सामान्य ज्ञान। कार्यालयीन हिंदी प्रयोग की समस्याएँ एवं समाधान
- फाइलिंग प्रणाली का ज्ञान : फाइलिंग का स्वरूप, प्रकार, आवश्यकता और विशेषताएँ।
- कार्यालयीन कार्यव्यवहार : प्रविष्टि, अनुभाग - डायरी, मोहर, वितरण, आवती-जावती रजिस्टर, टिप्पण, पत्र का उत्तर, प्रेषण, पावती।
- कार्यालयीन पत्राचार : कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, प्रतिवेदन, स्मरणपत्र, परिपत्र, संकल्प, प्रेसनोट।

इकाई II :- प्रात्यक्षिक लेखन (कोई चार)

- स्थानीय बोली भाषा के शब्दों का संकलन कर उसका अर्थ बताए।
- केन्द्रिय हिंदी निदेशालय ,नई दिल्ली व्दारा प्रकाशित मानक हिंदी संबंधी नियमावली का अध्ययन एवं विश्लेषण।
- हिंदी भाषा के संवैधानिक स्वरूप को प्रतिपादित कर अनुच्छेदों का विवेचन एवं विश्लेषण करें।
- राजभाषा हिंदी के स्वरूप का प्रतिपादन।
- कार्यालयीन कामकाज में फाईलिंग प्रणाली के फायदों का विवेचन।
- फाईलिंग प्रणाली की आवश्यकताओं और विशेषताओं का विवेचन।
- कार्यालयीन कार्यव्यवहार : प्रविष्टि, अनुभाग - डायरी, मोहर, वितरण, आवती-जावती रजिस्टर, टिप्पण, पत्र का उत्तर, प्रेषण, पावती आदि का महत्त्व।

- कार्यालयीन पत्राचार में कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, प्रतिवेदन, स्मरणपत्र, परिपत्र, संकल्प, प्रेसनोट आदि के महत्व का प्रतिपादन।
- कार्यालयीन पत्राचार के प्रमुख साधन कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, प्रतिवेदन, स्मरणपत्र, परिपत्र, संकल्प, प्रेसनोट आदि नमूनों का संकलन।
- स्थानीय सरकारी तथा अर्ध सरकारी कार्यालयों को भेट देकर रिपोर्ट तैयार करना।

संदर्भ पुस्तकें :

१) मानक हिंदी और भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी
प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली ।

२) प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख
शैलजा प्रकाशन, कानपुर

३) हिंदी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप - डॉ. कैलासचंद्र भाटिया
साहित्य भवन प्रा.लि. इलाहाबाद

४) दृश्य - श्रव्य माध्यम लेखन - डॉ. राजेन्द्र मिश्र
तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली -2

५) प्रयोजनमूलक हिंदी भाग 2 और भाग 3- डॉ. उर्मिला पाटील
अतुल प्रकाशन ,कानपुर

६) प्रायोगिक व्याकरण एवं पत्रलेखन - डॉ. गोस्वामी
विद्या प्रकाशन ,कानपुर

अर्थ भेदाकारी शब्दयुग्म की नमूना सूची :

अनल	-	आग	अनिल	-	हवा
ईशा	-	ऐश्वर्य	ईषा	-	हल की लंबी लकडी
उपल	-	पत्थर	उत्पल	-	कमल
कंगाल	-	गरीब	कंकाल	-	ठठरी,हड्डियों का ढाँचा
दिन	-	दिवस	दीन	-	गरीब
कुल	-	वंश	कूल	-	किनारा
खासी	-	अच्छी	खाँसी	-	एक रोग
गाडी	-	वाहन	गाढी	-	गहरी
गृह	-	घर	ग्रह	-	नक्षत्र
चिर	-	पुराना	चीर	-	कपडा
छत्र	-	छाता	छात्र	-	विद्यार्थी
जलद	-	बादल	जलज	-	कमल
तरंग	-	लहर	तुरंग	-	घोडा
तोश	-	हिंसा	तोष	-	संतोष
दिवा	-	दिन	दीवा	-	दीपक
निशाचर	-	राक्षस	निशाकर	-	चंद्रमा
नीर	-	जल	नीड	-	घोसला
परीक्षा	-	इम्तिहान	परिक्षा	-	कीचड
पानी	-	जल	पाणि	-	कर
बहु	-	बहुत	बहू	-	पुत्रवधू

रंक	-	दरिद्र	रंग	-	वर्ण
शर	-	बाण	सर	-	सरोवर
सदेह	-	देह के साथ	संदेह	-	शक
स्वेद	-	पसीना	श्वेत	-	सफेद
हरि	-	विष्णु	हरी	-	हरे रंग की
आदि	-	आरंभ / इत्यादि	आदी	-	कोई कार्य बारबार करना
अली	-	सखी	अलि	-	भौंरा
अवधि	-	समय	अवधी	-	हिंदी की बोली
अभिराम	-	सुंदर	अविराम	-	निरंतर
अनिष्ठ	-	निष्ठाहिन	अनिष्ट	-	हानि, बुराई
कपि	-	बंदर	कपी	-	घिरनी
चिता	-	शमशान की चिता	चीता	-	एक वन्य जीव
कंजर	-	नीच पुरूष	कुंजर	-	हाथी
तरणी	-	नौका	तरूणी	-	युवा स्त्री
देव	-	देवता	दैव	-	भाग्य

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय : 2 घंटे **कुल अंक 60**

प्र. क्र. 1) अर्थभेदकारी शब्दयुग्म का अर्थ देकर वाक्य में प्रयोग (8 में से 6)	12
प्र. क्र. 2) इकाई I पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12
प्र. क्र. 3) इकाई I पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12
प्र. क्र. 4) इकाई I पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 5) इकाई I पर आधारित टिप्पणियाँ (3 में से 2)	12

(इकाई II यह प्रात्यक्षिक लेखन के लिए है।)

DSC-1 (C) B HINDI और DSC-I (D) B HINDI

इन प्रात्यक्षिक पाठ्यक्रमों के संदर्भ में

कुछ महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

- प्रस्तुत पाठ्यक्रम की पहली इकाई पर 60 अंकों की लिखित परीक्षा विश्वविद्यालय के व्दारा सत्र के अंत में संपन्न होगी।
- प्रत्येक सत्र में 40 अंक प्रात्यक्षिक परीक्षा के लिए होंगे।
- पाठ्यक्रम के इकाई -II में उल्लेखित विषयों में से किन्हीं चार विषयों पर चार प्रात्यक्षिक छात्रों को प्रात्यक्षिक कापी में लिखने हैं।
- प्रात्यक्षिक कापी के प्रथम पृष्ठ पर छात्र का नाम, कक्षा, रोल नंबर, विषय का नाम तथा प्रात्यक्षिक का शीर्षक स्पष्ट रूप में उल्लेखित हो। प्रथम पृष्ठ पर ही विषय से संबंधित आचार्य का तथा प्रधानाचार्य का नाम तथा हस्ताक्षर होना अनिवार्य है।
- प्रस्तुत प्रात्यक्षिक कापी का मूल्यांकन विषय से संबंधित आचार्य को ही करना है।
- प्रात्यक्षिक लेखन संबंधि मार्गदर्शन हेतु 30 तासिकाओं का प्रावधान है।
- सत्र के अंत में विषय शिक्षक को प्रत्येक छात्र की मौखिक परीक्षा लेनी है जिसे 15 अंक निर्धारित है।
- अंतर्गत अंकों की जानकारी पहले जिस प्रकार प्रधानाचार्य के हस्ताक्षर के साथ विश्वविद्यालय को दी जाती थी उसी परंपरा के अनुसार प्रात्यक्षिक परीक्षा में प्राप्त अंकों का विवरण भी विश्वविद्यालय को प्रेषित करना है।
- मूल्यांकन के पश्चात प्रात्यक्षिक कापी विषय से संबंधित आचार्य को प्रधानाचार्य के पास जमा करनी है।
- प्रात्यक्षिक परीक्षा हेतु निर्धारित 40 अंकों का विभाजन निम्न प्रकार से होगा :-

अंतर्गत प्रात्यक्षिक परीक्षा	प्रात्यक्षिक कापी/फाईल	20
	मौखिक परीक्षा	15
	उपस्थिति	05
	कुल अंक	**40**

बी.ए. व्दितीय वर्ष - चतुर्थ सत्र

DSC-III (D) HINDI : लघु अध्ययन परियोजना (Project)

✦ पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

1) छात्रों में अनुसंधान वृत्ति को विकसित कराना।
2) छात्रों के लेखन कौशल का विकास साधना।
3) परिवेश संबंधी जानकारी से छात्रों को अवगत कराना।
4) अनुंसधान प्रविधि एवं प्रक्रिया से छात्रों का परिचय कराना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

परियोजना लेखन संबंधी अध्यापकों द्वारा निम्नलिखित मुद्दों के संदर्भ में छात्रों को मार्गदर्शन करना अपेक्षित है :-

- अनुसंधान से तात्पर्य ?
- प्रकल्प लेख्रन हेतु विषय का चयन।
- अनुसंधान विषय की परिकल्पना।
- अनुसंधान हेतु आवश्यक सामग्री।
- अनुसंधान हेतु परियोजना पद्धतियाँ।
- प्राप्त जानकारी का लेखन, प्रस्तुतीकरण, विश्लेषण।
- संदर्भ लेखन प्रविधि।
- संदर्भ सूची लेखन।
- परियोजना लेखन की भाषा।
- लघु अध्ययन परियोजना का लेखन का प्रारूप।

● लघु अध्ययन परियोजना विषयों की नमूना सूची :-

1) लोकभाषाओं का अध्ययन - अहिराणी, गुजर, लेवा, मावची, देहवाली आदि स्थानीय बोलियाँ।
2) लोक साहित्य का अध्ययन
3) लोक कथाओं का संग्रह
4) लोक गीतों का अध्ययन
5) संस्कार गीतों का संग्रह
6) लोक नाट्यों का अध्ययन
7) लोकोक्तियों का संग्रह

8) लोकोत्सवों का अध्ययन

9) कृषि संबंधी शब्दावली का संग्रह

10) नदी से जुड़े संस्कारों एवं पर्वों से संबंधित शब्दावली का संग्रह

11) विभिन्न कार्यालयों में प्रयुक्त हिंदी शब्दावली का अध्ययन

12) पर्यावरण से संबंधित शब्दों का संग्रह एवं उनका हिंदी अर्थ

13) वृक्ष अभिप्राय से संबंधित शब्दों का संग्रह एवं उनका हिंदी अर्थ

14) वृक्ष अभिप्राय से संबंधित शब्दावली का अध्ययन

15) लोकसंगीत एवं उससे जुड़ी स्वर पंक्तियों का अध्ययन

16) ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त कृतियों का समीक्षात्मक परिचय

17) स्थानीय साहित्यकारों से संवाद अथवा साक्षात्कार

18) स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रतिवेदन

19) महाविद्यालय में आयोजित वार्षिकोत्सव तथा अन्य उत्सवों का प्रतिवेदन

20) दैनिक समाचार पत्रों की भाषा एवं शब्दावली का अध्ययन तथा विश्लेषण

सूचना : उपर्युक्त विषयों के अतिरिक्त विषय शिक्षक अपने परिवेश संबंधी आवश्यकताओं एवं महत्त्व के अनुसार लघु अध्ययन परियोजना के विषय का चयन कर सकते हैं।

- **लघु अध्ययन प्रकल्प लेखन एवं मूल्यांकन संबंधी महत्वपूर्ण नियमावली :-**
    - लघु अध्ययन परियोजना न्यूनतम 30 और अधिकतम 40 पृष्ठों का होना चाहिए।
    - लघु अध्ययन परियोजना विद्यार्थी का स्वंय हस्तलिखित होना चाहिए।
    - लघु अध्ययन के लिए व्यक्तिगत भेंट, प्रत्यक्ष संवाद, दूरभाष पर चर्चा, साक्षात्कार, प्रश्नावली तैयार कर उत्तर प्राप्त करना, दृश्य-श्रव्य उपकरणों के माध्यम से सामग्री संग्रहित करना आदि माध्यमों तथा अनुसंधान पद्धतियों का उपयोग किया जा सकता है।
    - लघु अध्ययन परियोजना के प्रथम पृष्ठ पर विषय से संबंधित आचार्य,विभाग प्रमुख तथा प्रधानाचार्य जी का नाम तथा हस्ताक्षर का उल्लेख अनिवार्य है।

- सत्र समाप्ति के पहले छात्रों को लघु अध्ययन परियोजना संबंधित विषय शिक्षक के पास जमा करना जरूरी है।
- लघु अध्ययन परियोजना का मूल्यांकन संबंधित विषय शिक्षक को ही करना है।
- छात्रों व्दारा जमा किए गए लघु अध्ययन परियोजना को 60 अंक निर्धारित है और उस पर आधारित अंतर्गत परीक्षा हेतु 40 अंक निर्धारित है।
- दोनों प्रकार के मूल्यांकन की स्वतंत्र सूची तैयार कर परंपरागत पध्दति के अनुसार विश्वविद्यालय को प्रेषित करनी है।
- लघु अध्ययन परियोजना लेखन के 100 अंकों का विभाजन निम्न प्रकार से रहेगा :

परियोजना लेखन	परियोजना लेखन फाईल	60 अंक
अंतर्गत 40 अंकों का विभाजन	नियमित उपस्थिति तथा आचरण	10 अंक
	परियोजना लेखन प्रस्तुतीकरण (मौखिकी)	30 अंक
	कुल अंक	**100**

संदर्भ पुस्तकें :-

1) नवीन शोध विज्ञान - डॉ. तिलकसिंह, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली

2) शोध:स्वरूप एवं मानक व्यवहारिक कार्यविधि- बैजनाथ सिंह

3) शोध के नए आयाम -डॉ. बी.के.कलासवा

4) अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया - डॉ. मधु खराटे, डॉ. शिवाजी देवरे

5) अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया -डॉ.राजेन्द्र मिश्रा

6) शोध प्रविधि और प्रक्रिया - डॉ. हरिश अरोड़ा

7) शोध प्रक्रिया - डॉ. सरनामसिंह शर्मा

8) अनुसंधान विधि - डॉ. नियमोहन शर्मा

9) अनुसंधान सर्जन एवं प्रक्रिया - डॉ. अर्जुन तडवी

10) हिंदी अनुसंधान :वैज्ञानिक पध्द्तियाँ -डॉ. कैलाशनाथ मिश्र

11) अनुसंधान विधि - प्रोफेसर गोविंदकुमार टी. वेकरिया

बी. ए. व्दितीय वर्ष - चतुर्थ सत्र
SEC-II HINDI : अनुवाद विज्ञान

✦ पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

1) अनुवाद विज्ञान की प्रविधि से छात्रों को अवगत कराना।
2) अनुवाद विज्ञान की सैध्दांतिक विवेचन करना।
3) साहित्यिक अनुवाद, मशीनी अनुवाद से छात्रों को अवगत कराना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई I - अनुवाद :-

उत्पत्तिगत अर्थ, अनुवाद का स्वरूप, अनुवाद की परिभाषाएँ : संस्कृत, हिंदी तथा पाश्चात्य विद्वानों व्दारा दी गई परिभाषाएँ, अनुवाद के क्षेत्र, अनुवाद के प्रकार : शाब्दिक अनुवाद, छायानुवाद, सारानुवाद, अनुवाद की प्रक्रिया, अनुवाद प्रविधि, अनुवाद का महत्त्व तथा अनुवादक के गुण।

इकाई II -

अनुवाद वर्गीकरण तथा प्रकार, अनुवाद कार्य में सहायक साधन, अनुवाद के गुण-दोष, अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन, हिंदी की प्रयोजनियता में अनुवाद की भूमिका, कार्यालयीन हिंदी और अनुवाद, वैचारिक साहित्य का अनुवाद, मशीनी/कम्प्युटर अनुवाद, भाषा प्रौद्योगिकी तथा तकनीकी क्षेत्र में अनुवाद, संगणक, भ्रमण-ध्वनि, मराठी तथा अंग्रेजी परिच्छेद का हिंदी अनुवाद।

संदर्भ पुस्तकें :-

1) अनुवाद के विविध परिप्रेक्ष्य - डॉ. राम गोपाल सिंह जादौन
2) अनुवाद : स्वरूप एवं समस्याएँ - डॉ. गिरीश सोलंकी
3) अनुवाद विज्ञान सिध्दांत एवं प्रविधि - भोलानाथ तिवारी
4) अनुवाद विज्ञान स्वरूप और समस्याएँ - डॉ. राम गोपाल सिंह जादौन
5) अनुवाद अनुभूति और अनुभव - डॉ. सुरेश सिंहल
6) अनुवाद और उत्तर आधुनिक अवधारणाएँ - श्रीनारायण समीर
7) अनुवाद : अवधारणा एवं विमर्श - श्रीनारायण समीर
8) अनुवाद की समस्याएँ - जी. गोपीनाथन्
9) अनुवाद : सिध्दांत और प्रयोग - जी. गोपीनाथन्
10) अनुवाद की प्रक्रिया, तकनीक और समस्याएँ - श्रीनारायण समीर
11) अनुवाद कला : कुछ विचार - आनंद प्रकाश खेमानी
12) अनुवाद : सिध्दांत और व्यवहार - एस. के. शर्मा

13) विशेषकृत भाषा और अनुवाद - गोपाल शर्मा
14) काव्यानुवाद की समस्याएँ - महेंद्र चतुर्वेदी, डॉ. ओमप्रकाश शर्मा
15) अनुवाद का समाजशास्त्र - डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे
16) कार्यालयी हिंदी एवं कार्यालयी अनुवाद तकनीक - संपा. डॉ. सुरेश माहेश्वरी, विकास प्रकाशन, कानपुर
17) अनुवाद एवं संचार - डॉ. पूरनचंद टंडन राजपाल, नयी दिल्ली

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय : 2 घंटे **कुल अंक 60**

प्र. क्र. 1) इकाई I पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12
प्र. क्र. 2) इकाई II पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12
प्र. क्र. 3) इकाई I पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 4) इकाई II पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 5)	
अ) इकाई I पर आधारित टिप्पणियाँ (2 में से 1)	06
आ) अंग्रेजी अथवा मराठी परिच्छेद का हिंदी में अनुवाद	06

बी.ए. व्दितीय वर्ष - चतुर्थ सत्र

DSE-I (B) HINDI : काव्यशास्त्र

✦ पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

1) काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय कराना।
2) गद्य की विविध विधाओं से परिचित कराना।
3) शब्दशक्तियों का परिचय कराना।
4) छंद एवं रसों का परिचय कराना।
5) आलोचना की क्षमता विकसित कराना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई I :-

- शब्दशक्ति - अभिधा , लक्षणा और व्यंजना का सामान्य परिचय (उपभेदों का अध्ययन अपेक्षित नहीं)
- गद्य के भेद –
  - उपन्यास एवं कहानी (स्वरूप एवं तत्त्वों का विस्तृत परिचय ।)
  - निबंध,संस्मरण,रेखाचित्र,आत्मकथा,जीवनी, एकांकी, दूरदर्शन नाटक, रेडिओ नाटक (स्वरूप एवं तत्त्वों का सामान्य परिचय।)

इकाई II :-

- रस -व्याख्या, स्वरूप, रस के अंग, रस के प्रकार - श्रृंगार, वीर, करूण एवं हास्य रस (सामान्य परिचय)।
- आलोचना - स्वरूप, आवश्यकता एवं आलोचक के गुण । (आलोचना के प्रकार अपेक्षित नहीं ।)

इकाई III :-

- छंद -
  - छंद का काव्य में स्थान ।
  - निम्नलिखित छंदों का सोदाहरण परिचय
    मात्रिक छंद - दोहा, चौपाई, सोरठा, रोला, हरिगीतिका ।
    वार्णिक छंद - इंद्रवज्रा, शिखरिणी, भुजंगप्रयात वसंततीलिका, कवित्त।

संदर्भ ग्रंथ :

1)	साहित्य विवेचन	-	क्षेमचंद्र सुमन, योगेन्द्रकुमार मलिक
3)	काव्यशास्त्र	-	डॉ.भगीरथ मिश्र
4)	काव्य प्रदीप	-	कन्हैयालाल पोद्दार
5)	साहित्यशास्त्र	-	डॉ.चंद्रभानु सोनवणे
6)	काव्यशास्त्र विविध आयाम	-	डॉ. मधु खराटे

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय : 2 घंटे **कुल अंक 60**

प्र. क्र. 1) इकाई I एवं II पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न	
अ) बहुपर्यायी प्रश्न (8 में से 6)	06
आ) एकवाक्यीय उत्तरवाले प्रश्न (8 में से 6)	06
प्र. क्र. 2) इकाई I पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12
प्र. क्र. 3) इकाई II पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 4) इकाई I पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 5) इकाई III पर आधारित प्रश्न	
अ) छंद का काव्य में स्थान	06
आ) छंदों का सोदाहरण परिचय (3 में से 1)	06

बी.ए. व्दितीय वर्ष - चतुर्थ सत्र
DSE-II (B) HINDI : नाटक विधा

✦ पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

1) हिंदी नाटक विधा का विकासात्मक परिचय देना।
2) हिंदी नाटक और रंगमंच के परस्पर संबंधों पर प्रकाश डालना।
3) धरती आबा नाटक के माध्यम से आदिवासी समाज का चित्रण करना।
4) आदिवासी साहित्य और संस्कृति से छात्रों को परिचित कराना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई I -

- हिंदी नाटक विधा का स्वरूप एवं तत्त्वों का परिचय।
- हिंदी नाटक और रंगमंच
- हिंदी नाटक विधा का विकासात्मक परिचय

इकाई II -

- प्रमुख हिंदी नाटककारों का सामान्य परिचय
- विकास के चरण - भारतेन्दु युग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर युग, स्वातंत्र्योत्तर युग।
- हिंदी नाट्य साहित्य और रंगमंच में हृषीकेश सुलभ का योगदान ।

इकाई III - पाठ्पुस्तक :

धरती आबा - हृषिकेश सुलभ
राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.

संदर्भ पुस्तकें :-

1) नयी सदी के नये नाटक - डॉ. अर्जुन घरत,प्रा.संदिप कदम ,शैलजा प्रकाशन, कानपुर
2) नये हिंदी लघु नाटक -संपादक नैमिचन्द्र जैन, नॅशनल बुक ट्रस्ट इंडिया, नई दिल्ली
3) हिंदी नाटक -बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली
4) रंग अरंग - हृषिकेश सुलभ ,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
5) रंगमंच का जनतंत्र - हृषिकेश सुलभ, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली

6) आधुनिक भारतीय नाट्य विमर्श -जयदेव तनेजा, अतुल प्रकाशन,कानुपर

7) हिंदी नाटक : आज कल -डॉ. जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली

8) हिंदी रंगकर्म दशा और दिशा -डॉ. जयदेव तनेजा ,तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली

9) समकालीन हिंदी रंगमंच - डॉ. रमिता गुरव, विद्या प्रकाशन,कानपुर

10) हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष - गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद-1

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय : 2 घंटे **कुल अंक 60**

प्र. क्र. 1) इकाई III पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न	
अ) बहुपर्यायी प्रश्न (8 में से 6)	06
आ) एकवाक्यीय उत्तरवाले प्रश्न (8 में से 6)	06
प्र. क्र. 2) इकाई III पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12
प्र. क्र. 3) इकाई III पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 1)	12
प्र. क्र. 4) इकाई I और II पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 5) इकाई III पर आधारित ससंदर्भ व्याख्या (3 में से 2)	12

* समकक्ष विषयों की सूची *

तृतीय सत्र (semester III)

अ.क्र	पुराना पाठ्यक्रम	अ.क्र.	नया पाठ्यक्रम
1		1	**MIL-I Hindi लेखन कौशल : मीडिया एवं साहित्य (लघुकथा)**
2	HIN-231-A) हिंदी सामान्य -3 (G-3)	2	**DSC-I (C) A Hindi कथेत्तर गद्य विधाएँ**
3	HIN-231-B) प्रयोजनमूलक हिंदी - 3 (G-3)	3	**DSC -I (C) B Hindi प्रयोजनमूलक हिंदी (वैकल्पिक)**
4		4	**SEC - I Hindi भाषिक संप्रेषण**
5	HIN-232 - काव्यशास्त्र - हिंदी विशेष -1 (S-1)	5	**DSE - I (A) Hindi काव्यशास्त्र**
6	HIN-233 - उपन्यास विधा - हिंदी विशेष-2 (S-2)	6	**DSE -II (A) Hindi उपन्यास विधा (समय सरगम)**

चतुर्थ सत्र (semester IV)

अ.क्र	पुराना पाठ्यक्रम	अ.क्र.	नया पाठ्यक्रम
1		1	**MIL-II Hindi लेखन कौशल : मीडिया एवं साहित्य (गीत-नवगीत)**
2	HIN-241-A) हिंदी सामान्य -4 (G-4)	2	**DSC-I (D) A Hindi श्रेष्ठ हिंदी एकांकी**
3	HIN-241-B) प्रयोजनमूलक हिंदी - 4 (G-4)	3	**DSC-I (D) B Hindi प्रयोजनमूलक हिंदी (वैकल्पिक)**
4		4	**DSC- III (D) Hindi लघु अध्ययन परियोजना (Project)**
5		5	**SEC-II Hindi अनुवाद विज्ञान**
6	HIN-242 - काव्यशास्त्र - हिंदी विशेष -3 (S-3)	6	**DSE - I (B) Hindi काव्यशास्त्र**
7	HIN-243 - नाटक विधा - हिंदी विशेष-4 (S-4)	7	**DSE -II (B) Hindi नाटक विधा (धरती आबा)**

डॉ. सुनील बाबुराव कुलकर्णी
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल
कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

।। अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत ।।

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी
उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

मानविकी विद्याशाखा

Choice Based Credit System
रूचि आधारित साख पध्दति पाठ्यक्रम

बी. ए. तृतीय वर्ष कला - हिंदी

पंचम एवं षष्ठ सत्र
(V & VI Semester)

(w. e. f. June 2020)

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

बी. ए. तृतीय वर्ष कला हिंदी पाठ्यक्रम (CBCS)

रूचि आधारित साख पद्धति

पंचम सत्र (V Semester)

Course Code	Course Type	Title of the Course	Credits	Contact Hours / per semester
MIL III Hindi	Discipline Specific Core Course (DSC)	संपादन लेखन और साहित्य (मुद्रित माध्यम)	03	45
DSC- E (A) Hindi	Discipline Specific Core Course (DSC)	विशेष विधा : यात्रा साहित्य	03	45
	OR			
DSC- E (B) Hindi	Discipline Specific Core Course (DSC)	प्रयोजनमूलक हिंदी	03	45
SEC-III Hindi	Skill Enhancement Course (SEC)	हिंदी व्याकरण तथा अभिव्यक्ति कौशल	02	30
DSE-III (A) Hindi	Discipline Specific Elective Courses (DSE)	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल)	03	45
DSE-IV (A) Hindi	Discipline Specific Elective Courses (DSE)	हिंदी भाषा का विकास	03	45
GE-I (A) HINDI	Generic Elective (G.E)	हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा	03	45

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

बी. ए. तृतीय वर्ष कला हिंदी पाठ्यक्रम (CBCS)

रूचि आधारित साख पद्धति

षष्ठ सत्र (VI Semester)

Course Code	Course Type	Title of the Course	Credits	Contact Hours / per semester
MIL IV HINDI	Discipline Specific Core Course (DSC)	हिंदी सिनेमा और साहित्य : (इलेक्ट्रॉनिक माध्यम)	03	45
DSC- F (A) Hindi	Discipline Specific Core Course (DSC)	विशेष विधा : भारतीय संत काव्य	03	45
	OR	वैकल्पिक पाठ्यक्रम		
DSC- F (B) Hindi	Discipline Specific Core Course (DSC)	प्रयोजनमूलक हिंदी	03	45
SEC-IV Hindi	Skill Enhancement Course (SEC)	हिंदी भाषा का मानकीकरण और अशुद्धि शोधन	02	30
DSE-III (B) Hindi	Discipline Specific Elective Courses (DSE)	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	03	45
DSE-IV (B) Hindi	Discipline Specific Elective Courses (DSE)	भाषा विज्ञान	03	45
GE-I (B) HINDI	Generic Elective (G.E)	खानदेश का लोक साहित्य	03	45

सूचनाएँ :-

- AEC - English Communication यह अनिवार्य पाठ्यक्रम है। तृतीय वर्ष में प्रवेशित प्रत्येक छात्र के लिए यह पाठ्यक्रम पढ़ना अनिवार्य हैं।
- एमआयएल (MIL) यह पाठ्यक्रम भी अनिवार्य है। तृतीय वर्ष में प्रवेशित मानव विज्ञान विद्याशाखा के छात्र अपने महाविद्यालय में उपलब्ध मराठी, हिंदी, संस्कृत, पाली, अर्धमागधी, उर्दू इन भाषाओं में से किसी एक भाषा के पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
- DSC : इसके अंतर्गत छात्रों को तीन विषयों का चयन करना है। हिंदी विषय में रूचि एवं आस्था रखने वाले छात्र इन तीन में से एक पाठ्यक्रम हिंदी का ले सकते हैं। कुछ महाविद्यालयों में इसके विकल्प में छात्र प्रयोजनमूलक हिंदी का भी अध्ययन करते है वहाँ के छात्र इन दोनों में से किसी एक विकल्प का चयन कर सकते हैं।
- SEC : इसके अंतर्गत महाविद्यालय में उपलब्ध किसी भी एक विषय का चयन करना अनिवार्य हैं।
- GE : इसके अंतर्गत भी छात्रों को महाविद्यालय में उपलब्ध किन्हीं दो विषयों का चयन करना अनिवार्य हैं।

बी. ए. तृतीय वर्ष कला हिंदी - पंचम सत्र (V Semester)
रूचि आधारित (CBCS) पाठ्यक्रम
MIL III - HINDI : संपादन लेखन और साहित्य (मुद्रित माध्यम)

✦ पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

- छात्रों को संपादकीय कला से अवगत कराना।
- संपादक की योग्यता, दायित्व और महत्त्व से परिचित करना।
- संपादकीय लेखन के तत्त्व और प्रविधि को दर्शाना।
- विभिन्न समाचार पत्र और पत्रिकाओं के उल्लेखनीय संपादकीय से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई I : संपादन

1) संपादन : अवधारणा, उद्देश्य और आधारभूत तत्त्व।
2) संपादन : निष्पक्षता और सामाजिक संदर्भ।
3) संपादन कला के सामान्य सिध्दांत।

इकाई II : संपादक :

1) संपादक : योग्यता, दायित्व और महत्त्व।
2) संपादकीय लेखन के प्रमुख तत्त्व।
3) संपादकीय लेखन की प्रविधि।

इकाई III : उल्लेखनीय संपादकीय :

अ) प्रमुख हिंदी समाचार-पत्रों के उल्लेखनीय संपादकीय :-

1) दै. नई दुनिया, दि. 15 अगस्त 2016, संपादकीय - `विश्व में हिंदी का निरंतर विस्तार`।
2) दै. नवभारत टाइम्स, दि. 25 अप्रैल 2019, संपादकीय - `वातावरण और विकास`।
3) दै. राष्ट्रीय जागरण, दि. 8 सितम्बर 2019, संपादकीय - `हम होंगे कामयाब`।

4) दै. अमर उजाला, दि. 20 नवम्बर 2019, संपादकीय - `दूरसंचार क्षेत्र में हलचल`।

5) दै. भास्कर, दि. 3 जनवरी 2020, संपादकीय - `उम्मीदवारी का फार्मूला`।

6) दै. जनसत्ता, दि. 23 मई 2020, संपादकीय - `जीवट का सफर`।

आ) प्रमुख हिंदी पत्रिकाओं के उल्लेखनीय संपादकीय :-

1) आलोचना त्रैमासिक 49, सहस्राब्दी अंक उनचास, अप्रैल-जून 2013, संपादकीय - `रचने की न्यूनतम अर्हता` संपादक - अरूण कमल।

2) नया ज्ञानोदय, अंक 62, अप्रैल 2008 (भारतीय ज्ञानपीठ की मासिक पत्रिका), संपादकीय - `दस्तख़त` संपादक - रवींद्र कालिया।

3) बहुवचन, हिंदी की अंतर्राष्ट्रीय त्रैमासिक पत्रिका, अंक 37, अप्रैल-जून 2013, संपादकीय - आरंभिक - `दूसरे समय में कहानी`, संपादक - अशोक मिश्र।

4) सामयिक सरस्वती - शब्दों का उत्सव, वर्ष 4, अंक 13-14 (थर्ड जेंडर विशेषांक) (सामयिक प्रकाशन का त्रैमासिक), संपादकीय - जारी है अस्तित्व की लड़ाई, संपादक - शरद सिंह।

5) जनपथ, जून-जुलाई 2011, संपादकीय - पहली हराई - `कुछ और सामान की तलाश`, संपादक - अतिथि संपादक - राजकुमार राकेश।

6) वागर्थ, अंक 24, मार्च 1997, संपादकीय - `सिर्फ शोकगीत नहीं`, संपादक - प्रभाकर श्रोतिय।

पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ :

- छात्र संपादकीय कला से अवगत होंगे।
- छात्र संपादक की योग्यता, दायित्व और महत्त्व से परिचित होंगे।
- छात्रों को संपादकीय लेखन के तत्त्व और प्रविधि का ज्ञान प्राप्त होगा।
- विभिन्न समाचार-पत्र और पत्रिकाओं के संपादकीय से छात्रों का परिचय होगा।

संदर्भ सूची :-

1) प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता - दिनेश प्रसाद सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2) आधुनिक पत्रकारिता के विविध आयाम - डॉ. बी. आर बारड / डॉ. डी. एम. दोमडिया, रावत प्रकाशन, नई दिल्ली
3) समाचार संपादन - रामशरण जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4) भारतीय पत्रकारिता - नए दौर : नए प्रतिमान - संतोष, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5) खेल पत्रकारिता, सुशील दोषी, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., नई दिल्ली
6) समाचार संपादन, कमल दीक्षित, महेश दर्पण, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., नई दिल्ली
7) समाचार-पत्र प्रबंधन, गुलाब कोठारी, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., नई दिल्ली

बी. ए. तृतीय वर्ष कला हिंदी - पंचम सत्र (V Semester)
रूचि आधारित (CBCS) पाठ्यक्रम
DSC - E (A) HINDI विशेष विधा - यात्रा साहित्य

(इस पाठ्यक्रम के विकल्प में छात्र DSC E Hindi (B) इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।)

✦ पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

- यात्रा साहित्य विधा के सैद्धांतिक विवेचन से छात्रों को अवगत कराना।
- यात्रा साहित्य विधा के विकासात्मक परिचय से छात्रों को परिचित कराना।
- यात्रा साहित्य विधा के प्रमुख साहित्यकार तथा उनके यात्रा वर्णन का ज्ञान छात्रों को प्रदान करना।
- `मेरी जापान यात्रा` इस साहित्य कृति के माध्यम से छात्रों में यात्रा साहित्य लेखन की कला से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई 1 : **यात्रा साहित्य विधा** : **सैद्धांतिक विवेचन**

1) शाब्दिक अर्थ, परिभाषा, तत्त्व, प्रकार।
2) यात्रा साहित्य का प्रयोजन, महत्त्व एवं प्रमुख विशेषताएँ।
3) यात्रा साहित्य विधा का अन्य विधाओं से परस्पर संबंध।

इकाई 2 : **यात्रा साहित्य विधा का विकासात्मक अध्ययन**

1) भारतेन्दु पूर्व युग तथा भारतेन्दू युग।
2) द्विवेदी युग तथा छायावादी युग।
3) छायावादोत्तर युग / स्वातंत्र्योत्तर युग तथा समकालीन यात्रा साहित्य।
4) यात्रा साहित्य के प्रमुख साहित्यकारों तथा उनके यात्रा वर्णनों का सामान्य परिचय।

इकाई 3 : **साहित्य कृति** :

`**मेरी जापान यात्रा**` - **राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज**, श्री गुरुदेव प्रकाशन, गुरूकुंज आश्रम,
तहसील-तिवसा, जिला - अमरावती

i) राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज : जीवन एवं रचना परिचय
ii) `मेरी जापान यात्रा` इस साहित्य कृति का तात्त्विक विवेचन एवं विश्लेषण।
iii) `मेरी जापान यात्रा` इस साहित्यिक कृति का आशय, विषय एवं प्रमुख उद्देश्य।
iv) `मेरी जापान यात्रा` में चित्रित यथार्थता तथा प्रत्यक्ष अनुभव कथन।
v) `मेरी जापान यात्रा` इस साहित्य कृति की कलात्मकता तथा पात्र एवं चरित्रांकन।
vi) `मेरी जापान यात्रा` में चित्रित परिवेशगत चित्रण तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान।
vii) `मेरी जापान यात्रा` इस साहित्य कृति की प्रासंगिकता एवं महत्त्व।
viii) `मेरी जापान यात्रा` इस साहित्य कृति की प्रमुख विशेषताएँ।
ix) `मेरी जापान यात्रा` इस साहित्य कृति का शिल्पगत अध्ययन एवं विश्लेषण।

✦ पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ :-

- इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के उपरांत छात्रों को यात्रा साहित्य विधा का सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त हो जाएगा।
- पाठ्यक्रम को पढ़ने के उपरांत छात्र को यात्रा साहित्य विधा का विकासात्मक परिचय प्राप्त हो जाएगा।
- पठित साहित्य कृति के माध्यम से छात्र यात्रा साहित्य लेखन की कला को आत्मसात करेंगे।

✦ संदर्भ ग्रंथ -

1) हिंदी यात्रा साहित्य और स्त्री यात्रा साहित्यकार - डॉ. बळीराम धापसे, कीर्ति प्रकाशन, 17, रचनाकार कॉलनी, देवगिरी कॉलेज के पास, औरंगाबाद - 431005
2) हिंदी का यात्रा साहित्य - रेखा उप्रेती, हिंदी बुक सेंटर, आसफ अली रोड, नई दिल्ली- 02
3) यात्रा साहित्य : परिवेश एवं परिप्रेक्ष्य - प्रकाश मोकाशी, युनिवर्सिटी बुक हाऊस (प्रा.) लि., जयपूर - 03
4) राहुल सांकृत्यायन : घुमक्कड शास्त्र और यात्रावृत्त - जानकी पांडेय, ज्ञानभारती, रूपनगर, दिल्ली-02
5) हिंदी का आधुनिक यात्रा साहित्य - प्रतापलाल शर्मा, अमर प्रकाशन, सदर बाजार, मथुरा-01
6) हिंदी का स्वातंत्र्यप्राप्युत्तर यात्रा साहित्य - हरेश स्वामी, अन्नपूर्णा प्रकाशन, साकेत नगर, कानपुर-04

7) यात्रा साहित्य का उद्‌भव और विकास - सुरेन्द्र माथुर, साहित्य प्रकाशन, मालीवाडा, दिल्ली
8) साहित्य में गद्य की नई विविध विधाएँ - कैलाशचंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली-02
9) हिंदी यात्रा साहित्य स्वरूप और विकास - मुरारीलाल शर्मा, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली - 15
10) हिंदी विधाएँ : स्वरूपात्मक अध्ययन - वैजनाथ सिंहल, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़
11) राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज के काव्य में सामाजिक चेतना - डॉ. पंढरीनाथ शिवदास पाटील

बी. ए. तृतीय वर्ष कला हिंदी - पंचम सत्र (V Semester)
रूचि आधारित (CBCS) पाठ्यक्रम
DSC E (B) HINDI प्रयोजनमूलक हिंदी

(इस पाठ्यक्रम के विकल्प में छात्र DSC E Hindi (A) इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।)

✦ पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

- कार्यालयी भाषा हिंदी से छात्रों को अवगत कराना।
- कम्प्यूटर और हिंदी भाषा प्रयोग तथा कम्प्यूटर और रोजगार से छात्रों को अवगत कराना।
- टिप्पण के स्वरूप, उद्देश्य, प्रक्रिया तथा टिप्पणी के तत्व एवं नियमों से छात्रों को अवगत कराना।
- कार्यक्रम पत्रिका, कार्यालयी पत्रिका विवरण, कार्यवृत्त, रिपोर्ट, सचिव के कार्य, पदनाम लेखन, टेबल पट्ट, सूचना पट्ट आदि से छात्रों को परिचित कराना।
- कार्यालयी हिंदी क्रियान्वयन योजना से छात्रों को परिचित कराना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई I : कार्यालयी भाषा हिंदी तथा कम्प्युटर :

अ) कार्यालयी भाषा हिंदी : स्वरूप, विशेषताएँ, कार्यालयी भाषा के रूप में हिंदी का विकास, हिंदी के प्रयोग का सांविधानिक प्रावधान, राष्ट्रपति के आदेशों का सामान्य परिचय, हिंदी प्रयोग की समस्याएँ।

आ) कम्प्यूटर : परिचय एवं महत्त्व, कम्प्यूटर और हिंदी भाषा प्रयोग, हिंदी की प्रमुख वेबसाईट्स, विभिन्न क्षेत्रों में कम्प्यूटर का योगदान, शिक्षा क्षेत्र में कम्प्यूटर, बैंकों में कम्प्यूटर, कम्प्यूटर और रोजगार।

इकाई II : टिप्पण तथा कार्यालयी कार्यसूची :-

अ) टिप्पण (Noting) : स्वरूप, उद्देश्य, प्रकार, प्रक्रिया, टिप्पणी के तत्त्व एवं नियमों की जानकारी।

आ) कार्यालयी कार्यसूची : कार्यक्रम पत्रिका (अजेंडा), कार्यालयी पत्रिका विवरण, कार्यवृत्त, बैठक की रिपोर्ट, सचिव के कार्य, पदनाम लेखन, टेबल पट्ट, सूचना पट्ट लेखन की आवश्यकता।

इकाई III : **कार्यालयी हिंदी क्रियान्वयन योजना** :

अ) हिंदी प्रशिक्षण कार्यक्रम, परीक्षा, पाठ्यक्रम, पारिभाषिक शब्दावली एवं शब्दकोश निर्माण, संगणक की दृष्टि से देवनागरी लिपि का महत्त्व।

आ) केंद्रीय हिंदी निदेशालय, केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा, सूचना एवं तकनीकी शब्दावली आयोग तथा केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो का परिचय।

पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ :

- कार्यालयी भाषा हिंदी का विस्तृत ज्ञान छात्रों को नौकरी अथवा रोजगार के रूप में लाभदायी सिध्द होगा।
- कम्प्यूटर का परिचय एवं महत्व तथा कम्प्यूटर और हिंदी भाषा का प्रयोग आदि के अध्ययन से रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।
- सरकारी कार्यालयों में प्रयुक्त टिप्पण का स्वरूप, महत्व, नियमों की जानकारी नौकरी में लाभदायी सिध्द होगी।
- कार्यक्रम पत्रिका (अजेंडा), कार्यवृत्त, बैठक की रिपोर्ट, सचिव के कार्य आदि का अध्ययन प्रशासकीय परीक्षाओं में फलदायी होगा।
- कार्यालयी हिंदी क्रियान्वयन योजना का ज्ञान प्राप्त कर छात्रों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

✦ **संदर्भ ग्रंथ** -

1) हिंदी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप - डॉ. कैलासचंद्र भाटिया, साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद
2) जनसंचार माध्यमों में हिंदी - डॉ. चंद्रकुमार, क्लासिक पब्लिकेशन, नई दिल्ली
3) प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. विजयपाल सिंह, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
4) हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषा रूप - डॉ. माधव सोनटक्के, छाया पब्लिशिंग हाऊस, औरंगाबाद
5) प्रयोजनमूलक हिंदी (भाग 2, 3) - डॉ. उर्मिला पाटील, अतुल प्रकाशन, कानपुर
6) व्यावसायिक संप्रेषण - डॉ. अनूपचंद्र भयाणी, राजपाल ॲण्ड सन्स, दिल्ली
7) प्रयोजनमूलक हिंदी : सिध्दांत एवं प्रयोग - डॉ. दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8) देवनागरी विकास परिवर्तन और मानकीकरण - केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली

बी. ए. तृतीय वर्ष कला हिंदी - पंचम सत्र (V Semester)
रूचि आधारित (CBCS) पाठ्यक्रम
कौशल विकास संवर्धन पाठ्यक्रम (SEC - III)
SEC III - HINDI : हिंदी व्याकरण तथा अभिव्यक्ति कौशल

✦ **पाठ्यक्रम का उद्देश्य** :-

- छात्रों को हिंदी भाषा की व्याकरणिक संरचना से अवगत कराना।
- छात्रों को हिंदी शब्द संसाधन से परिचित कराना।
- छात्रों को संक्षेपण करने की प्रक्रिया से अवगत कराना।
- छात्रों को पल्लवन करने की प्रक्रिया से अवगत कराना।
- वक्तृत्व कला-कौशल की जानकारी से छात्रों को परिचित कराना।
- वाद-विवाद कला-कौशल की जानकारी से छात्रों को परिचित कराना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई I : शब्द भेद तथा शब्द संसाधन :-

अ) शब्द भेद :- **विकारी और अविकारी**

1) **विकारी शब्द** : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण एवं क्रिया आदि का सामान्य परिचय एवं प्रकार (भेद)।

2) **अविकारी शब्द (अव्यय)** : क्रियाविशेषण अव्यय, संबंधसूचक अव्यय, समुच्चयबोधक अव्यय एवं विस्मयादिबोधक अव्यय आदि का सामान्य परिचय एवं प्रकार (भेद)।

आ) शब्द-संसाधन :-

i) पर्यायवाची शब्द ii) विलोम शब्द iii) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

इकाई II : अभिव्यक्ति कौशल : मौखिक तथा लिखित :-

अ) मौखिक अभिव्यक्ति कौशल :-

i) **वक्तृत्व** : वक्तृत्व शब्द का अर्थ, वक्तृत्व कला एवं शास्त्र, वक्तृत्व के तत्त्व, वक्तृत्व का महत्त्व, वक्तृत्व प्रतियोगिता के नियम, उत्तम वक्ता की विशेषताएँ।

ii) **वाद-विवाद** : वाद-विवाद से तात्पर्य, वाद-विवाद के रूप (संसदीय वाद-विवाद, मेस वाद-विवाद, सार्वजनिक वाद-विवाद, प्रतियोगितात्मक वाद-विवाद, हास्य वाद-विवाद), वाद-विवाद प्रतियोगिता के सामान्य नियम।

आ) लिखित अभिव्यक्ति कौशल :-

i) **संक्षेपण (सारलेखन)** :- संक्षेपण का महत्त्व, संक्षेपण की विशेषताएँ, संक्षेपण की प्रक्रिया, संक्षेपण-लेखन।

ii) **पल्लवन** :- पल्लवन का महत्त्व, पल्लवन की विशेषताएँ, पल्लवन की प्रक्रिया, पल्लवन-लेखन।

पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ :-

- व्याकरण के कारण हिंदी भाषा के मानक रूप को समझा जाएगा।
- हिंदी भाषा की संरचनात्मक ढाँचे की समझ छात्रों में आएगी।
- हिंदी भाषा का शुद्ध-लेखन करने की क्षमता विकसित होगी।
- पत्रकारिता, प्रकाशन विभाग, पटकथा लेखन आदि व्यावसायिक क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।
- स्पर्धात्मक परीक्षा में (लिखित और मौखिकी) इसकी उपयोगिता सिध्द होगी।
- अभिव्यक्ति कौशल की क्षमता विकसित होगी।
- शब्द-संसाधन के माध्यम से भाषा का शब्द-भंडार बढ़ेगा।

संदर्भ ग्रंथ :-

1) हिंदी व्याकरण - पं. कामताप्रसाद गुरू, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली।

2) सुबोध हिंदी व्याकरण एवं रचना - डॉ. वीरेन्द्रकुमार गुप्ता, एस. चाँद ॲण्ड कंपनी, दिल्ली।

3) आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना - डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन, इलाहाबाद।

4) मानक हिंदी व्याकरण - डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय, विद्या प्रकाशन, कानपुर

5) प्रयोजनमूलक हिंदी भाग 1 - डॉ. उर्मिला पाटील, अतुल प्रकाशन, कानपुर

6) प्रयोजनमूलक हिंदी व्याकरण - डॉ. द्विजराम यादव, साहित्य रत्नाकर, कानपुर

7) प्रयोजनमूलक मानक हिंदी - ओंकारनाथ वर्मा, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ

8) शुद्ध हिंदी - डॉ. जगदीशप्रसाद कौशिक, साहित्यागार प्रकाशन, जयपुर

9) व्यावहारिक हिंदी - डॉ. ईश्वरदत्त शील, विद्या विहार प्रकाशन, कानपुर

10) प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. पुरूषोत्तम वाजपेयी, चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर

11) प्रायोगिक व्याकरण एवं पत्रलेखन - डॉ. शिवाकान्त गोस्वामी, विद्या प्रकाशन, कानपुर

12) वाद-विवाद प्रतियोगिता : पक्ष और विपक्ष - डॉ. गिरिराजशरण अग्रवाल, डॉ. मीना अग्रवाल, डायमंड बुक्स, दिल्ली

बी. ए. तृतीय वर्ष कला हिंदी - पंचम सत्र (V Semester)
रूचि आधारित (CBCS) पाठ्यक्रम
DSE HINDI III (A) हिंदी साहित्य का इतिहास
(आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल)
पाठ्यक्रम का स्वरूप

✦ **पाठ्यक्रम का उद्देश्य** :-

- हिंदी साहित्य का काल विभाजन तथा नामकरण से छात्रों को अवगत कराना।
- आदिकालीन साहित्य की प्रमुख परिस्थितियों, प्रवृत्तियों तथा प्रमुख रचनाकारों की रचनाओं से छात्रों को परिचित कराना।
- भक्तिकालीन साहित्य की प्रमुख परिस्थितियों, प्रवृत्तियों तथा प्रमुख रचनाकारों की रचनाकारों से छात्रों को परिचित कराना।
- रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख परिस्थितियों, प्रवृत्तियों तथा प्रमुख रचनाकारों की रचनाओं से छात्रों को परिचित कराना।

इकाई I : **हिंदी साहित्य का काल विभाजन, नामकरण तथा आदिकालीन साहित्य** :-

अ) हिंदी साहित्य का काल विभाजन एवं नामकरण :-

i) हिंदी साहित्य का काल विभाजन एवं नामकरण।

ii) आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि : राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक तथा साहित्यिक।

iii) आदिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

iv) रासो साहित्य का संक्षिप्त परिचय।

v) विद्यापति एवं गोरखनाथ का साहित्यिक परिचय।

vi) निम्नलिखित काव्यकृतियों का संक्षिप्त अध्ययन :

- पृथ्वीराज रासो - चंदबरदाई
- पहेलियाँ, मुकरियाँ - अमीर खुसरो

इकाई II : **भक्तिकाल** : **सामान्य परिचय** :-

i) पृष्ठभूमि - राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक तथा साहित्यिक।

ii) निम्नलिखित प्रमुख काव्यधाराओं तथा उनसे संबंधित प्रमुख कवियों का परिचय :

- ज्ञानाश्रयी शाखा - कबीर
- प्रेमाश्रयी शाखा - जायसी
- रामभक्ति शाखा - तुलसीदास
- कृष्णभक्ति शाखा - सूरदास
- निम्नलिखित काव्यकृतियों का संक्षिप्त परिचय।
    1) पद्मावत - जायसी
    2) विनय पत्रिका - तुलसीदास

इकाई III : **रीतिकाल** : **सामान्य परिचय** :-

i) पृष्ठभूमि - राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, तथा साहित्यिक।

ii) रीतिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

iii) कवि परिचय - बिहारी, घनानंद, केशवदास एवं भूषण का परिचय।

iv) निम्नलिखित काव्य कृतियों का संक्षिप्त अध्ययन।

1) कवित्त - घनानंद
2) शिवा बावनी - भूषण

✦ पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ :-

- हिंदी साहित्य के काल विभाजन तथा नामकरण से छात्र परिचित हो जायेंगे।
- आदिकालीन साहित्य की प्रमुख परिस्थितियों, प्रवृत्तियों, तथा प्रमुख रचनाओं का ज्ञान छात्रों को प्राप्त होगा।
- भक्तिकालीन साहित्य की प्रमुख परिस्थितियों, प्रवृत्तियों तथा प्रमुख रचनाकारों की रचनाओं से छात्र परिचित होंगे।

- रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख परिस्थितियों, प्रवृत्तियों तथा प्रमुख रचनाकारों की रचनाओं का ज्ञान छात्रों को मिलेगा।
- प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन छात्रों को सेट-नेट की परीक्षा तथा स्पर्धा परीक्षा की पूर्व तैयारी की दृष्टि से उपयोगी सिध्द होगा।

✦ संदर्भ ग्रंथ :-

1) हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2) हिंदी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ. नगेंद्र
3) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
4) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. देवीशरण रस्तोगी
5) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. सज्जनराम केणी
6) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. रमेशचंद्र शर्मा
7) हिंदी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ - शिवकुमार शर्मा

बी. ए. तृतीय वर्ष कला हिंदी - पंचम सत्र (V Semester)
रूचि आधारित (CBCS) पाठ्यक्रम
DSE-IV (A) HINDI हिंदी भाषा का विकास

पाठ्यक्रम का स्वरूप

✦ **पाठ्यक्रम का उद्देश्य** :-

- भाषा की परिभाषाओं तथा विशेषताओं से छात्रों को अवगत कराना।
- भाषा के विविध रूपों का ज्ञान छात्रों को प्रदान करना।
- विविध बोलियों के सामान्य परिचय से छात्रों को परिचित कराना।
- भाषा के व्युत्पत्ति विषय सिध्दांत से छात्रों को परिचित कराना।
- हिंदी के प्रचार एवं प्रसार में खान्देश के साहित्यकारों के योगदान से छात्रों को अवगत कराना।
- हिंदी के प्रचार एवं प्रसार में विविध संस्थाओं के योगदान को उजागर करना।

इकाई I : **भाषा का सैद्धांतिक विवेचन** :-

i) भाषा की परिभाषा, स्वरूप तथा भाषा की विशेषताएँ।

ii) भाषा के विविध रूप : बोली, परिनिष्ठित भाषा, प्रादेशिक भाषा, राजभाषा तथा राष्ट्रभाषा।

iii) बोली और परिनिष्ठित भाषा तथा राजभाषा और राष्ट्रभाषा का पारस्परिक अंतर एवं संबंध।

इकाई II : **हिंदी की बोलियों का सामान्य परिचय तथा भाषा व्युत्पत्ति विषयक सिध्दांत**:-

अ) हिंदी की बोलियों का सामान्य परिचय :- ब्रज, अवधी, खड़ी बोली, भोजपुरी, दखिखनी, मारवाडी तथा मैथिली (इनके संबंध में भौगोलिक क्षेत्र, साहित्य संपदा (लिखित-मौखिक), उपबोलियाँ, प्रत्येक बोली की अपनी खास विशेषताएँ आदि बातों की जानकारी अपेक्षित)

आ) भाषा व्युत्पत्ति विषयक सिध्दांत :- दिव्योत्पत्ति सिध्दांत, धातु सिध्दांत, श्रम परिहार सिध्दांत, मनोभावाभिव्यक्ति सिध्दांत, समन्वय सिध्दांत आदि का सामान्य परिचय।

इकाई 3 : हिंदी भाषा के विकास में व्यक्तियों और संस्थाओं का योगदान :-

अ) हिंदी के प्रचार-प्रसार में खान्देश के साहित्यकारों का योगदान : -

1) डॉ. मु. ब. शहा।
2) डॉ. शंकर पुणतांबेकर।
3) डॉ. तेजपाल चौधरी।
4) डॉ. पितांबर सरोदे।
5) डॉ. विश्वास पाटील।

आ) हिंदी के प्रचार-प्रसार में सामाजिक संस्थाओं का योगदान :-

1) ईसाई मिशनरी।
2) ब्रह्म समाज।
3) थिओसॉफिकल सोसायटी।

इ) हिंदी के प्रचार-प्रसार में साहित्यिक संस्थाओं का योगदान :-

1) नागरी प्रचारिणी सभा काशी
2) हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग
3) राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा
4) राष्ट्रभाषा प्रचार सभा पुणे
5) दक्षिण भारत प्रचार सभा, मद्रास।

✦ पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ :-

- भाषा की परिभाषाओं तथा विशेषताओं से छात्र परिचित होंगे।
- भाषा के विविध रूपों का ज्ञान छात्रों को प्राप्त हो जाएगा।
- भाषा की विविध बोलियों से छात्र परिचित होंगे।
- भाषा की व्युत्पत्ति विषयक सिद्धांतों से छात्र परिचित होंगे।
- हिंदी भाषा के विकास में खान्देश के योगदान से छात्र परिचित होंगे।
- भाषा के विकास में विविध संस्थाओं के योगदान से छात्र परिचित होंगे।
- सेट / नेट की तथा स्पर्धा परीक्षाओं की पूर्व तैयारी हेतु यह पाठ्यक्रम उपयोगी सिद्ध होगा।
- इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के उपरांत छात्र भाषिक ज्ञान से परिपूर्ण बनेंगे।

✦ संदर्भ ग्रंथ -

1) भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
2) सामान्य भाषा विज्ञान - डॉ. बाबूराम सक्सेना
3) भाषा विज्ञान की भूमिका - डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा
4) भाषा विचार एवं भाषा विज्ञान - डॉ. कृष्णा पोतदार, डॉ. मधु खराटे
5) सरल भाषा विज्ञान - डॉ. पिताम्बर सरोदे, डॉ. विश्वास पाटील
6) भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा - डॉ. हणमंत पाटील
7) राष्ट्रभाषा आंदोलन - श्री. गो. प. नेने
8) राष्ट्रभाषा प्रचार का इतिहास - सं. गंगाशरण सिंह
9) वैश्विकरण एवं हिंदी मानकीकरण - डॉ हणमंतराव पाटील
10) आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना - डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद
11) हिंदी राष्ट्रभाषा से विश्वभाषा की ओर - सं. डॉ. सुरेश माहेश्वरी

बी. ए. तृतीय वर्ष कला हिंदी - पंचम सत्र (V Semester)
रूचि आधारित (CBCS) पाठ्यक्रम
GE- I (A) HINDI हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा

पाठ्यक्रम का स्वरूप

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा से छात्रों को परिचित कराना।
- हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा का विकासात्मक परिचय प्रस्तुत करना।
- हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवियों सामान्य परिचय देना।
- भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा के योगदान को उजागर करना।
- पाठ्यक्रम में समावेशित कविताओं के आधार पर छात्रों में राष्ट्र के प्रति अस्मिता, स्वाभिमान तथा गौरव का भाव जागृत करना।

इकाई I : हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा : सैद्धांतिक विवेचन :-

- राष्ट्रीय काव्यधारा का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप और प्रमुख विशेषताएँ।
- हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा का उद्‌भव एवं विकास।
- हिंदी राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवियों का जीवन एवं रचना परिचय।

इकाई II : भारतीय स्वाधीनता आंदोलन और राष्ट्रीय काव्यधारा :-

- हमारा राष्ट्र और संस्कृति।
- आधुनिक राष्ट्रीय कविता।
- द्विवेदीयुगीन राष्ट्रीय कविता।

इकाई III : संपादित साहित्य कृति :-

राष्ट्रीय काव्यधारा - डॉ. कन्हैया सिंह

वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2014

उपर्युक्त संपादित साहित्य कृति में संकलित निम्न कविताएँ ही पाठ्यक्रम में सम्मिलित रहेगी :

1) मैथिलीशरण गुप्त - सिद्धराज (पंचम सर्ग)।
2) अयोध्यासिंह उपाध्याय - भव्य भारत और भारत का हित।
3) माखनलाल चतुर्वेदी - कैदी और कोकिला तथा अमर राष्ट्र।
4) बालकृष्ण शर्मा `नवीन` - भरत खंड के तुम हे जन-गण, ओ मजदूर-किसान, उठो।
5) रामधारी सिंह दिनकर - शहीद स्तवन तथा जनतंत्र का जन्म।

✦ पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ -

- हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा से छात्र परिचित हो जायेंगे।
- हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा के विकासात्मक परिचय का ज्ञान छात्रों को प्राप्त होगा।
- हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवियों के जीवन एवं रचनाओं से छात्र परिचित होंगे, जिससे उन्हें भी राष्ट्रीय कविता-लेखन की प्रेरणा मिलेगी।
- पाठ्यक्रम में समावेशित कविताओं के आधार पर छात्रों में राष्ट्र के प्रति अस्मिता, स्वाभिमान तथा गौरव का भाव जागृत हो जाएगा।

✦ संदर्भ सूची -

1) राष्ट्रीय काव्यधारा - डॉ. कन्हैया सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2) हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा : एक समग्र अनुशीलन - देवराज शर्मा पथिक, इंद्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली
3) आधुनिक हिंदी काव्य में राष्ट्रीय चेतना - शुभलक्ष्मी, नचिकेता प्रकाशन
4) हिंदी काव्य की प्रवृत्तियाँ - प्रभाकर माचवे, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5) हिंदी काव्य - भाषा की प्रवृत्तियाँ - भाटिया कैलाशचंद्र, तक्षशीला प्रकाशन, दिल्ली
6) छायावादोत्तर हिंदी काव्य की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि - कमला प्रसाद पांडेय, रचना प्रकाशन, दिल्ली
7) हमारे कवि : हिंदी के बत्तीस प्रमुख प्राचीन और नवीन कवियों के जीवन और काव्य की आलोचना - गुरा राजेंद्रसिन्हा, साहित्य भवन,दिल्ली

बी. ए. तृतीय वर्ष कला हिंदी - षष्ठ सत्र (VI Semester)
रूचि आधारित (CBCS) पाठ्यक्रम
MIL IV - HINDI : सिनेमा और साहित्य : (ईलेक्ट्रॉनिक माध्यम)

✦ **पाठ्यक्रम का उद्देश्य** :-

- छात्रों को हिंदी सिनेमा के इतिहास से अवगत कराना।
- सिनेमा और भारतीय समाज के संबंध का परिचय देना।
- हिंदी सिनेमा के तकनीकी पक्ष से परिचित कराना।
- साहित्यकृति पर आधारित सिनेमा से परिचित करवाना।
- `मोहनदास` की कहानी के माध्यम से सामाजिक यथार्थ को दर्शाना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई I : प्रारंभिक सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास

1) प्रारंभिक दौर का हिंदी सिनेमा।
2) स्वतंत्रता आंदोलन और हिंदी सिनेमा।
3) हिंदी सिनेमा में भारतीय समाज का यथार्थ।

इकाई II : हिंदी सिनेमा का तकनीकी पक्ष

1) फिल्म निर्माण की प्रक्रिया।
2) सिनेमा की पटकथा - अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, पटकथा लेखन की प्रक्रिया।
3) सिनेमा के संवाद - अर्थ, स्वरूप, संवाद लेखन की प्रक्रिया, भाषा-शैली।

इकाई III : `उदय प्रकाश` द्वारा लिखित `मोहनदास` इस लंबी कहानी पर बनी फिल्म `मोहनदास` का समीक्षात्मक अध्ययन।

1) कथा-पटकथा में अंतर।
2) कहानी के पात्र एवं फिल्म के पात्र में आया परिवर्तन।
3) संवाद, भाषा-शैली में आया परिवर्तन।

पाठ्यपुस्तक - **मोहनदास**

लेखक - उदय प्रकाश

प्रकाशक - वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Film Link : https://youtu.be/30zN6PWMJ5I

निर्देशक - मज़हर कामरान

निर्मिति - वर्तिका फिल्म प्रा. लि.

कथा-पटकथा संवाद - उदय प्रकाश

पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ :

- छात्र हिंदी सिनेमा की ऐतिहासिकता से अवगत होंगे।
- छात्रों को हिंदी सिनेमा और भारतीय के संबंध की जानकारी प्राप्त होगी।
- छात्रों को हिंदी सिनेमा के तकनीकी पक्ष का ज्ञान प्राप्त होगा।
- `मोहनदास` साहित्यकृति पर आधारित सिनेमा से छात्रों का परिचय होगा।
- छात्रों को `मोहनदास` की कहानी के माध्यम से सामाजिक यथार्थ का परिचय होगा।

✦ संदर्भ ग्रंथ -

1) भारतीय हिंदी सिनेमा की विकास यात्रा - डॉ. देवेंद्रनाथ सिंह, डॉ. वीरेंद्र सिंह यादव, पैसिफिक पब्लिकेशन, एन-187, शिवाजी चौक, सादतपुर, एक्सटेंशन, दिल्ली-110094
2) भारतीय सिनेमा का अंत:करण - विनोद दास, मेधा बुक्स, एक्स-11, नवीन शाहदरा, दिल्ली-110032
3) साहित्य और सिनेमा : बदलते परिदृश्य में संभावनाएँ और चुनौतियाँ - संपा. डॉ. शैलजा भारद्वाज, चिंतन प्रकाशन, 3 ए /119, आवास विकास, हंसपुरम, कानपुर - 208021
4) साहित्य और सिनेमा - संपा. प्रा. पुरूषोत्तम कुंदे, साहित्य संस्थान प्रकाशन, उत्तरांचल कॉलोनी, लोनी बॉर्डर, गाजियाबाद

5) हिंदी साहित्य और फिल्मांकन - डॉ. रामदास तोंडे, लोकवाणी संस्थान, शाहदरा, दिल्ली-13
6) भारतीय सिनेमा एक अनन्त यात्रा - प्रसून सिन्हा, श्री. नटराज प्रकाशन, ए-507/12, साऊथ गांवडी, एक्सटेंशन दिल्ली-110053
7) साहित्य और सिनेमा के अंतर्संबंध - नीरा जलक्षत्रि, शिल्पायन प्रकाशन, लेन नं. 1, वेस्ट गोरख पार्क, शाहदरा, दिल्ली - 110032
8) फिल्म साहित्य और सिनेमा - विवेक दुबे, संजय प्रकाशन, 4378/ए, डी. 209, जे. एम. डी. हाऊस, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली 110002
9) फिल्म और फिल्मकार - डॉ. सी. भास्कर राव, कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 4697/5-21 ए, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली - 110002
10) पटकथा लेखन : एक परिचय - मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली - 110002
11) सिनेमा कल, आज और कल - विनोद भारद्वाज, वाणी प्रकाशन, 21-ए, दरियागंज, नई दिल्ली-110002
12) सिनेमा और संस्कृति - डॉ. राही मासूम रजा, वाणी प्रकाशन, 21-ए, दरियागंज, नई दिल्ली - 110002
13) बहुवचन, हिंदी की अंतरराष्ट्रीय त्रैमासिक पत्रिका, अंक 39 अक्टूबर-दिसंबर 2013, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा का प्रकाशन।

बी. ए. तृतीय वर्ष कला हिंदी - षष्ठ सत्र (VI Semester)
रूचि आधारित (CBCS) पाठ्यक्रम
DSC - F HINDI (A) विशेष विधा : भारतीय संत काव्य

(इस पाठ्यक्रम के विकल्प में छात्र DSC F Hindi (B) इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।)

✦ पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

- भारतीय संत काव्य का परिचय कराना।
- भारतीय संत काव्य परंपरा का विकासात्मक परिचय करवाना।
- भारतीय संतों के काव्य का अध्ययन कराना।
- भारतीय संत काव्य की विशेषताओं तथा उपलब्धियों का परिचय देना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई I : भारतीय संत काव्य : सैद्धांतिक विवेचन :-

1) भारतीय संत काव्य की परंपरा।
2) महिला संत काव्य की परंपरा।
3) संत साहित्य की विशेषताएँ।
4) समाज के निर्माण में संतों का योगदान।
5) संत काव्य की प्रासंगिकता।

इकाई II : हिंदी अध्ययन मंडल द्वारा संपादित पाठ्यग्रंथ `भारतीय संत काव्य` में संकलित निम्न संत कवियों का जीवन एवं रचना परिचय, सामाजिक कार्य तथा प्रथम और द्वितीय क्रम पर प्रकाशित दो पद अध्ययनार्थ रखे गए हैं।

1) संत तिरूवल्लुवर - तमिलनाडु
2) संत बसवेश्वर - कर्नाटक
3) संत नामदेव - महाराष्ट्र
4) संत कबीरदास - उत्तर प्रदेश
5) संत नरसी मेहता - गुजरात
6) संत रैदास - राजस्थान

इकाई III : हिंदी अध्ययन मंडल द्वारा संपादित पाठ्यग्रंथ 'भारतीय संत काव्य' में संकलित निम्न महिला संत कवयित्रियों का जीवन एवं रचना परिचय तथा प्रथम और द्वितीय क्रम पर प्रकाशित दो पद अध्ययनार्थ रखे गए हैं।

1) संत कवयित्री अण्डाल - तमिलनाडु
2) संत कवयित्री अक्कमहादेवी- कर्नाटक
3) संत मीराँबाई - राजस्थान
4) संत लल्लेश्वरी - कश्मीर
5) संत मुक्ताबाई - महाराष्ट्र
6) संत ताजबीवी - उत्तर भारत

✦ पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ :-

- भारतीय संत काव्य से छात्र परिचित होंगे।
- भारत के विभिन्न राज्यों की संस्कृति, परिवेश तथा परंपराओं का ज्ञान छात्रों को प्राप्त होगा।
- भारत वर्ष के विभिन्न राज्यों के संतों का जीवन परिचय, रचना परिचय तथा संतों द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों का ज्ञान छात्रों को प्राप्त होगा।
- पाठ्यग्रंथ में संकलित संतों तथा संत कवयित्रियों के पद पढ़कर छात्रों के मन में मूल्य संवर्धन तथा संरक्षण की प्रेरणा जगेगी।
- संतों द्वारा किए गए सामाजिक कार्य तथा लिखें गए पदों से छात्र प्रेरित एवं प्रोत्साहित होंगे।

संदर्भ :

1) हिंदी के जनपद संत - जगजीवन राम
2) भारत की महिला संत - वासंती साळवेकर
3) भारतीय नारी संत परंपरा - बलदेव वंशी
4) भक्ति के आयाम - डॉ. पी. जयरामन

5) कबीर मीमांसा - डॉ. रामचंद्र तिवारी

6) संत साहित्य की आधुनिक अवधारणाएँ - डॉ. सुनील कुलकर्णी

7) भक्तिकाल की प्रासंगिकता - डॉ. संजय शर्मा

8) भक्तिकाल के कालजयी रचनाकार - डॉ. विष्णुदास वैष्णव

9) भारतीय भक्तिसाहित्य में अभिव्यक्त सामाजिक समरसता - डॉ. सुनील कुलकर्णी

10) सामाजिक समरसता के अग्रदूत संत कवि - डॉ. सुनील कुलकर्णी

बी. ए. तृतीय वर्ष कला हिंदी - षष्ठ सत्र (VI Semester)
रूचि आधारित (CBCS) पाठ्यक्रम
DSC F HINDI (B) प्रयोजनमूलक हिंदी

(इस पाठ्यक्रम के विकल्प में छात्र DSC F Hindi (A) इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।)

✦ पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

- वाणिज्यिक पत्रलेखन की छात्रों को जानकारी देना।
- बैंकिंग के कार्यव्यवहार से छात्रों को अवगत कराना।
- विज्ञापन का महत्त्व एवं आवश्यकता, विज्ञापन की भाषा के रूप में हिंदी का प्रयोग आदि की छात्रों को जानकारी देना।
- शब्द संसाधन से छात्रों को परिचित कराना।
- साक्षात्कार (भेटवार्ता) की छात्रों को जानकारी देना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई I : वाणिज्यिक पत्रलेखन तथा बैंकिंग व्यवहार :-

अ) वाणिज्यिक पत्रलेखन : पूछताछ पत्र, आदेश पत्र, शिकायत पत्र, साख पत्र, क्षतिपूर्ति पत्र, तकादे का पत्र।

आ) बैंकिंग व्यवहार : बैंकिंग कार्यव्यवहार का ज्ञान - खाता खोलना, खाता बंद करना, बैंक में धन जमाकर्ता की नियमावली, चेक, हुंडी, ड्राफ्ट, लेखा परीक्षा (Audit) की जानकारी, विविध प्रकार के कर्ज-योजनाओं की जानकारी।

इकाई II : विज्ञापन लेखन तथा साक्षात्कार लेखन :-

अ) विज्ञापन लेखन : विज्ञापन का स्वरूप, महत्त्व एवं आवश्यकता, विज्ञापन के प्रकार विज्ञापन की भाषा के रूप में हिंदी का प्रयोग, विभिन्न माध्यमों के लिए विज्ञापन तैयार करना।

आ) साक्षात्कार लेखन : साहित्यिक, कलाकार, पुरस्कार प्राप्त व्यक्ति, स्वतंत्रता सेनानी, उद्योगपति, खिलाडी, कार्यालयीन अधिकारी। भेटवार्ता का प्रारूप।

इकाई III : **शब्द संसाधन** :-

अ) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

आ) समानार्थी शब्द

पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ :-

- छात्रों को वाणिज्यिक पत्रलेखन का ज्ञान भविष्य में व्यवसाय के दृष्टि से लाभदायी सिध्द होगा।
- व्यावहारिक बैंकिंग का विस्तृत ज्ञान छात्रों को नौकरी, व्यवसाय एवं व्यक्तिगत जीवन में फलदायी सिध्द होगा।
- विज्ञापन के सैध्दान्तिक ज्ञान और अध्ययन से रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।
- साक्षात्कार (भेटवार्ता) के प्रारूप का ज्ञान भविष्य में मीडिया और प्रींट मीडिया के क्षेत्र में लाभदायी सिध्द होगा।
- छात्रों के शब्द संसाधन में वृध्दि होगी, जिसका उन्हें भविष्य में लाभ होगा।

✦ संदर्भ ग्रंथ :-

1) प्रयोजनमूलक हिंदी - विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2) मानक हिंदी व्याकरण - डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय, विद्या प्रकाशन, कानपुर
3) आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना - वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन, इलाहाबाद
4) मीडिया और हिंदी - संपा. डॉ. मधु खराटे, डॉ. हणमंत पाटील, राजेंद्र सोनवणे, विद्या प्रकाशन, कानपुर
5) प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
6) प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. रामगोपाल सिंह, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद
7) प्रयोजनमूलक हिंदी के अधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपुर
8) व्यावहारिक हिंदी और रचना - कृष्णकुमार गोस्वामी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

बी. ए. तृतीय वर्ष कला हिंदी - षष्ठ सत्र (VI Semester)
रूचि आधारित (CBCS) पाठ्यक्रम
SEC IV - HINDI : हिंदी भाषा का मानकीकरण और अशुद्धि-शोधन

✦ **पाठ्यक्रम का उद्देश्य** :-

- हिंदी भाषा के मानक रूप से परिचय कराना।
- देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी संबंधी नियमावली की जानकारी देना।
- शासकीय पत्र प्रारूप-लेखन की क्षमता विकसित करना।
- साक्षात्कार प्रणाली की क्षमता को विकसित करना।
- शुद्ध-लेखन की क्षमता को विकसित करना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई I : देवनागरी लिपि तथा हिंदी मानकीकरण के नियम :-

अ) देवनागरी लिपि :- देवनागरी लिपि का परिचय, देवनागरी लिपि के गुण-दोष, परिवर्धित देवनागरी वर्णमाला का परिचय।

आ) केंद्रीय हिंदी निदेशालय द्वारा प्रकाशित अद्यतन हिंदी मानकीकरण के नियमावली का अध्ययन :-

मानक भाषा का अर्थ एवं स्वरूप, मानक हिंदी भाषा की उपयोगिता और महत्त्व, मानक हिंदी वर्णमाला का परिचय, हिंदी वर्तनी के मानकीकरण की नियमावली का परिचय, हिंदी के विराम-चिह्नों का परिचय तथा संख्यावाचक शब्दों का लेखन

इकाई II : अशुद्धि शोध नियम, शासकीय पत्राचार प्रारूप लेखन तथा साक्षात्कार लेखन :-

अ) अशुध्दि शोधन नियम : लिंग, वचन, कारक, क्रिया आदि से संबंधित।

आ) शासकीय पत्राचार प्रारूप लेखन :- अर्ध-सरकारी पत्र, सरकारी पत्र, ज्ञापन लेखन, कार्यालयीन आदेश, परिपत्रक तथा अधिसूचना लेखन।

इ) साक्षात्कार लेखन : साक्षात्कार का अर्थ एवं परिभाषा, साक्षात्कार का महत्त्व, साक्षात्कार की विशेषताएँ, साक्षात्कारकर्ता के गुण, साक्षात्कार-लेखन।

✦ उपलब्धियाँ -

- प्रस्तुत पाठ्यक्रम से छात्रों को हिंदी का मानक रूप सीखने को मिलेगा, जिससे छात्र हिंदी लेखन और उच्चारण शुद्ध रूप में कर सकेंगे।
- यु. पी. एस. सी. परीक्षा में वैकल्पिक साहित्य विषय `हिंदी के पाठ्यक्रम में - `हिंदी भाषा और नागरी लिपि का इतिहास` एक स्वतंत्र खंड `क` समाविष्ट है। अत: प्रस्तुत पेपर के अध्ययन करने से छात्रों को UPSC परीक्षा की दृष्टि से तैयारी करने में मददगार साबित होगा।
- शुद्ध लेखन की क्षमता विकसित होने से छात्रों को - पत्रकारिता, प्रकाशन विभाग, साहित्य-लेखन आदि क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्ति में आसानी होगी।
- शासकीय पत्राचार के विभिन्न प्रारूप-लेखन की तैयारी प्रस्तुत पाठ्यक्रम को पढ़कर हो सकेगी।
- दूरदर्शन, रेडिओ, समाचार-पत्र, पत्रिका आदि क्षेत्रों में साक्षात्कार का अत्यंत महत्त्व है। अत: साक्षात्कार प्रणाली को छात्र अवगत कर लेता है तो उसे इन क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।
- प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने से छात्रों के व्यक्तित्त्व का विकास होगा।

✦ संदर्भ ग्रंथ -

1) हिंदी व्याकरण - पं. कामताप्रसाद गुरू, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।
2) मानक हिंदी और भाषा - डॉ. भोलनाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
3) देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण - केंद्रीय हिंदी निदेशालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, HRDM, भारत सरकार (2016)।
4) प्रयोजनमूलक मानक हिंदी - ओंकारनाथ वर्मा, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ।
5) प्रयोजनमूलक हिंदी भाग 1, 2, 3 - डॉ. उर्मिला पाटील, अतुल प्रकाशन, कानपुर।
6) शुद्ध हिंदी - डॉ. जगदीश प्रसाद कौशिक, साहित्यागार प्रकाशन, जयपुर।
7) मानक हिंदी व्याकरण - डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय, विद्या प्रकाशन, कानपुर।
8) प्रयोजनमूलक हिंदी व्याकरण - डॉ. द्विजराम यादव, साहित्य रत्नाकर, कानपुर।
9) व्यावहारिक हिंदी व्याकरण - डॉ. नामदेव उतकर, चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर।

बी. ए. तृतीय वर्ष कला हिंदी - षष्ठ सत्र (VI Semester)
रूचि आधारित (CBCS) पाठ्यक्रम
DSE HIND-III (B) हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

पाठ्यक्रम का स्वरूप

✦ पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

- हिंदी साहित्य इतिहास के आधुनिक काल के साहित्य से छात्रों को परिचित कराना।
- हिंदी साहित्य के आधुनिक काल के साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों तथा रचनाकारों से छात्रों को अवगत कराना।
- हिंदी साहित्य इतिहास के आधुनिक काल के पद्य और गद्य साहित्य तथा प्रमुख साहित्यकारों का ज्ञान छात्रों को प्रदान करना।
- आधुनिक काल के साहित्य की प्रमुख उल्लेखनीय कृतियों का छात्रों को परिचय देना।

आधुनिक काल

इकाई I : **आधुनिक काल** : **काव्य** :-

i) भारतेंदुकालीन काव्य की प्रमुख विशेषताएँ।
ii) द्विवेदीयुगीन काव्य की प्रमुख विशेषताएँ।
iii) निम्नलिखित साहित्यिक वादों का परिचय :

छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद।

इकाई II : **आधुनिक काल** : **गद्य** :-

i) भारतेंदु पूर्व खडीबोली गद्य का सामान्य परिचय।
ii) साहित्यकारों का संक्षिप्त परिचय -

भारतेंदु, प्रेमचंद, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, यशपाल, रामकुमार वर्मा, फणीश्वरनाथ रेणु, मोहन राकेश, जैनेंद्रकुमार।

iii) निम्नलिखित विधाओं का विकासात्मक अध्ययन :-

उपन्यास, कहानी, नाटक।

इकाई III : आधुनिक कालीन साहित्य की प्रमुख पद्य और गद्य कृतियों का संक्षिप्त परिचय :-

i) **आधुनिक कालीन साहित्य की प्रमुख पद्य कृतियों का संक्षिप्त परिचय-**

यशोधरा (मैथिलीशरण गुप्त), प्रिय प्रवास (अयोध्यासिंह उपाध्याय), रश्मिरथी (रामधारी सिंह दिनकर), अंधा युग (धर्मवीर भारती), समय से मुठभेड़ (अदम गोंडवी) तथा बाघ और सुगना मुंडा की बेटी - (अनुज लुगुन)।

ii) **आधुनिक कालीन साहित्य की प्रमुख गद्य कृतियों का संक्षिप्त परिचय** -

कर्मभूमि (प्रेमचंद), पहला राजा (जगदीशचंद्र माथुर), अंतिम अरण्य (निर्मल वर्मा), आषाढ़ का एक दिन (मोहन राकेश), मैला आँचल (फणीश्वरनाथ रेणु), शकुन्तिका (भगवानदास मोरवाल)।

✦ पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ :-

- भारतेन्दुकालीन काव्य की प्रमुख विशेषताओं का छात्रों को ज्ञान प्राप्त होगा।
- द्विवेदीकालीन काव्य की प्रमुख विशेषताओं का छात्रों को ज्ञान प्राप्त होगा ।
- साहित्यिक वादों का छात्रों को परिचय प्राप्त होगा।
- आधुनिक गद्यकारों के साहित्यिक योगदान से छात्रों का परिचय होगा।
- आधुनिक काल की पद्य एवं गद्य कृतियों से छात्र परिचित होंगे।
- प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन छात्रों को नेट /सेट की परीक्षा तथा प्रतियोगिता परीक्षाओं की पूर्व तैयारी की दृष्टि से उपयोगी सिद्ध होगा।

✦ संदर्भ ग्रंथ -

1) हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2) हिंदी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ. नगेंद्र
3) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
4) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. देवीशरण रस्तोगी
5) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. सज्जनराम केणी
6) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. रमेशचंद्र शर्मा
7) हिंदी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ - शिवकुमार शर्मा

बी. ए. तृतीय वर्ष कला हिंदी - षष्ठ सत्र (VI Semester)
रूचि आधारित (CBCS) पाठ्यक्रम
DSE-IV (B) HINDI भाषा विज्ञान

पाठ्यक्रम का स्वरूप

✦ **पाठ्यक्रम का उद्देश्य** :-

- भाषा विज्ञान की परिभाषाएँ तथा भाषा विज्ञान के विविध अंगों से छात्रों को परिचित कराना।
- भाषा विज्ञान तथा व्याकरण के तुलनात्मक अध्ययन का ज्ञान छात्रों को प्रदान करना।
- ध्वनि विज्ञान से संबंधित विविध मुद्दों से छात्रों को परिचित कराना।
- पद (रूप) विज्ञान से संबंधित विविध मुद्दों से छात्रों को परिचित कराना।
- वाक्य विज्ञान से संबंधित विविध मुद्दों का ज्ञान छात्रों को प्रदान करना।
- अर्थ विज्ञान से संबंधित विविध मुद्दों का ज्ञान छात्रों को प्रदान करना।

इकाई I : **भाषा विज्ञान की परिभाषा, स्वरूप, प्रमुख अंग तथा ध्वनि विज्ञान** :-

i) भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा विज्ञान के अंग तथा भाषा विज्ञान की व्याकरण से तुलना।

ii) **ध्वनि (स्वन) विज्ञान** :

ध्वनि विज्ञान की व्याख्या, भाषा ध्वनि की परिभाषा, ध्वनियंत्र और उसकी कार्यप्रणाली (उच्चारण प्रक्रिया), ध्वनि वर्गीकरण के आधार (स्थान और प्रयत्न), स्वरों और व्यंजनों का वर्गीकरण, ध्वनिगुण।

इकाई II : **पद विज्ञान तथा वाक्य विज्ञान** :-

i) **पद (रूप विज्ञान)** :-

शब्द, पद, संबंध तत्त्व और अर्थतत्त्व, संबंध तत्त्व के प्रकार।

ii) **वाक्य विज्ञान** :-

वाक्य की परिभाषा, वाक्य की आवश्यकताएँ, वाक्य में पदक्रम, वाक्य-विभाजन, वाक्य विभाजन के आधार - अग्र-पश्च, उद्देश्य-विधेय तथा उपवाक्यीय।

इकाई III : **अर्थ विज्ञान** :-

i) **अर्थ विज्ञान** :-

शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन का स्वरूप, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन के कारण - बल का अपसरण, पीढ़ी परिवर्तन, अन्य भाषाओं का प्रभाव, वातावरण में परिवर्तन, नम्रता प्रदर्शन, अशोभन के लिए शोभन का प्रयोग, अधिक शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग, एक शब्द के दो रूपों का प्रचलन, व्यंग्य, आलंकारिक प्रयोग, वस्तुओं का निर्माण, अज्ञान और असावधानी।

✦ पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ :-

- भाषा विज्ञान की परिभाषाएँ तथा भाषा विज्ञान के विविध अंगों से छात्र परिचित होंगे।
- इस पाठ्यक्रम को पढ़कर भाषा विज्ञान तथा व्याकरण का तुलनात्मक ज्ञान छात्रों को प्राप्त होगा।
- ध्वनि विज्ञान से संबंधित विविध मुद्दों का ज्ञान छात्रों को प्राप्त होगा।
- पद (रूप) विज्ञान से संबंधित विविध मुद्दों का ज्ञान छात्रों को प्राप्त होगा।
- अर्थ विज्ञान से संबंधित विविध मुद्दों का ज्ञान छात्रों को प्राप्त होगा।
- यह पाठ्यक्रम सेट/नेट तथा स्पर्धा परीक्षाओं की पूर्व तैयारी की दृष्टि से उपयोगी सिध्द होगा।

✦ संदर्भ ग्रंथ :-

1. भाषा विज्ञान- डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. हिन्दी भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. भाषा विज्ञान -डॉ. तेजपाल चौधरी
4. भाषा विज्ञान- डॉ. रामस्वरूप खरे
5. भाषिक हिन्दी भाषा तथा भाषा शिक्षण- डॉ. अंबादास देशमुख
6. भाषा विज्ञान- डॉ. डी. एम. दोमडिया
7. भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा का इतिहास -डॉ.हणमंतराव पाटील/ सुधाकर शेंडगे
8. भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम एवं हिन्दी भाषा- डॉ. अंबादास देशमुख

9. भाषा विज्ञान एक अध्ययन- गरिमा श्रीवास्तव

10. भाषा विज्ञान : हिन्दी भाषा- डॉ. सुरेश सिंहल

11. भाषा विज्ञान का रसायन- कैलाशनाथ पाण्डेय

12. भाषा विज्ञान: हिन्दी भाषा और लिपि-रामकिशोर शर्मा

13. भाषा चिन्तन के नये आयाम -रामकिशोर शर्मा

14. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धान्त- -रामकिशोर शर्मा

15. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास - उदयनारायण तिवारी

16. हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास - हेतु भारव्दाज

17. हिंदी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास - सत्यनारायण त्रिपाठी

18. हिंदी भाषा की संरचना - डॉ. भोलानाथ तिवारी

19. हिंदी भाषा चिंतन - दिलीप सिंह

20. भाषा का संसार - दिलीप सिंह

21. भाषा विचार एवं भाषा विज्ञान - डॉ. कृष्णा पोतदार, डॉ. मधु खराटे

बी. ए. तृतीय वर्ष कला हिंदी - षष्ठ सत्र (VI Semester)
रूचि आधारित (CBCS) पाठ्यक्रम
GE-I (B) HINDI खानदेश का लोकसाहित्य

पाठ्यक्रम का स्वरूप

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- लोकसाहित्य की सैद्धांतिकी से छात्रों को परिचित कराना।
- खानदेश के लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति से छात्रों को अवगत कराना।
- छात्रों को खानदेश की प्रमुख बोलियाँ : अहिराणी, लेवा और आदिवासी के साहित्य से अवगत कराना।
- लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य और लोकोत्सव आदि के माध्यम से खान्देश की लोकसंस्कृति का साक्षात्कार कराना।
- लोकगीत, लोककथा, और लोकनाट्य आदि से संबंधित प्रतिनिधि साहित्य रचना का अध्ययन और विश्लेषण करना।

इकाई I : लोकसाहित्य : सैद्धांतिक विवेचन :-

i) लोकसाहित्य का सैद्धांतिक पक्ष : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ।

ii) खानदेश का लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति का सामान्य परिचय।

iii) लोकसाहित्य के प्रमुख प्रकार : लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य और लोकोत्सवों का परिचय।

iv) खानदेश की प्रमुख बोलियों का सामान्य परिचय।

इकाई II : खानदेश की प्रमुख बोलियों का प्रतिनिधि साहित्य : लोकगीत और लोककथा:-

i) अहिराणी बोली : प्रातिनिधिक रूप में एक लोकगीत और एक लोककथा।

ii) लेवा बोली : प्रातिनिधिक रूप में एक लोकगीत और एक लोककथा।

iii) आदिवासी बोली : प्रातिनिधिक रूप में एक लोकगीत एक लोककथा।

इकाई III : खानदेश की प्रमुख बोलियों का प्रतिनिधि साहित्य : लोकनाट्य और लोकोत्सव का अध्ययन :-

i) अहिराणी बोली : प्रातिनिधिक रूप में एक लोकनाट्य और एक लोकोत्सव का अध्ययन।
ii) लेवा बोली : प्रातिनिधिक रूप में एक लोकनाट्य और एक लोकोत्सव का अध्ययन।
iii) आदिवासी बोली : प्रातिनिधिक रूप में एक लोकनाट्य और एक लोकोत्सव का अध्ययन।

सूचना :- ईकाई I और ईकाई II में हिंदी अध्ययन मंडल द्वारा संपादित पाठ्यपुस्तक ``खानदेश का लोकसाहित्य`` में खानदेश की प्रमुख बोलियाँ - अहिराणी, लेवा और आदिवासी की साहित्यिक रचनाओं में से प्रथम क्रम पर प्रकाशित रचनाएँ अध्ययनार्थ रखी गई हैं।

पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ :-

- लोकसाहित्य की सैद्धांतिकी से छात्र अवगत होंगे।
- खानदेश के लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति से छात्र परिचित होंगे।
- छात्रों को खानदेश की प्रमुख बोलियाँ :- अहिराणी, लेवा और आदिवासी के साहित्य का ज्ञान हो जाएगा।
- लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य और लोकोत्सव आदि से संबंधित प्रतिनिधि साहित्य रचना का अध्ययन और विश्लेषण करने से छात्रों में प्रादेशिक साहित्य के प्रति आस्था और अस्मिता का भाव जागृत होगा।
- प्रस्तुत पाठ्यक्रम को पढ़कर छात्रों को लोक भाषा में साहित्य सर्जन की प्रेरणा मिलेगी।

✦ संदर्भ ग्रंथ -

1. लोकसाहित्य शास्त्र (अहिराणी के परिप्रेक्ष्य में)-डॉ. बापूराव देसाई
2. मावची लोकसाहित्य शास्त्र - डॉ. बापूराव देसाई
3. पच्चीस लोक बोलियों का शास्त्र और संस्कृति- डॉ. बापूराव देसाई
4. लोकसाहित्य के प्रतिमान- डॉ.कुंदनलाल उप्रेति
5. लोकसाहित्य के मूल स्त्रोत - डॉ. उर्मिला पाटील

6. लोकसाहित्य का अध्ययन- डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय
7. महाराष्ट्र का हिन्दी लोक काव्य -डॉ.कृष्ण दिवाकर
8. लोकगीतों का विकासात्मक अध्ययन - डॉ.कुलदीप
9. हिन्दी लोकसाहित्य शास्त्र, सिद्धांत और विकास - डॉ.अनुसया अग्रवाल
10. लोकगीतों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि - डॉ.विद्या चौहान
11. लोककथा परिचय - नलिन विलोचन शर्मा
12. लोककथा विज्ञान- श्रीचन्द्र जैन
13. लोकसाहित्य शास्त्र -डॉ.नंदलाल कल्ला
14. भारतीय लोकसाहित्य की रूपरेखा -दुर्गा भागवत अनु.स्वर्णकांता
15. भारतीय लोकसाहित्य - डॉ.श्याम परमार
16. लोकसाहित्य की भूमिका - डॉ.कृष्णदेव उपाध्याय
17. लोकसाहित्य सिद्धांत और प्रयोग - डॉ. श्रीराम शर्मा
18. अहिराणी ओवीगीते : आशय आणि अभिव्यक्ती - डॉ. सुधा खराटे
19. अहिराणी लोकसाहित्य दर्शन (सण आणि उत्सव) - कृष्णा पाटील
20. आदिवासी संस्कृती, भाषा आणि साहित्य - डॉ. पुष्पा गावित
21. पश्चिम खानदेशातील आदिवासी लोकसाहित्य - डॉ. पुष्पा गावित
22. बोली : समाज, साहित्य आणि संस्कृती - डॉ. कैलास सार्वेकर
23. भाषा भूगोल और सांस्कृतिक चेतना - डॉ. विजयचंद्र
24. लोकसाहित्य विविध आयाम एवं नई दृष्टि - डॉ. जयश्री गावित
25. लोकसाहित्य - डॉ. शशिकांत सोनवणे
26. लोकसाहित्य और पावरी भाषा - डॉ. नारायणभाई चौधरी
27. लेवा पाटीदार समाज : एक अन्वयार्थ - डॉ. नि. रा. पाटील

---

* समकक्ष विषयों की सूची *

पंचम सत्र (semester V)

अ.क्र	पुराना पाठ्यक्रम	अ.क्र.	नया पाठ्यक्रम
1	HIN-351 A हिंदी सामान्य (G-3) -I	1	DSC- E (A) Hindi विशेष विधा : यात्रा साहित्य
2	HIN-351 B प्रयोजनमूलक हिंदी (G-3) - I	2	DSC- E (B) Hindi प्रयोजनमूलक हिंदी
3	HIN-352 हिंदी साहित्य का इतिहास (S-III) - I	3	DSE-III (A) Hindi हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल)
4	HIN-353 भाषा विज्ञान तथा राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास (S-IV) - I	4	DSE-IV (A) Hindi हिंदी भाषा का विकास
5	-	5	MIL III Hindi संपादन लेखन और साहित्य (मुद्रित माध्यम)
6	-	6	SEC-III Hindi हिंदी व्याकरण तथा अभिव्यक्ति कौशल
7	-	7	GE-I (A) HINDI हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा

षष्ठ सत्र (semester VI)

अ.क्र	पुराना पाठ्यक्रम	अ.क्र.	नया पाठ्यक्रम
1	HIN-361 A हिंदी सामान्य (G-3) -II	1	DSC- F (A) Hindi विशेष विधा : भारतीय संत काव्य
2	HIN-361 B प्रयोजनमूलक हिंदी (G-3) - II	2	DSC- F (B) Hindi प्रयोजनमूलक हिंदी
3	HIN-362 हिंदी साहित्य का इतिहास(S-III)-II	3	DSE-III (B) Hindi हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
4	HIN-363 भाषा विज्ञान तथा राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास (S-IV) - II	4	DSE-IV (B) Hindi भाषा विज्ञान
5	-	5	MIL IV HINDI हिंदी सिनेमा और साहित्य : (इलेक्ट्रॉनिक माध्यम)
6	-	6	SEC-IV Hindi हिंदी भाषा का मानकीकरण और अशुद्धि शोधन
7	-	7	GE-I (B) HINDI खानदेश का लोक साहित्य

डॉ. सुनील कुलकर्णी
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल
कवयित्री बहिणाबाई चौधरी
उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव